door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in | हिंदी दैनिक | गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 335 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 5 जुलाई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

चीन के विदेश मंत्री से मिले जयशंकर, सीमा विवाद पर हुई चर्चा पेज 2
केंद्रीय मंत्री ने खवांग विधानसभा क्षेत्र में बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की और... पेज 3
हिंदू अल्पसंख्यक न हों इसके लिए जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू होना... पेज 5
यूरो कप 2024 : पुर्तगाल और फ्रांस और स्पेन और जर्मनी, क्वार्टर फाइनल की आठ टीमें तय पेज 7

राज्य में बाढ़ की स्थिति गंभीर, 29 जिलों में 16.5 लाख लोग प्रभावित

गुवाहाटी। असम में बाढ़ की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। एक आधिकारिक बुलेटिन के अनुसार गुरुवार को राज्य की प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही थीं। बुलेटिन में बताया गया है कि राज्य के 29 जिलों में बाढ़ से 16.5 लाख से ज़्यादा लोग प्रभावित हैं। ब्रह्मपुत्र, दिगारू और कोलोंग नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। इस बीच, कामरूप (मेट्रो) जिले में अलर्ट जारी कर दिया गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा गुरुवार को गुवाहाटी के मालीगांव, पांडु पोर्ट और मंदिर घाट के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे। हिमंत ने बुधवार देर रात सभी जिला आयुक्तों (डीसी) के साथ बाढ़ की स्थिति पर एक बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित लोगों को जल्द से जल्द राहत पहुंचाने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे 15 अगस्त से पहले सभी पुनर्वास दावों को नियमानुसार पूरा कर मुख्यालय को सटीक जानकारी उपलब्ध कराएं ताकि लोगों को पर्याप्त राहत दी जा सके। असम सरकार के कैबिनेट मंत्री भी गुरुवार से अगले तीन दिनों तक बाढ़ प्रभावित जिलों का दौरा करेंगे और स्थिति का जायजा लेंगे। इस वर्ष असम में बाढ़, भूस्खलन और तूफान के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 56 हो गई है तथा तीन अन्य लापता हैं। बाढ़ के कारण बरपेटा, विश्वनाथ, कछार, चराईदेव, चिरांग, दारंग, धेमाजी, डिब्रूगढ़, गोलाघाट, जोरहाट, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, कार्बी आंग्लांग, करीमगंज, लखीमपुर, माजुली, मोरीगांव, नगांव, नलबाड़ी, शिवसागर, शोणितपुर जिले प्रभावित हैं। असम में जारी बाढ़ संकट के कारण धुबड़ी में सबसे अधिक 2.23 लाख लोग प्रभावित हैं, इसके बाद दारंग में लगभग 1.84 लाख लोग और लखीमपुर में 1.66 लाख से अधिक लोग बाढ़ के पानी में फंसे हुए हैं। ब्रह्मपुत्र नद निमातीघाट, तेजपुर, गुवाहाटी, ग्वालपाड़ा और धुबड़ी में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। उधर ब्रह्मपुत्र नद ने एक बार फिर असम के मोरीगांव जिले के कई गावों पर कहर ढाया। सीएम हिमंत विश्व शर्मा समेत असम सरकार के मंत्री लगातार प्रभावित इलाकों का दौरा कर स्थिति का जायजा ले रहे हैं। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें लगातार काम कर रही हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों में फंसे लोगों को राहत शिविरों तक पहुंचाया जा रहा है। इस बीच गुरुवार को असम के मंत्री अतुल बोरा ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौर किया। इस मौके पर उन्होंने बताया कि मोरीगांव करीब 190 से अधिक गांव बाढ़ प्रभावित हैं। इस बीच बाढ़ प्रभावित इलाकों के लोगों ने इसे क्षेत्र की पुरानी समस्या बताया है। असम के मोरीगांव -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने पांडू के बाढ़ ग्रस्त इलाकों का किया दौरा

गुवाहाटी (हि.स.)। राजधानी गुवाहाटी के पांडू के विभिन्न इलाके जैसे बीबीसी कॉलोनी, पांडू नाथ, लोको कॉलोनी तथा आसपास के इलाकों में ब्रह्मपुत्र नद का पानी प्रवेश कर गया है। पांडू के विभिन्न इलाकों में आई बाढ़ से लोगों का जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। पांडू नाथ इलाके में स्लुइस गेट के ऊपर से पानी घुस गया जिसके चलते पूरे इलाके में पानी भर गया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार पांडू के बाढ़ ग्रस्त इलाकों का दौरा किया। उनके साथ मंत्री जयंत मल्ल बरुवा, मंत्री पीयूष हजारिका, मेयर मृगेन शरणिया, कामरूप जिले के डीसी सुमित सत्तावन आदि मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने बाढ़ ग्रस्त इलाकों के स्थानीय पार्षदों और विशेष रूप से प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों के साथ विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने स्थानीय निवासियों की शिकायतें सुनीं और आश्वासन दिया कि समस्या का जल्द ही समाधान किया जाएगा। स्थानीय निवासियों के अनुरोध पर उन्होंने पांडू नाथ इलाके के स्लुइस गेट का निरीक्षण किया और कहा कि मौजूदा स्लुइस गेट के ऊपर पानी भर गया है। पानी बंद करने के लिए बेहतर गुणवत्ता वाले स्लुइस गेट की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने विभागीय इंजीनियरों और जीएमडी से बात की और उन्नत तकनीक से गेट बनाने का आश्वासन दिया।

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

अरुणाचल : भूस्खलन से यातायात प्रभावित, सात जिलों से टूटा संपर्क

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश में भूस्खलन के कारण गुरुवार को सात जिलों से आवागमन टूट गया है। भूस्खलन के कारण एनएच-13 का पासीघाट-पंगिन-आलो का एक हिस्सा प्रभावित हुआ है। हालांकि पीडब्ल्यूडी रास्ते को साफ कर यातायात साफ करने की कोशिश कर रहा है। कई अन्य स्थानों पर भी यातायात व्यवस्था धड़ाम हो चुकी है। लगातार बारिश के कारण अरुणाचल प्रदेश के पश्चिमी सियांग जिले के आलो में पानी और बिजली की आपूर्ति बाधित -शेष पृष्ठ दो पर

लोस में अब शपथ के दौरान सदस्य नहीं लगा सकेंगे नारे

स्पीकर ने नियम में किया संशोधन

नई दिल्ली। लोकसभा के कुछ सदस्यों द्वारा शपथ के दौरान नारेबाजी करने के बाद अध्यक्ष ओम बिरला ने नियम में संशोधन किया है, जिसके मुताबिक निर्वाचित सांसद सदन के सदस्य के रूप में शपथ लेते समय कोई भी अतिरिक्त टिप्पणी नहीं कर सकते। ओम बिरला ने सदन के कामकाज से संबंधित कुछ मामलों को विनियमित करने के लिए अध्यक्ष के निर्देशों में *निर्देश-1* में एक नया खंड जोड़ा है, जो नियमों का हिस्सा नहीं था। निर्देश-1 में संशोधन के अनुसार, नया खंड-तीन अब यह कहता है कि एक सदस्य जब शपथ लेगा और उस पर हस्ताक्षर करेगा तो वह उपसर्ग या प्रत्यय के रूप में किसी भी शब्द का उपयोग या अभिव्यक्ति नहीं करेगा। यानी कोई टिप्पणी नहीं करेगा। यह संशोधन पिछले सप्ताह शपथ लेते समय कई सदस्यों द्वारा *जय संविधान* और *जय हिंदू राष्ट्र* जैसे नारे लगाने की पृष्ठभूमि में आया है। एक सदस्य ने *जय फलस्तीन* का नारा भी लगाया था, जिस पर भी कई सदस्यों ने आपत्ति भी जताई थी। लोकसभा अध्यक्ष ने सदस्यों से शपथ लेते समय निर्धारित प्रारूप पर कायम रहने का अनुरोध किया था, लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने आरोप लगाया था कि कई सदस्यों ने शपथ लेने या प्रतिज्ञान करने के महत्वपूर्ण अवसर का इस्तेमाल राजनीतिक संदेश भेजने के लिए किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि 18वीं लोकसभा के पहले सत्र में 103 प्रतिशत कामकाज हुआ। बिरला ने बताया कि सत्र के दौरान कुल सात बैठकें हुईं और सदन करीब 34 घंटे तक चला। सत्र के दौरान 539 नवनिर्वाचित सदस्यों ने शपथ ली। इसके अलावा -शेष पृष्ठ दो पर

हेमंत सोरेन फिर बने झारखंड के सीएम, राजभवन में ली शपथ

रांची (हि.स.)। जेल से रिहाई के बाद हेमंत सोरेन गुरुवार को एक बार फिर झारखंड के मुख्यमंत्री बन गए। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने राजभवन के दरबार हॉल में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। राज्यपाल ने उन्हें शुभकामनाएं भी दी। इसके साथ हेमंत सोरेन तीन बार सत्ता की बागडोर संभालने वाले मुख्यमंत्री बन गए। उल्लेखनीय है कि हेमंत सोरेन 13 जुलाई, 2013 को पहली बार मुख्यमंत्री बने थे। इसके बाद 29 दिसंबर, 2019 को और अब तीसरी बार चार जुलाई को मुख्यमंत्री बने हैं। इस मौके पर झामुमो प्रमुख और हेमंत के पिता शिबू सोरेन, -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

गरीबी विनम्रता की परीक्षा और मित्रता की कसौटी है।
-हैजलिट

न्यूज गैलरी

बिहार में एक और पुल धराशायी, 24 घंटे में तीसरा गिरा

पटना (हि.स.)। बिहार के सारण जिले में एक और पुल धराशायी हो गया। आज सुबह बनियापुर प्रखंड के सरेया पंचायत में पुल भरभराकर गिर गया। बारिश के कारण पुल कमजोर हो गया था। इस पुल का निर्माण मुखिया श्रवण महतो के फंड से किया गया था। गनीमत रही कि पुल गिरने -शेष पृष्ठ दो पर

विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम ने पीएम से की मुलाकात

नई दिल्ली (हि.स.)। विश्व कप टी-20 विजेता भारतीय क्रिकेट टीम ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। विजेता भारतीय खिलाड़ियों की यह मुलाकात प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास में हुई। मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व विजेता टीम से उनके अनुभवों को सुना। सोशल मीडिया पर जारी फोटो में प्रधानमंत्री मोदी ट्रॉफी पकड़ने की बजाय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और कोच -शेष पृष्ठ दो पर

आहोम मोइदाम को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल करने की सिफारिश

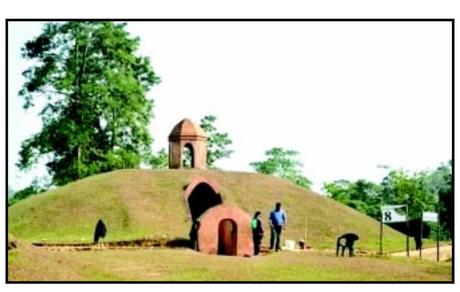

गुवाहाटी। असम के चराइदेउ जिले में स्थित आहोम युग के *मोइदाम* को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल करने की सिफारिश की गई है। यह सिफारिश अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार संस्था आईसीओएमओएस ने की है। बता दें कि आहोम मोइदाम असम के शाही परिवारों का कब्रिस्तान है। अंतर्राष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल परिषद (आईसीओएमओएस) ने *सांस्कृतिक एवं मिश्रित संपत्तियों के नामांकन का मूल्यांकन* रिपोर्ट तैयारी की है। इस रिपोर्ट को 21-31 जुलाई तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाले विश्व धरोहर समिति के 46वें सत्र में पेश किया जाएगा। दुनिया भर से 19 नए नामांकनों सहित कुल 36 नामांकनों का मूल्यांकन किया गया, जिसमें से आहोम मोइदाम भारत से एकमात्र आवेदन था। आईसीओएमओएस ने सिफारिश की है कि आहोम -शेष पृष्ठ दो पर

हाथरस भगदड़ काण्ड में छह आयोजक गिरफ्तार

हाथरस (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के हाथरस में सत्संग समागम में हुई भगदड़ की घटना में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें चार पुरुष और दो महिलाएं हैं। ये सभी आयोजन समिति के सदस्य हैं और सेवादार के रूप में कार्य करते हैं। यह जानकारी अलीगढ़ रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) शलभ माथुर ने दी। माथुर ने गुरुवार को प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि गिरफ्तार किए गए -शेष पृष्ठ दो पर

एससीओ की बैठक में पीएम ने उठाया आतंकवाद और संप्रभुता के सम्मान का मुद्दा

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान, आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, गैर-भेदभावपूर्ण व्यापार नीतियों जैसे मुद्दों को उठाया और वैश्विक स्तर पर संघर्षों का साझा समाधान तलाशने की अपील की। उल्लेखनीय है कि मध्य एशिया के देश तथा चीन, रूस और पाकिस्तान भी संगठन का हिस्सा हैं। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अस्ताना, कजाकिस्तान में हैं। यहां शिखर सम्मेलन में विदेश मंत्री ने प्रधानमंत्री का वक्तव्य -शेष पृष्ठ दो पर

हिजबुल्लाह की इजरायल पर सबसे बड़ी एयर स्ट्राइक, दाग दिए 200 से अधिक रॉकेट

तेल अबीब। लेबनानी हिजबुल्लाह समूह ने गुरुवार को कहा कि उसने एक हमले के जवाब में इजराइल में कई सैन्य ठिकानों पर 200 से अधिक रॉकेट दागे, जिसमें उसके एक वरिष्ठ कमांडर की मौत हो गई। ईरान समर्थित आतंकवादी समूह द्वारा किया गया हमला लेबनान-इजराइल सीमा पर महीनों से चल रहे संघर्ष में सबसे बड़े हमलों में से एक था, हाल के हफ्तों में तनाव बढ़ गया है। इजरायली सेना ने कहा कि कई प्रोजेक्टाइल और संदिग्ध हवाई लक्ष्य लेबनान से उसके क्षेत्र में प्रवेश कर गए थे, जिनमें से कई को रोक दिया गया था। हताहतों की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं थी। इसने बुधवार को स्वीकार किया कि उसने एक दिन पहले दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के तीन क्षेत्रीय डिवीजनों में से एक का नेतृत्व करने वाले मोहम्मद नामेह नासिर की हत्या कर दी थी। कुछ घंटों बाद, हिजबुल्लाह ने उत्तरी इजराइल और कब्जे वाले सीरियाई गोलान हाइट्स में भारी हथियारों के साथ कई कत्युशा रॉकेट और फलक रॉकेट लॉन्च किए। इसने गुरुवार को और -शेष पृष्ठ दो पर

26 नहीं अंग्रेजी वर्णमाला के 27 हैं अक्षर

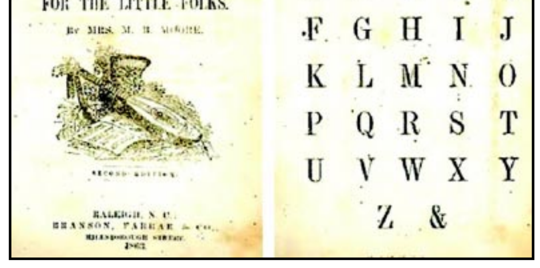

लंदन। बचपन में स्कूल में पढ़ाई की शुरुआत हमेशा अंग्रेजी वर्णमाला A,B,C,D... से होती है। सब जानते हैं कि अंग्रेजी की वर्णमाला में 26 अक्षर होते हैं लेकि एक वक्त था जब अंग्रेजी वर्णमाला में 27 alphabet हुआ करते थे और ये अक्षर Z के बाद आता था। लेकिन वक्त के साथ इसका आखिरी अक्षर गायब हो गया औरलोगों को लगा कि अंग्रेजी वर्णमाला के केवल 26 alphabet ही होते हैं। डेली स्टार न्यूज वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार एकटिकटॉक यूजर ने हाल ही में एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उसने इस राज से पर्दा उठाया। उसने बताया कि अंग्रेजी का 27वां अक्षर क्या होता है? उसने बताया कि एम्परसैंड (&) को अंग्रेजी का 27वां अक्षर कहा जाता था और सालों पहले पढ़ाई में भी इसको पढ़ाया जाता था। ब्रिटैनिका वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार एंपर्सैंड सबसे पहले 1835 में अंग्रेजी में आया था और इसे अक्षर की ही तरह इस्तेमाल किया जाता था। 19वीं सदी के ब्रिटिश छात्रों को ये 27वें अक्षर की तरह पढ़ाया जाता था। ये लैटिन भाषा के शब्द *et* से बना है जिसका मतलब एंड होता है। दरअसल, जब छात्र वर्णमाला -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

चीन के विदेश मंत्री से मिले जयशंकर, सीमा विवाद पर हुई चर्चा

नई दिल्ली (हि.स.)। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी से गुरुवार को अस्ताना, कजाकिस्तान में एससीओ बैठक के दौरान मुलाकात की। विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने समकक्ष से कहा कि भारत-चीन संबंध आपसी सम्मान, संवेदनशीलता और हितों को ध्यान में रखकर ही बेहतर हो सकते हैं। ऐसे में वास्तविक नियंत्रण रेखा का सम्मान और सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति सुनिश्चित की जानी चाहिए। विदेश मंत्री ने द्विपक्षीय संबंधों में सामान्य स्थिति की वापसी की दिशा में बाधाओं को दूर करने के लिए पूर्वी लद्दाख में शेष क्षेत्रों से सैन्य तनातनी कम करने और सीमा पर शांति बहाल करने के प्रयासों को दोगुना करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। दोनों मंत्री इस बात पर सहमत हुए कि सीमावर्ती क्षेत्रों में मौजूदा स्थिति का लंबे समय तक बने रहना किसी भी पक्ष के हित में नहीं है। विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों मंत्रियों ने वैश्विक स्थिति पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। विदेश मंत्री जयशंकर ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी को अगले वर्ष चीन की अध्यक्षता में एससीओ के लिए भारत का समर्थन दिया। द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर और पुनर्निर्माण करने के लिए पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शेष मुद्दों का शीघ्र समाधान खोजने पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने अतीत में दोनों सरकारों के बीच हुए प्रासंगिक द्विपक्षीय समझौतों, प्रोटोकॉल और समझ के महत्व को रेखांकित किया। दोनों मंत्री शेष मुद्दों को जल्द से जल्द हल करने के लिए अपनी चर्चाओं को आगे बढ़ाने के लिए दोनों पक्षों के राजनयिक और सैन्य अधिकारियों की बैठकें जारी रखने और बढ़ाने पर सहमत हुए।

मणिपुर में प्रीपाक (प्रो) संगठन का उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हथियार और गोला-बारूद की बरामदगी के साथ ही उग्रवादियों के पकड़े जाने का सिलसिला भी लगातार जारी है। इसी सिलसिले में सुरक्षा बलों के अभियान में एक कट्टर प्रीपाक (प्रो) संगठन के उग्रवादी को पकड़ा गया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि जीरीबाम जिले के ऊचाथोल से प्रीपाक (प्रो) संगठन के जिस सक्रिय कैडर को गिरफ्तार किया है, उसकी पहचान इंफाल पश्चिम के चोंगथम खुंद्रकपाम किरण सिंह (31) रूप में हुई है। वह जीरीबाम में दुकानों से जबरन वसूली में शामिल था। आगे की जांच के लिए मामला दर्ज कर लिया गया है। उग्रवादी गतिविधियों में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए सुरक्षा बलों द्वारा पूरे राज्य में छापामारी अभियान चलाया जा रहा है।

बिजली परियोजना बंद करने से संबंधित मामला सीबीआई को सौंपा गया : हिमंत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि पर्यावरण मंजूरी नहीं मिलने के कारण पांच मेगावाट वाले बोर्डिकोरई हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट को बंद करने से संबंधित मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का फैसला किया गया। मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस परियोजना को विश्वनाथ जिले में स्थापित करने का प्रस्ताव था और 2009 में एक निजी कंपनी को यह काम सौंपा गया था लेकिन 2012 में वन विभाग ने बताया कि परियोजना के लिए पर्यावरणीय मंजूरी नहीं ली गई थी। उन्होंने बताया कि 2015 में परियोजना को व्यवहार्य नहीं होने के आधार पर अचानक बंद कर दिया गया और गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने सरकार को कंपनी को 100 करोड़ रुपए का मुआवजा देने का निर्देश दिया। उस समय राज्य में तरुण गोगोई के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार थी। शर्मा ने कहा कि हमने मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी है ताकि उन परिस्थितियों की जांच की जा सके, जिसके कारण परियोजना को अचानक बंद कर दिया गया जबकि पर्यावरण मंजूरी ली जा सकती थी।

दिल्ली पहुंचे टिपरा मोथा प्रमुख आदिवासी परिषद के लिए मांगी मदद

अगरतला। त्रिपुरा आदिवासी क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद के लिए अधिक धनराशि के लिए टिपरा मोथा प्रमुख प्रद्योत किशोर माणिक्य देबबर्मा ने केंद्रीय आदिवासी मामलों के मंत्री जुएल ओराम से मुलाकात की। इसके अलावा उन्होंने तीन अन्य मंत्रियों से मुलाकात की। त्रिपुरा में आदिवासी क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद के लिए केंद्रीय स्तर से मदद मांगी जा रही है। इसके लिए टिपरा मोथा प्रमुख प्रद्योत किशोर माणिक्य देबबर्मा गुरुवार को नई दिल्ली पहुंचे। यहां उन्होंने तीन केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की। केंद्रीय आदिवासी मामलों के मंत्री जुएल ओराम से मुलाकात कर उन्होंने त्रिपुरा आदिवासी क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद के लिए अधिक धनराशि जारी करने का अनुरोध किया। इसके अलावा उन्होंने सीके जमातिया और त्रिपुरा पूर्वी संसदीय क्षेत्र की सांसद कृति देवी देबबर्मा से मुलाकात की। बता दें कि लोकसभा चुनाव से ठीक पहले त्रिपुरा में भाजपा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार में टिपरा मोथा शामिल हो गई थी। टिपरा मोथा प्रमुख देबबर्मा फेसबुक पर लिखा कि गुरुवार को दिल्ली में आदिवासी मामलों के मंत्री जुएल ओराम, श्री सी के जमातिया और त्रिपुरा पूर्वी संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती कृति देवी देबबर्मा से मुलाकात की। त्रिपुरा पहले एक स्वदेशी/आदिवासी राज्य था। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न कारणों से हम स्वदेशी लोग अपनी ही भूमि पर अल्पसंख्यक बन गए हैं। उन्होंने कहा कि मैंने उनसे टीटीएएडीसी को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने का अनुरोध किया। टिपरा मोथा के प्रमुख ने बुधवार को पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी से भी मुलाकात की।

सूरज और पृथ्वी के बीच शुक्रवार को रहेगी साल की सबसे अधिक दूरी

भोपाल (हि.स.)। खगोल विज्ञान में रुचि रखने वाले लोगों के लिए शुक्रवार, पांच जुलाई का दिन खास होने जा रहा है। इस दिन सूरज और पृथ्वी के बीच की दूरियां बढ़ जाएंगी। अर्थात, शुक्रवार को सूरज और पृथ्वी के बीच की दूसरी इस साल में सबसे अधिक होगी। हालांकि, इससे मौसम पर कोई असर नहीं पड़ेगा। नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने गुरुवार को जानकारी देते हुये बताया कि सूरज की परिक्रमा करती पृथ्वी सालभर अपनी दूरी बदलती रहती है। साल के एक दिन वह सूरज के सबसे पास वाले बिंदू पर होती है तो एक दिन ऐसा आता है, जब यह दूरी बढ़कर सबसे अधिक हो जाती है। शुक्रवार, पांच जुलाई को वह दिन आ गया है, जब पृथ्वी, सूरज से अधिकतम दूरी पर पहुंच जाएगी। साल में एक बार होने वाली यह खगोलीय घटना अफेलियन कहलाती है। उन्होंने बताया कि भारतीय समय के अनुसार, शुक्रवार को प्रातः 10 बजकर 36 मिनट की स्थिति में पृथ्वी और सूर्य के बीच की दूरी 15 करोड़ 20 लाख 99 हजार 968 किमी हो जाएगी, जो इस साल की सबसे अधिक दूरी होगी। उन्होंने बताया कि इस साल तीन जनवरी को पृथ्वी अपनी दूरी घटाते हुए सूरज से 14 करोड़ 71 लाख 632 किमी दूरी पर थी, इसे पेरिहेलियन की स्थिति कहते हैं।

सांगली में मिड-डे मील के पैकेट में मिला मरा हुआ सांप, मचा हड़कंप

मुंबई। पश्चिमी महाराष्ट्र के सांगली जिले में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक *आंगनवाड़ी* या सरकारी नर्सरी स्कूल में बच्चों के लिए बने मध्याह्न भोजन के पैकेट में कथित तौर पर एक छोटा मरा हुआ सांप मिला। राज्य आंगनवाड़ी कर्मचारी संघ की उपाध्यक्ष आनंदी भोसले ने बताया कि इस मामले की सूचना सोमवार को एक बच्चे के माता-पिता ने दी थी। अधिकारी इस पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। कांग्रेस नेता और पलुस-कादेगांव के विधायक विश्वजीत कदम ने इसे एक गंभीर घटना बताते हुए मौजूदा मानसून सत्र में राज्य विधानसभा में यह मुद्दा उठाया। उन्होंने घटना की जांच और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। जिला अधिकारियों ने बताया कि बच्चे के माता-पिता ने तस्वीर खींच कर सांप को फेंक दिया था। बाद में ये तस्वीर स्थानीय आंगनवाड़ी सेविका कार्यकर्ता को भेज दी। तस्वीर के बावजूद पैकेट से खाने का नमूना लिया गया और जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया। आनंदी भोसले ने बुधवार को कहा कि छह महीने से तीन साल की उम्र के बच्चों को आंगनवाड़ियों में खाने के पैकेट मिलते हैं, जिसमें दाल, खिचड़ी होती है। सोमवार को पलुस में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा भोजन के पैकेट बांटे गए। इसके बाद एक बच्चे के माता-पिता ने बुधवार को दावा किया कि उन्हें जो पैकेट मिला, उसमें एक छोटा मरा हुआ सांप मिला। इसके बाद आंगनवाड़ी *सेविका* (महिला कार्यकर्ता) ने अधिकारियों को घटना की सूचना दी। उन्होंने कहा कि जबतक सेविका ने इसकी जानकारी अधिकारियों को दी, तब तक माता-पिता संदिग्ध मृत सांप को पहले ही निपटा चुके थे। उन्होंने कहा कि सांगली जिला परिषद के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी संदीप यादव और खाद्य सुरक्षा समिति के अन्य अधिकारियों ने आंगनवाड़ी का दौरा किया और पैकेट को प्रयोगशाला परीक्षण के लिए ले जाया गया। उन्होंने कहा कि घटना के बाद जिस गोदाम में भोजन के पैकेट रखे हुए हैं, उसे सील कर दिया गया है। भोसले ने यह भी दावा किया कि प्रीमिक्स भोजन के पैकेट की आपूर्ति के लिए जिम्मेदार ठेकेदार के बारे में शिकायतें मिली हैं। उन्होंने कहा कि ठेकेदार द्वारा आंगनवाड़ी केंद्रों को पैकेट दिए जाते हैं। वहां से दो से तीन दिनों के भीतर लाभार्थियों को दिया जाता है। इस मामले में न तो आंगनवाड़ी सेविका और न ही किसी अन्य जिला प्रशासन के अधिकारी ने किसी सांप को देखा।

पत्नी ने पति की करवाई दूसरी शादी, फिर दो बीविओं ने मिलकर ले आई तीसरी दुल्हन

अमरावती। पति की जिंदगी में कोई और महिला आए, ये बात शायद ही कोई पत्नी बर्दाश्त कर पाएगी। लेकिन आंध्र प्रदेश में ऐसा मामला सामने आया है, जहां एक शख्स की पहले से ही दो बीवियां थीं। फिर उन दो पत्नियों ने अपने ही पति के लिए तीसरी दुल्हन ढूंढी। फिर उससे अपने पति की शादी भी करवाई। यही नहीं, तीनों पत्नियां अब हंसी-खुशी साथ-साथ एक ही घर में रह भी रही हैं। हैरान कर देने वाला ये मामला विशाखापट्टनम के अल्लूरी सीताराम राजू जिले का है। यहां एक महिला ने पहले अपने पति की दूसरी शादी करवाई। फिर दोनों पत्नियों ने मिलकर पति की तीसरी शादी भी करवाई। गुलेलु गांव के शख्स सगेनी पांडन्ना ने साल 2000 में पर्वतम्मा नाम की महिला से शादी की थी। शादी के 7 साल बाद पर्वतम्मा के पति ने अप्पलम्मा से शादी की, क्योंकि उनका कोई बच्चा नहीं था। सगेनी पांडन्ना ने पर्वतम्मा के बाद अप्पलम्मा से शादी की। दोनों का बच्चा भी हुआ। लेकिन इसके बाद उन्हें एक और बच्चा चाहिए था। अब पर्वतम्मा के साथ अप्पलम्मा ने भी अपने पति, यानी सगेनी पांडन्ना की तीसरी शादी का फैसला लिया। पंडन्ना ने अपनी दोनों पत्नियों को बताया कि उसे किल्लमकोटा गांव के बंधावीधी निवासी लव्या उर्फ लक्ष्मी पसंद है। बस फिर क्या था दोनों पत्नियां खुद रिश्ता लेकर लव्या लक्ष्मी के घर गईं। लव्या के बड़े-बुजुर्ग भी शादी के लिए राजी हो गए। पंडन्ना की दो पत्नियों ने अपने नाम पर शादी के कार्ड और फ्लेक्स छपवाए। इसमें लिखा था कि उन्हें अपने पति की शादी में आमंत्रित किया गया था और शादी बड़े पैमाने पर की गई थी। तीसरी शादी 25 जून के दिन हुई। यह अनोखी शादी आंध्र प्रदेश में तभी से चर्चा का विषय बनी हुई है। कई लोग इसका विरोध भी करने लगे थे। इस कारण पंडन्ना अपनी तीनों पत्नियों के साथ गांव और रिश्तेदारों से कहीं दूर चले गए हैं। किसी को नहीं पता कि इन दिनों वे चारों कहां हैं।

पृष्ठ एक का शेष

राज्य में बाढ़ की...

जिले में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। जिसके चलते हजारों परिवार प्रभावित हुए हैं। जिला प्रशासन के मुताबिक जिले के 194 गांव जलमग्न हैं। कुछ बाढ़ प्रभावित इलाकों के लोग मोरीगांव जिले के भूरागांव क्षेत्र में तटबंध पर शरण ले रहे हैं। अब तक असम में बाढ़ से 46 लोगों की मौत हो गई है और स्थिति गंभीर बनी हुई है, जिससे 16 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। पिछले 36 घंटों के दौरान, बाढ़ के पानी ने लगभग 100 सड़कों, 14 पुलों, सात तटबंधों को क्षतिग्रस्त कर दिया है और चार अन्य तटबंधों को तोड़ दिया है। बाढ़ से अब तक 46 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य में एक दिन पहले यानी बुधवार को बाढ़ के पानी में डूबने से आठ लोगों की मौत हुई। रेड के जादूगर पवन सहरावत कितना कमाते हैं, जानिए कितनी है उनकी कुल नेटवर्थ असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) की एक रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में पिछले 24 घंटों में आठ लोगों की मौत हो गई, जिनमें शोणितपुर जिले के दो, मोरीगांव, डिब्रूगढ़, दारांग, गोलाघाट, बिश्वनाथ और तिनसुकिया जिले के एक-एक व्यक्ति शामिल हैं। कुल मरने वालों की संख्या 46 हो गई है जबकि तीन अन्य लापता हैं। राज्य में समग्र स्थिति अभी भी गंभीर है क्योंकि बाढ़ की दूसरी लहर से 29 जिलों के 16.25 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। धुबड़ी सबसे बुरी तरह बाढ़ प्रभावित जिला है, जिससे 2,23,210 लोग प्रभावित हुए हैं। 105 राजस्व क्षेत्रों के लगभग 2,800 गांव अभी भी बाढ़ में डूबे हुए हैं और लगभग 39,451.51 हेक्टेयर फसल क्षेत्र में पानी भर गया है। 24 बाढ़ प्रभावित जिलों में प्रशासन द्वारा स्थापित 515 राहत शिविरों और वितरण केंद्रों में 3.86 लाख से अधिक लोग शरण ले रहे हैं। एएसडीएमए ने कहा कि बाढ़ में 1120165 जानवर भी प्रभावित हुए हैं। आपदा प्रतिक्रिया बल (डीआरएफ), आपातकालीन सेवाओं, प्रशासन, भारतीय सेना और अर्धसैनिक बलों की बचाव टीमें लगी हुई हैं। एक दिन पहले तक जारी रेस्क्यू किए किए अपडेट को लेकर कहा गया कि 8,377 लोगों राहत बचाव कार्यक्रम के तहत बचाया गया है।

अरुणाचल : भूस्खलन से ...

हुई है। निचले सियांग जिले में लिकाबाली टाउनशिप में पानी की आपूर्ति को भी बाढ़ और भूस्खलन के कारण काफी नुकसान हो रहा है। गुरुवार को अरुणाचल प्रदेश के सात जिलों से संपर्क टूट गया। दरअसल गुरुवार को भूस्खलन के कारण पासीघाट-पांगिन-आलो मार्गपर एनएच-13 एक हिस्सा बुरी तरह प्रभावित हुआ। सियांग जिले में लोकपेंग और पंगिन ट्राई-जंक्शन के बीच एक चट्टान के कारण एनएच-13 को ब्लॉक कर दिया। पीडब्ल्यूडी राजमार्ग के सहायक अभियंता गेमर पाडू ने बताया कि हल्के मोटर वाहनो को गुजारने के लिए लगातार मशीनरी से सड़क को साफ किया जा रहा है। भूस्खलन के कारण जिलों में सियांग, पूर्वी सियांग, ऊपरी सियांग, पश्चिमी सियांग, शि योमी, लेपराडा और ऊपरी सुबनसिरी से संपर्क टूट गया है। कई स्थानों पर भूस्खलन के कारण निगमोई-आलो बाईपास सड़क भी अवरुद्ध हो गई है। अपर सियांग जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी वाई जेरांग ने कहा कि भूस्खलन के कारण रणनीतिक तूतिंग उप-मंडल का संपर्क शेष जिले से कट गया है। उन्होंने कहा कि 29 जून को मोयिंग और मिगिंग गांवों में कई स्थानों पर भारी भूस्खलन के बाद उप-मंडल पूरी तरह से कट गया। उन्होंने कहा कि तूतिंग जाने वाले यात्री अपर सियांग के जिला मुख्यालय यिंगकिओंग में फंसे हुए हैं। पीडब्ल्यूडी राजमार्ग विभाग के अधिकारी के हवाले से डीआईपीआरओ ने कहा कि अगर मौसम अनुकूल रहा तो सड़क को पूरी तरह से बहाल करने में कम से कम एक सप्ताह का समय लगेगा।

लोस में अब शपथ...

पहले सत्र में ओम बिरला का दोबारा स्पीकर के रूप में चुनाव हुआ और राष्ट्रपति का अभिभाषण भी हुआ। मंगलवार को लोकसभा को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया। ओम बिरला ने यह भी बताया कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में 68 सदस्यों ने भाग लिया। 26 जून को हुए लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव का जिक्र करते हुए बिरला ने ध्वनिमत से दूसरी बार उन्हें अध्यक्ष चुने जाने पर आभार व्यक्त किया। स्पीकर ने बताया कि 26 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंत्रिपरिषद का सदन में परिचय कराया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि 27 जून को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा 18 घंटे से अधिक समय तक चली और 68 सदस्यों ने इसमें भाग लिया। दो जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जवाब के साथ चर्चा समाप्त हुई। बिरला ने आगे बताया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी की नियुक्ति की घोषणा 27 जून को सदन में की गई थी। ओम बिरला ने नवनिर्वाचित सदस्यों के शपथ ग्रहण और अध्यक्ष के चुनाव के दौरान कार्यवाही के सुचारु संचालन के लिए प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने सदन को सुचारु रूप से चलाने में योगदान देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी, संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू, विभिन्न पार्टियों के नेताओं और सदन के सदस्यों को भी धन्यवाद दिया। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने संसद के दोनों सदनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषणों को जानबूझकर बाधित करने के लिए कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए की आलोचना की। पत्रकार वार्ता में रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सभी मुद्दों को उठाने के लिए पर्याप्त समय आवंटित किया गया था और फिर भी उन्होंने संसद के दोनों सदनों में प्रधानमंत्री के जवाब को बाधित करने का विकल्प चुना। रिजिजू ने कहा कि भाषण के दौरान कुछ व्यवधान ठीक है, लेकिन नारे लगाकर प्रधानमंत्री के पूरे दो घंटे के भाषण को बाधित करना निश्चित रूप से उचित नहीं है। ऐसा कभी नहीं हुआ। मंत्री ने कहा कि सरकार संसद की कार्यवाही को बाधित करने की कांग्रेस की रणनीति को कभी सफल नहीं होने देगी।

आहोम मोइदाम को ...

राजवंश को दफनाने की जगह आहोम मोइदाम को मानदंड 3 और मानदंड 4 के आधार पर विश्व धरोहर सूची में शामिल किया जाए। इस सिफारिश के साथ, पहली बार आवेदन करने वाले मोइदाम, यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में औपचारिक रूप से प्रवेश करने से बस एक कदम दूर हैं। इन्हें पहली बार अप्रैल 2014 में संभावित सूची में शामिल किया गया था। फ्रांस स्थित आईसीओएमओएस, सांस्कृतिक विरासतों के लिए यूनेस्को का एक सलाहकार निकाय है। यह एक अंतर्राष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन है जिसमें पेशेवर, विशेषज्ञ, स्थानीय अधिकारियों, कंपनियों और विरासत संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हैं। यह निकाय दुनिया भर में वास्तुकला और परिदृश्य विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए काम करता है। आहोम मोइदाम का क्षेत्रफल 95.02 हेक्टेयर है और इसका बफर जोन 754.511 हेक्टेयर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चराइदेउ स्थित मोइदाम के भीतर 90 संरचनाएं हैं, जो ऊंची भूमि पर स्थित हैं। इन्हें ईंट, पत्थर या मिट्टी से बने खोखले मिट्टी के टीले जैसा बनाया गया था। इसमें एक अष्टकोणीय दीवार के केंद्र में एक मंदिर बनाया गया था। चराइदेउ में स्थित मोइदाम आहोम राजाओं और रानियों का कब्रिस्तान है। ये मध्यकालीन युग के असम के कलाकारों की शानदार वास्तुकला और विशेषज्ञता का नमूना है।

हाथरस भगदड़ काण्ड ...

लोग आयोजन समिति के सदस्य हैं। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार लोगों में राम लड़ैते पुत्र रैबारी सिंह यादव निवासी भानपुरा थाना, कुरावली जिला मैनपुरी, उपेंद्र सिंह यादव पुत्र रामेश्वर सिंह एटा रोड थाना शिकोहाबाद जिला फिरोजाबाद, मेघ सिंह निवासी दमदपुरा कस्बा थाना सिकन्दराराऊ जिला हाथरस, मुकेश कुमार पुत्र मोहर सिंह निवासी दमदपुरा कस्बा थाना सिकन्दराराऊ जिला हाथरस, मंजू यादव पत्नी सुशील कुमार निवासी कचोरा थाना सिकन्दराराऊ जिला हाथरस और मंजू देवी पत्नी किशन कुमार यादव निवासी कचोरा थाना सिकन्दराराऊ जिला हाथरस हैं। जानकारी में पता चला है कि ये सभी लोग चंदा इकट्ठा करने और भीड़ जमा करने का काम करते हैं। गिरफ्तार लोग कार्यक्रम में सभी तरह की व्यवस्था प्रमुख की भूमिका में रहते हैं और बंदोबस्त कराते हैं। आईजी ने बताया कि हादसे के बाद से अब तक की पुलिस कार्रवाई में बाबा से पूछताछ अभी तक नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि हादसे से जैसे-जैसे जांच की प्रक्रिया बढ़ेगी, उसकी जद में आने वाले हर शख्स से पूछताछ और कार्रवाई की जाएगी। जांच के आधार पर जरूरत पड़ी तो बाबा से भी पूछताछ की जाएगी। आईजी ने बताया है कि विवेचना में एक सेवादार द्वारा सत्संग में आई भीड़ का वीडियो बनाने पर डाटा जा रहा है और उसे मोबाइल बंद रखने की बात कही जा रही है या डराया व धमकाया जा रहा है। इसको देखते हुए सेवादार प्रकाश मधुकर के ऊपर एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया जा रहा है। शलभ माथुर ने बताया कि हाथरस में सत्संग में आए लोग वाकई में हादसे का शिकार हुए या कहीं उन्हें साजिश का शिकार तो नहीं बनाया गया, इसको गंभीरता से विवेचना में देखा जा रहा है। बाबा की चरण रज लेने के लिए वहां जुटी भीड़ आगे बढ़ी तो जिन सेवादारों ने भीड़ को छोड़ दिया, जिसके बाद ये घटना हुई, वे लोग मौके से भाग गए थे। उनको लेकर इन बिन्दुओं पर छानबीन चल रही है। आईजी अलीगढ़ ने बताया कि गिरफ्तार लोग वीडियो बनाने से रोकते थे। खुद ही भीड़ नियंत्रण का काम करते हैं। अभी और लोगों की भी पहचान जारी है। भगदड़ मचने से अभी तक 121 लोगों की मौत हुई है। सभी की शिनाख्त हो चुकी है। उनके परिजनों को सम्मान पूर्वक शव सुपुर्द करते हुए सहायता राशि व अन्य कार्रवाई को अमल में लाया गया है।

एससीओ की बैठक ...

पढ़ा। इसमें प्रधानमंत्री ने कहा कि एससीओ एक सिद्धांत-आधारित संगठन है, जिसकी सर्वसम्मति इसके सदस्य देशों के दृष्टिकोण को संचालित करती है। हम देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सिद्धांतों के विपरीत कोई भी कदम नहीं उठाने पर भी सहमत हुए हैं। कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान आवश्यक है। इसी तरह गैर-भेदभावपूर्ण व्यापार अधिकार और पारगमन व्यवस्थाएं भी हैं। एससीओ को इन पहलुओं पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद से मुकाबला करना एससीओ के मूल लक्ष्यों में से एक है। अगर इस समस्या को यूं ही छोड़ दिया गया तो यह क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए एक बड़ा खतरा बन सकता है। आतंकवाद को किसी भी तरह से सही नहीं ठहराया जा सकता। सीमा पार आतंकवाद पर निर्णायक प्रतिक्रिया जरूरी है और आतंकवाद के वित्तपोषण और भर्ती का दृढ़ता से मुकाबला किया जाना चाहिए। हमें युवाओं में कट्टरवाद को फैलने से रोकने के लिए भी सक्रिय कदम उठाने चाहिए। जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हमारे सामने यह प्रमुख चिंता का विषय है। हम उत्सर्जन में प्रतिबद्ध कमी लाने की दिशा में काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने वक्तव्य की शुरूआत में ईरान को संगठन के सदस्य के रूप में हिस्सा के लिए बधाई दी और हेलीकॉप्टर दुर्घटना में राष्ट्रपति राईसी और अन्य लोगों के दुखद निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आज हम यहां दुनिया भर में महामारी के प्रभाव, संघर्ष, बढ़ते तनाव और विश्वास की कमी की पृष्ठभूमि में एकत्र हुए हैं। इन घटनाओं ने अंतर्राष्ट्रीय संबंधों और वैश्विक आर्थिक विकास पर महत्वपूर्ण दबाव डाला है। वैश्वीकरण से कुछ समस्याएं बढ़ गई हैं। हमारा उद्देश्य इन घटनाक्रमों के प्रभावों को कम करने के लिए सामान्य आधार खोजना है।

हेमंत सोरेन फिर ...

माता रुपी सोरेन, कार्यवाहक मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन, मंत्री बादल, रामेश्वर उरांव, सत्यानंद भोक्ता, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, सांसद महुआ माजी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, विधायक कल्पना सोरेन, दीपिका पांडेय सिंह, बैजनाथ राम सहित सत्ता पक्ष के सभी विधायक और अन्य भी उपस्थित थे। इससे पहले हेमंत सोरेन ने पिता और सांसद शिबू सोरेन के पास जाकर उनके चरण छूए। साथ ही सोशल मीडिया पर इसे शेयर करते हुए लिखा कि बाबा से मिलकर आगामी चुनौतियों से निपटने के लिए उनका आशीर्वाद लिया। राज्य में गुरुवार की सुबह से ही मुख्यमंत्री आवास से लेकर राजभवन के बीच सियासी सरगर्मी बनी हुई थी। सुबह सीएम हाउस में बैठक के बाद हेमंत सोरेन सहयोगियों के साथ राजभवन गये थे। इसके बाद राज्यपाल ने उन्हें मुख्यमंत्री के तौर पर मनोनीत किया। शपथ ग्रहण के लिए आमंत्रित भी किया। इसके बाद चर्चा रही कि सात जुलाई को हेमंत सहित कैबिनेट में शामिल किए गये सहयोगियों के साथ शपथ ग्रहण करेंगे। इस दिन रांची में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का भी कार्यक्रम होना है। इसलिए इस पावन दिन को शपथ ग्रहण समारोह होगा लेकिन दोपहर होते-होते यह खबर सामने आई कि गुरुवार की शाम पांच बजे राजभवन में हेमंत सोरेन अकेले मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। मंत्रिमंडल में जो भी नाम तय होंगे, उनके लिए शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम बाद में आयोजित होंगे।

हिजबुल्लाह की इजरायल...

अधिक रॉकेट लॉन्च किए और कहा कि इसने कई ठिकानों पर विस्फोटक ड्रोन भी भेजे हैं। अमेरिका और फ्रांस इन झड़पों को पूर्ण युद्ध में बदलने से रोकने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं, जिससे उन्हें डर है कि यह पूरे क्षेत्र में फैल सकता है। गाजा में युद्ध शुरू होने के तुरंत बाद अपेक्षाकृत निम्न स्तर का संघर्ष शुरू हो गया। हिजबुल्लाह का कहना है कि वह ईरान-सहयोगी एक अन्य समूह हमास के साथ एकजुटता दिखाते हुए इजराइल पर हमला कर रहा है, जिसने 7 अक्तूबर को दक्षिणी इजराइल पर हमले के साथ गाजा में युद्ध भड़काया था। समूह के नेतृत्व का कहना है कि गाजा में युद्धविराम होने के बाद वह अपने हमले रोक देगा, और हालांकि वह युद्ध नहीं चाहता है, लेकिन वह युद्ध के लिए तैयार है। इस बीच, इजरायली अधिकारियों का कहना है कि अगर राजनयिक समाधान के प्रयास विफल रहे तो वे लेबनान में युद्ध का फैसला कर सकते हैं। हिजबुल्लाह का यह जवाबी हमला अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन के वरिष्ठ सलाहकार अमोस होचस्टीन की पेरिस में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के लेबनान दूत जीन-यवेस ले ड्रियन से मुलाकात के एक दिन बाद आया है।

26 नहीं अंग्रेजी ...

सीखते थे तो वो Q R S T U V W X Y Z & पढ़ते थे। अब Z के बाद & बोलने से लगता था कि वर्णमाला में आगे कोई और अक्षर भी आने वाला है। इस वजह से इसे and *per se &* बोला जाने लगा, जो उच्चारण में *ampersand* (एम्पर्सैंड) जैसा सुनाई देने लगा। लैटिन भाषा में per se का मतलब होता है सबसे हटकर या अकेला। 19वीं सदी के अंत तक एंपर्सैंड को सिर्फ एक सिंबल माना जाने लगा और इसे वर्णमाला से अलग कर दिया गया। धीरे-धीरे & कंपनियों के नाम के बीच भी लगने लगा और कंप्यूटर प्रोग्रामिंग में भी इसका प्रयोग किया जाने लगा है।

बिहार में एक और ...

के समय आवागमन बंद था। सारण जिले में पिछले दो दिन में यह तीसरा पुल गिरा है। बुधवार को लहलहादपुर प्रखंड अंतर्गत जनता बाजार थाना क्षेत्र में दो पुल धाराशायी हो गए थे। इस समय सारण जिले में मानसून सक्रिय है। पूरे जिले में जोरदार बारिश हो रही है।

विश्व कप विजेता ...

राहुल द्रविड़ का हाथ थामे नजर आए। वहीं बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी और सचिव जय शाह ने प्रधानमंत्री मोदी को टीम इंडिया के रंग वाली *नमो 1* जर्सी भी भेंट की। मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर खिलाड़ियों के साथ बातचीत की तस्वीरें साझा करते हुए पोस्ट किया कि हमारे चैंपियंस के साथ एक बेहतरीन मुलाकात। 7, लोक कल्याण मार्ग में विश्व कप विजेता टीम की मेजबानी की और टूर्नामेंट के दौरान उनके अनुभवों पर एक यादगार बातचीत की। बीती 29 जून को दक्षिण अफ्रीका के बारबाडोस में टी-20 विश्व कप जीतने के बाद टीम इंडिया आज सुबह दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पहुंची। इसके बाद खिलाड़ियों का आईजीआई एयरपोर्ट, आईटीसी मौर्य होटल और होटल के रास्ते में जोरदार स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद टीम इंडिया मुंबई के लिए रवाना हो गई। वहां शाम को टीम वानखेड़े स्टेडियम में बीसीसीआई के सम्मान समारोह में भाग लेगी।

केंद्रीय मंत्री ने खवांग विधानसभा क्षेत्र में बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की और स्थिति का जायजा लिया

डिब्रूगढ़। बाढ़ की बढ़ती स्थिति ने राज्य के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ डिब्रूगढ़ लोकसभा क्षेत्र को भी प्रभावित किया है। इस प्रतिकूल माहौल के बीच केंद्रीय कैबिनेट मंत्री और डिब्रूगढ़ लोकसभा सांसद सर्बानंद सोनोवाल ने आज खवांग विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों का दौरा किया। उन्होंने तीन बाढ़ राहत शिविरों का भी दौरा किया और बाढ़ पीड़ितों से बात की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को लोगों को राहत देने के लिए राहत सामग्री का समय पर वितरण, स्वास्थ्य सुविधाएं, बुजुर्गों और बच्चों की विशेष देखभाल, आश्रय स्थलों में साफ-सफाई बनाए रखने सहित सभी आवश्यक व्यवस्था करने का निर्देश दिया। केंद्रीय मंत्री ने बाढ़ पीड़ितों का हाल जानने के लिए तिनसुकिया के गुइजान घाट से

मुलुकगांव तक नाव से यात्रा भी की। केंद्र और राज्य सरकारों ने असम में बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए बहुत गंभीरता से आवश्यक संयुक्त कदम उठाए हैं। माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी बड़ी चिंता के साथ लगातार असम में बाढ़ की स्थिति का जायजा ले रहे हैं। सरकार भी तेजी से काम करेगी। बाढ़ कम होने के बाद मुआवजा सहित अन्य सुविधाएं मुहैया कराएं। मैंने संबंधित अधिकारियों को टूटे बांधों की मरम्मत में तेजी लाने का भी निर्देश दिया है। केंद्रीय मंत्री के साथ विधायक चक्रधर गोगोई, विधायक बिनोद हजारिका, असम पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष रितुपर्णो बरुवा, असम पेट्रो-केमिकल्स लिमिटेड के अध्यक्ष बिकुल डेका, तिनसुकिया जिला भाजपा अध्यक्ष कुशकांत बोरा और हाउसिंग बोर्ड के उपाध्यक्ष सुभाष दत्ता, जिले के डीसी, मौजूद थे। भाजपा असम प्रदेश समिति के महासचिव पुलक गोहाईं, डिब्रूगढ़ विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष असीम हजारिका और अन्य सहयोगी और अधिकारी।

ड्रग्स समेत चार तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के गोरचुक पुलिस ने ड्रग्स की तस्करी मामले में शामिल चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। जिसमें एक ही परिवार के तीन लोग शामिल बताए गए है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि थाना क्षेत्र इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान नलबाड़ी निवासी सीमांत कलिता (29) को एक साबुनदानी में छुपा कर रखे गए 11.42 ग्राम हेरोइन समेत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपित की निशानदेही पर पुलिस की कामरूप (ग्रामीण) जिले के हाजो थाना क्षेत्र की दौलोइटोला इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान एक ही परिवार के तीन लोगों को ड्रग्स की तस्करी में गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तस्करों की पहचान मोहम्मद जुल्फिकार अली भुट्टो, हमीदा बीवी और रुनू बेगम के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपितों के पास से 187 सीसी में भरकर रख गए हेरोइन, 3 किलोग्राम गांजा, 7 प्रतिबंधित कफ सिरप, 26 मोबाइल फोन, नगद 1, 38, 540 रुपए और एक चाकू जब्त किया गया है।

विंटेज ग्रैंड, चेरापूंजी में गांधी शिल्प बाजार का उद्घाटन

गुवाहाटी। मेघालय के चेरापूंजी के प्रतिष्ठित विंटेज ग्रैंड में बहुप्रतीक्षित गांधी शिल्प बाजार का उद्घाटन मंगलवार को किया गया। यह कार्यक्रम विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के कार्यालय द्वारा स्वीकृत है और इसका आयोजन नगांव जिले के एक प्रसिद्ध गैर-सरकारी संगठन *प्रतीक्षा* द्वारा किया जाता है। इस कार्यक्रम में सोहरा के ग्राम प्रधान की ओर से मंत्री एम. किंता की गरिमामयी उपस्थिति रही तथा शिलोंग की एचएससी की एडी रीमा सोनार ने उद्घाटन समारोह का संचालन किया। पारंपरिक हथकरघा वस्त्रों से लेकर जटिल बेंत और बांस के उत्पादों तक, गांधी शिल्प बाजार ने कारीगरों के लिए अपने हस्तनिर्मित सामानों को प्रदर्शित करने और बेचने के लिए एक अनूठा मंच प्रस्तुत किया। एचएम किंटा ने चेरापूंजी में इस तरह के एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम की मेजबानी करने पर गर्व व्यक्त किया, जिसमें पूर्वोत्तर भारत के पारंपरिक शिल्प को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया गया। गांधी शिल्प बाजार आगामी 7 जुलाई तक चलेगा।

एसएसबी सीमांत मुख्यालय गुवाहाटी के नए महानिरीक्षक ने संभाला पदभार

गुवाहाटी (हिंस)। सुधीर वर्मा ने गुरुवार को सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) सीमांत मुख्यालय गुवाहाटी के महानिरीक्षक का पदभार ग्रहण किया। उनका गार्ड ऑफ ऑनर के साथ-साथ उप-महानिरीक्षक बीएस जसवाल, द्वारा पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया। तत्पश्चात उप-महानिरीक्षक (प्रचालन) एचबीके सिंह, के द्वारा गुवाहाटी सीमांत के कार्यप्रणाली एवं आपरेशनल तैयारियों की जानकारी दी गई। नए महानिरीक्षक ने सीमांत मुख्यालय गुवाहाटी के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ

बातचीत की और उन्हें व्यावसायिकता के उच्चतम मानकों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। महानिरीक्षक वर्मा अपने पूर्ववर्ती राजिंदर कुमार भुमला जो स्थानांतरण पर बल मुख्यालय दिल्ली में पदस्थापित हो चुके है के स्थान पर कार्यभार संभाला है। वर्मा 1993 बैच के एसएसबी के अधिकारी हैं जिन्होंने एसएसबी के विभिन्न गठनों और क्षमताओं में काम किया है। वह एसपीजी में भी लंबे समय तक अपनी सेवाएं दे चुके हैं। महानिरीक्षक, सीमांत मुख्यालय मुख्यालय गुवाहाटी के रूप में कार्यभार संभालने पर, उन्होंने कहा कि एसएसबी का काम भारत-भूटान सीमा को सुरक्षित करने की प्राथमिक भूमिका के साथ-साथ सीमावर्ती आबादी के बीच सुरक्षा की भावना पैदा करना है।

पूसीरे की रेसुब ने विगत पखवाड़े के दौरान 44 अवैध आप्रवासियों को पकड़ा

29 नाबालिगों और एक महिला को बचाया

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने 16 से 30 जून के दौरान चलाए गए विभिन्न अभियानों में अगरतला और न्यू अलीपुरद्वार रेलवे स्टेशनों पर 44 बांग्लादेशी नागरिकों और एक भारतीय एजेंट को हिरासत में लिया। इसके अलावा, रेसुब ने इस अवधि के दौरान पूसीरे के विभिन्न स्टेशनों से 29 नाबालिगों और एक महिला को उद्धार किया। आरपीएफ ने एक मानव तस्कर को भी हिरासत में लिया है। स्टेशनों और ट्रेनों में तैनात आरपीएफ कर्मचारी सीमावर्ती क्षेत्रों से अवैध घुसपैठ के प्रति हमेशा सतर्क और सजग हैं। आरपीएफ इसे रोकने के लिए रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में नियमित तलाशी चलाती है। रेल

यात्रियों की सुरक्षा में अपराधियों के खिलाफ रेलवे सुरक्षा बल अनवरत कार्रवाई करती है, मानव तस्कर में संलिप्त संदिग्ध व्यक्तियों के प्रति सतर्क है और साथ ही साथ उचित अभिभावक के बिना, अकेले यात्रा करने, संदिग्ध तरीके से बच्चों की आवाजाही आदि पर भी कड़ी नजर रखती है।

ड्रग्स समेत दो तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के सातगांव पुलिस ने ड्रग्स समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि पुख्ता सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के पंजाबाड़ी इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान ड्रग्स समेत अशरफ अली (31) और उत्पल विश्वास (22) को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार दोनों आरोपित के पास से दो सीसी में भरकर रख गए 14 ग्राम हेरोइन बरामद किया गया है। अभियान के दौरान पुलिस ने गिरफ्तार दोनों आरोपियों के पास से नगद 1690 रुपए बरामद किया है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार दोनों आरोपितों से सघन पूछताछ कर रहीं है।

साधक दिवस के मौके पर आसाम माहेश्वरी भवन में श्री विष्णु सहस्त्रनाम यज्ञ आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। आसाम माहेश्वरी भवन में साधक दिवस के दिन श्री विष्णु सहस्त्रनाम यज्ञ में 1, 000 भगवन्नाम के द्वारा अक्षत से लगभग 300 साधकों द्वारा आहुती स्वरूप भगवन्नाम मंत्रों के द्वारा संपन्न किया। कार्यक्रम नित्य स्तुति के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन महेश योग सत्संग समिति के संयोजक ही लूणकरण मुंदड़ा के कर कमलो से शुभारंभ हुआ। माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष सीताराम बिहानी की गरिमामय उपस्थित में दीपक की साक्षी में 1000, भगवन्नाम नामों के द्वारा अक्षत से आहुती दी गई। जो कि दीपावली की तरह चारो और प्रकाश हो गया। माहेश्वबी सभा, माहेश्वरी युवा संगठन, माहेश्वरी महिला समिति एवं आसाम माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट व समाज के गणमान्य पदाधिकारियों व समाज बन्धुओं की उपस्थिती में इस विलक्षण यज्ञ में महेश योग सत्संग समिति सभी साधकों के द्वारा बड़ी सुंदर व्यवस्था में सहयोग प्राप्त हुआ। परम श्रद्धेय ब्रह्मलीन स्वामी रामसुखदास जी महाराज की पावन पुण्य तिथी पर यह साधक दिवस प्रत्येक वर्ष मनाया जाता है। 2 जूलाई 2005 के दिन स्वामी जी का महाप्रयाण ऋषीकेश में हुवा था। गीता पर साधक संजीवनी टीका एक धरोहर

के रूप में स्वामी ने हमें प्रदान की है। तथा जब कोई साधक किसी प्रश्न में उलझ जाए तो उसका उत्तर साधक संजीवनी में है। उसे पढे, और अपने घर में जरूर रखे। हरि: शरणम् आश्रम से सीधा प्रसारण में आचार्य श्री गोविन्दराम ती शर्मा ने इस दिन स्वामी जी को प्रणाम करते हुए स्वामी जी को याद किया एवं उनके बताए हुए मार्ग का अनुसरण की बात बताई। स्वामी जी की चार बात बतलाई (1) हमारा कुछ नहीं है। (2)हमें कुछ नहीं चाहिए। (3) हमारा किसी से कोई संबंध नहीं है। (4) सिर्फ परमात्मा ही हमारे है। इन चार बातो में सारे शास्त्रो का योग समावेस हो जाता है। कर्म योग, ध्यानयोग, भक्तियोग एंव ज्ञानयोग यह सभी आते है। *बासुदेव सर्वम* यही मुल मंत्र है। कार्यक्रम की समाप्ति आरती प्रसाद वितरण के साथ संपन्न हुआ। प्रेस विज्ञप्ति महेश योग समिति के संयोजक लूणकरण मुंदड़ा ने जारी की है।

मणिपुर पुलिस ने 38 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में कानून की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 38 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर 197 तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 270 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 123 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई हैं।

चेंगा : बाढ़ पीड़ितों की ममद के लिए मैदान में एडवोकेट रफीकुल हक चौधरी

नगरबेड़ा (विभास)। चेंगा निर्वाचन क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित चर इलाके में भटनापैटी गांव का एक नवोदित युवा तारणहार के रूप में खड़ा हुआ है। युवक की पहचान एडवोकेट रफीकुल हक चौधरी के रूप में की गई है। आज बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के बीच, हैंड ट्यूबेल, चावल, चीउरा, बिस्कुट, पानी की बोतलें, ट्रिपल आदि वितरित किए। नाव से बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में वे पीड़ितों के परिवारों के दु:ख को साझा करते हैं और खाद्य पदार्थों के बंडल वितरित करते हैं। हर कोई निस्वार्थ भाव से धर्मपुर भाटनापाइटी मंडल कांग्रेस कार्यकर्ताओं, कासुमारा मंडल कांग्रेस अध्यक्ष, धर्मपुर भाटनापाइटी के पूर्व पंचायत अध्यक्ष बसीर उद्दीन आहमेद, जाकीर हुसैन, साथ ही स्थानीय साथियों के एक वर्ग के साथ युवक के ऐसे पुण्य कार्यों की साथ भाग लिया है। गौरतलब है कि बाढ़ से तबाह लोगों के बीच इस तरह के संकट के दौरान जनता की सेवा करने के लिए एक युवक के कार्य की लोगों ने प्रशंसा की है।

सिख प्रतिनिधि बोर्ड ने हाथरस हादसे पर गहरा दु:ख जताया

नगांव (निसं)। सिख प्रतिनिधि बोर्ड ईस्टर्न जोन, धुबड़ी साहिब जो की पूर्वांचल के सिखो की शिरोमणि संस्था है ने पिछले मंगलवार को हाथरस, उत्तर प्रदेश में हुए हादसे पर गहरी संवेदना प्रगट की है। बोर्ड के प्रधान सरदार दलजीत सिंह सेठी एवं महासविव सरदार राजगुरमीत सिंह पदम ने अपने शोक संदेश मे सत्संग के दौरान मची भगदड़ में कई श्रद्धालुओ की मृत्यु पर अपनी गहरी संवेदना एवं दुख वयक्त किया है। उन्होंने अपने शोक संदेश में इस हादसे को अत्यंत पीड़ादायक बताया तथा घायलों की शीघ्र स्वस्थ होने की वाहगेगुरु से प्रर्थना की है। संगठन ने सरकार से अपील की है कि दोषियों को पकड़ कर उन पर कड़ी से कड़ी कारवाई करने की मांग की है। यह जानकारी बोर्ड के जनसंपर्क अधिकारी सरदार हरदर्शन सिंह ने एक प्रेस विज्ञप्ति के यहां दी है ।

चाणक्य आईएएस अकादमी में सिविल सेवा परीक्षा पर नि:शुल्क कार्यशाला

गुवाहाटी। चाणक्य आईएएस अकादमी, गुवाहाटी केंद्र 27 जुलाई 2024 को दोपहर 2 बजे चाणक्य आईएएस अकादमी के शिलपुखुरी केंद्र में उम्मीदवारों के लिए यूपीएससी/एपीएससी और अन्य प्रतियोगितामूलक परीक्षाओं की तैयारी तकनीकों पर एक मुफ्त कार्यशाला आयोजित करेगा। कार्यशाला इस बात पर ध्यान केंद्रित होगी कि उम्मीदवार सभी प्रतियोगितामूलक परीक्षाओं को क्रैक करने के लिए अपनी क्षमताओं का अधिकतम लाभ कैसे उठा सकते हैं। श्री राकेश मिन्हास (आईएएस) इस कार्यशाला में भाग लेने वाले उम्मीदवारों को विभिन्न सुझावों के साथ-साथ एक आईएएस अधिकारी के रूप में अपनी यात्रा और प्रतियोगितामूलक परीक्षाओं के लिए उनकी तैयारी तकनीक साझा करेंगे। वह उम्मीदवारों को मार्गदर्शन करेंगे कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते समय क्या करना है और क्या नहीं। चाणक्य आईएएस अकादमी की प्रबंध सहयोगी श्रीमती कुरंगा नयनी चेतिया ने कहा कि यूपीएससी और एपीएससी उम्मीदवारों के लिए सलाहकार के रूप में हमारी 35 वर्षों की यात्रा के दौरान यह पाया गया है कि तैयारी के शुरुआती चरण में उम्मीदवारों के मन में प्रतियोगितामूलक परीक्षाओं की तैयारी कैसे शुरू करें, इस बारे में बहुत सारे संदेह होते हैं। सलाहकार के रूप में हमारा प्रयास उम्मीदवारों को उनकी तैयारी यात्रा के बारे में दृष्टिकोण प्रदान करना है। एक बार जब दृष्टिकोण स्पष्ट हो जाता है, तो यात्रा आसान हो जाती है। इसलिए, हम उम्मीदवारों को उनकी सिविल सेवा तैयारी में एक स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने में मदद करने के प्रयास में मुफ्त कार्यशालाएं आयोजित कर रहे हैं। इस कार्यशाला में भाग लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को अपनी सीटें पहले से आरक्षित करानी होंगी, सीटें आरक्षित करने के लिए कृपया 8811092481 पर कॉल करें।

राज्यपाल ने द्री के शुभ अवसर पर दी शुभकामनाएं

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) केटी पारनाइक ने द्री त्योहार के शुभ अवसर पर राज्य के लोगों और विशेष रूप से अपातानी समुदाय को अपनी शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि गर्मजोशी और भव्यता, जो हमेशा उत्सव का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, सभी के लिए खुशी और समृद्धि लाएगा। राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा कि द्री उत्सव, जो एक कृषि संस्कार है, हमारी अपातानी जनजाति की जीवंत संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि मैं समुदाय के बुजुर्गों और उत्साही युवाओं से अपनी जातीयता और रीति-रिवाजों पर गर्व को बढ़ावा देने और भावी पीढ़ी के लिए इसे संरक्षित करने का आह्वान करता हूं। राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा कि इस शुभ अवसर पर, मैं मानव जाति की भलाई के लिए लोगों के बीच द्री भावना का आह्वान करने के लिए डेनी पिइलो को अपनी प्रार्थनाएं अर्पित करता हूं।

महिंद्रा एंड महिंद्रा के डीलर जयश्री पॉवरोल और पीएल बागड़ी एंड कंपनी ने डीजल जनरेटर सेट लांच किया

गुवाहाटी। अग्रणी डीजल जनरेटर निर्माताओं में से एक महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के अधिकृत सेल्स एंड सर्विस डीलर पीएल बागरी एंड कंपनी के सहयोग से जीओईएम को अधिकृत जयश्री पॉवरोल ने आज गुवाहाटी में डीजल जनरेटर सेट की अपनी नवीनतम सीपीसीबीआईवी उत्सर्जन मानक अनुरूप रेंज के लांच की घोषणा की।इस जेनसेट को महिंद्रा पॉवरोल के बिजनेस हेड संजय जैन, महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के रीजनल सेल्स मैनेजर सुशांत दास, महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के नॉर्थ ईस्ट के एरिया सेल्स मैनेजर सौविन दास की मौजूदगी में लांच किया गया। इस अवसर पर श्याम अग्रवाल, मैनेजिंग पार्टनर, जॉयश्री पावरोल और बिमल कुमार बागरी, प्रबंध निदेशक, पीएल बागरी एंड कंपनी, महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के अधिकृत डीलर उपस्थित थे।लॉन्च के अवसर पर बोलते हुए, महिंद्रा पॉवरोल के बिजनेस हेड, संजय जैन ने कहा महिंद्रा समूह पर्यावरण के संरक्षण और सुधार की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता रखता है। जेनसेट की शुरूआत के साथ महिंद्रा स्वच्छ प्रौद्योगिकी को अपनाने और टिकाऊ ऊर्जा भविष्य में

योगदान देने में अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। नई तकनीक के साथ अब महिंद्रा पॉवरोल डीजी सेट अधिक विश्वसनीय, ईंधन कुशल और डिजाइन में कॉम्पैक्ट हो गया है। यह जेनसेट 5 केवीए से 650 केवीए की रेंज में उपलब्ध हैं। कंपनी ने पहले ही जनरेटर की नई श्रृंखला का उत्पादन शुरू कर दिया है और भारत के विभिन्न हिस्सों में सैकड़ों इकाइयां पहले से ही सफलतापूर्वक चल रही हैं। महिंद्रा पॉवरोल के बारे में महिंद्रा पॉवरोल मल्टी-बिलियन महिंद्रा ग्रुप के ऑटोमोटिव और फार्म इक्विपमेंट सेक्टर (एएफएस) का हिस्सा है। कंपनी ने 2001-02 में बिजली उत्पादन के क्षेत्र में प्रवेश किया। वित्त वर्ष 2002 से शुरू होकर, व्यवसाय तेजी से बढ़कर रु. वित्त वर्ष 2023-24 में 2, 400 करोड़ का कारोबार किया। आज, महिंद्रा पावरोल के इंजन 5 केवीए से 650 केवीए तक डीजल जेनरेटिंग सेट को बिजली दे रहे हैं। अपनी स्थापना के बाद से, महिंद्रा पॉवरोल ने बहुत ही कम समय में भारतीय जेनसेट उद्योग में तेजी से प्रगति की है। महिंद्रा पावरोल डीजी सेट पूरे भारत और विश्व स्तर पर दूरसंचार कंपनियों की पहली पसंद हैं। महिंद्रा पावरोल को हाल ही में 2014 में प्रतिष्ठित डेमिंग पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। डेमिंग पुरस्कार जापानी वैज्ञानिकों और इंजीनियरों (जेयूएसई) द्वारा स्थापित एक वैश्विक गुणवत्ता पुरस्कार है जो उन व्यवसायों को मान्यता देता है जिन्होंने कुल गुणवत्ता प्रबंधन (टीक्यूएम) को सफलतापूर्वक लागू किया है। महिंद्रा पॉवरोल ने फ्रॉस्ट एंड सुलिवन *वॉयस ऑफ कस्टमर* पुरस्कार, मास्टर ब्रांड, पावर ब्रांड और नवीनतम सुपरब्रांड जैसे विभिन्न पुरस्कार जीते। टेलीकॉम के अलावा, महिंद्रा पॉवरोल डीजी सेट भारत और वैश्विक बाजारों में बैंकों, भवन और निर्माण, सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों, अस्पतालों, होटलों, घरों और विनिर्माण इकाइयों जैसे विभिन्न उद्योगों और क्षेत्रों के ग्राहकों को शक्ति प्रदान कर रहे हैं।

संपादकीय

अर्जी लगाने के साथ-साथ

करियर की तलाश में प्रदेश का युवा हरसंभव कोशिश कर रहा है, मगर इस क्षमता के लिए उपयुक्त अवसर प्रदान करने की क्षमता विकसित नहीं हुई। रविवार के दिन हिमाचली युवा की महत्त्वाकांक्षा का एक पन्ना प्रशासनिक परीक्षा के आरंभिक दौर से गुजरा। जहां कुल आवेदनों यानी करीब 32 हजार युवाओं में से करीब साठ प्रतिशत ने भाग्य आजमाया। कर्मठता का करीब ऐसा ही दौर इस समय कुछ सार्वजनिक मैदानों पर अग्निवीर भर्ती के लिए पसीना बहा रहा है। नौकरी के अवसरों में सरकारी अर्जियां यूं तो हर सत्ता की पहली सुर्खी रहीं, लेकिन हमने रोजगार की शर्तों में आए बदलाव को नहीं पढ़ा, इसीलिए जो पढ़ाई की वह एक अनिवार्य कवायद या अर्जी लगाने की फरमाइश हो गई। रोजगार की संभावना, रोजगार का बाजार, सरकारी नौकरी के इश्तिहार के आगे पिछड़ गए। दोनों में अंतर है सरकारी नौकरी एक वादा बनती गई, लेकिन रोजगार एक नशा है। प्रतिस्पर्धा के मानदंडों में राष्ट्रीय सेवा चयन परीक्षाएं अगर एक मुकाम पर खड़ी हैं, तो रोजगार के स्वर्णिम युग में उपलब्धियों का अलंकार एक सतत प्रयास है। जिन्होंने खोजा, वे सभी राज्य से बाहर पहुंच गए। जो कतारों में लगे रहे, उनके परीक्षा पत्र लीक होते रहे। ऐसे में हमारे युवा की वास्तविक शक्ति है कहां। क्या हम सरकारी नौकरी के फकीर बनाने के प्रयास में शिक्षा के केंद्र विकसित कर रहे हैं या युवाओं को उनके आकाश पर पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। शिक्षा में ज्ञान के बजाय पाठ्यक्रम से परीक्षा प्रणाली का लक्ष्य बना हिमाचली युवा अंततः न प्रदेश का इतिहास, न भूगोल और न ही भाषा का सम्मान करना सीख रहा। जो एचएएस की यात्रा पर निकल रहे या जो अग्निवीर बनने के लिए खाक छान रहे, उनके बीच एक महीन अंतर हमारे संकल्प का भी है। हम सैन्य सेवाओं के स्वाभाविक वंशज हैं। सामाजिक परिदृश्य में एक रुतबा, एक एहसास, एक उत्साह और सैन्य पृष्ठभूमि युवाओं का रुख वर्णित करती है, लेकिन ये सभी निजी प्रयास हैं। सरकार ने कब कहा कि राज्य पढ़े-लिखे नौजवानों को स्वरोजगार का ढांचा देगा। हमारे किस विश्वविद्यालय ने कहा कि वह भविष्य के रोजगार में युवाओं की क्षमता को पारंगत करेगा। कृषि एवं बागबानी विश्वविद्यालयों के बावजूद हमारे खेत की मिट्टी बंजर और संबंधित उपाधियों के बीच सरकारी नौकरी का चरित्र पलता रहा। आश्चर्य यह कि पिछले दो दशकों से आईटी से ज्ञान पार्क तक के सपने बुने जा रहे हैं, लेकिन चैतड़ू सूचना प्रौद्योगिकी पार्क अपनी महफिल में बर्बाद सा चेहरा लिए घूम रहा है। एक परिवर्तन जरूर आ रहा है। बच्चे प्रोफेशन में आगे निकलते हुए देश के कई बड़े शहरों में अपनी जमीन और अपना आसमान खोजने निकल चुके हैं। दूसरी ओर राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में हाथ आजमाते युवा अब अपनी तैयारी व सफल होने के कौशल में इजाफा कर रहे हैं। ऐसे में निजी पुस्तकालयों व कोचिंग का एक नया ट्रेंड हिमाचल के युवा मन को शिक्षा के प्रमाण से दक्षता के अभिप्राय तक जोड़ रहा है। प्रदेश में अकेले धर्मशाला शहर में दो दर्जन से भी अधिक निजी पुस्तकालय एवं अध्ययन कक्षों का खुलना नवचेतना के अलावा रोजगार की संगत में बैठना भी है। ऐसे में प्रदेश में नए शिक्षण संस्थान खोलने के बजाय कम से कम जिला स्तर पर आधुनिक पुस्तकालय, अध्ययन कक्ष एवं काउंसिलिंग केंद्र स्थापित करने पर बल देना होगा। पुलिस के सान्निध्य में सार्वजनिक मैदानों को सेना, अद्र्धसेना तथा पुलिस बलों की भर्ती के प्रशिक्षण केंद्र बनाकर हिमाचली युवाओं की क्षमता में विस्तार करने का प्रण लेना होगा। सभी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के परीक्षा केंद्र हिमाचल में खुलवाने के अलावा स्वतंत्र परीक्षा केंद्रों का निर्माण तमाम विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड के जरिए कराया जाए।

नौकरी के अवसरों में सरकारी अर्जियां यूं तो हर सत्ता की पहली सुर्खी रहीं, लेकिन हमने रोजगार की शर्तों में आए बदलाव को नहीं पढ़ा, इसीलिए जो पढ़ाई की वह एक अनिवार्य कवायद या अर्जी लगाने की फरमाइश हो गई। रोजगार की संभावना, रोजगार का बाजार, सरकारी नौकरी के इश्तिहार के आगे पिछड़ गए। दोनों में अंतर है सरकारी नौकरी एक वादा बनती गई, लेकिन रोजगार एक नशा है। प्रतिस्पर्धा के मानदंडों में राष्ट्रीय सेवा चयन परीक्षाएं अगर एक मुकाम पर खड़ी हैं, तो रोजगार के स्वर्णिम युग में उपलब्धियों का अलंकार एक सतत प्रयास है। जिन्होंने खोजा, वे सभी राज्य से बाहर पहुंच गए। जो कतारों में लगे रहे, उनके परीक्षा पत्र लीक होते रहे। ऐसे में हमारे युवा की वास्तविक शक्ति है कहां। क्या हम सरकारी नौकरी के फकीर बनाने के प्रयास में शिक्षा के केंद्र विकसित कर रहे हैं या युवाओं को उनके आकाश पर पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। शिक्षा में ज्ञान के बजाय पाठ्यक्रम से परीक्षा प्रणाली का लक्ष्य बना हिमाचली युवा अंततः न प्रदेश का इतिहास, न भूगोल और न ही भाषा का सम्मान करना सीख रहा। जो एचएएस की यात्रा पर निकल रहे या जो अग्निवीर बनने के लिए खाक छान रहे, उनके बीच एक महीन अंतर हमारे संकल्प का भी है। हम सैन्य सेवाओं के स्वाभाविक वंशज हैं।

अखिलेश यादव का जन्मदिन आज उनकी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता धूमधाम से मना रहे है

छह महीने पहले जिन्हें कौन अखिलेश वखिलेश कहा गया था, उन्होंने मैन ऑफ द मैच बनकर दिखा दिया

नीरज कुमार दुबे

अखिलेश यादव के लिए इस बार का जन्मदिन बेहद खास है इसलिए वह बहुत खुश नजर आ रहे हैं। दरअसल इस बार के लोकसभा चुनावों में मैन ऑफ द मैच बनकर उभरे अखिलेश यादव ने अपनी पार्टी को लोकसभा में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनवा कर अपनी नेतृत्व क्षमता साबित कर दी है। संस्थापक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद समाजवादी पार्टी पहली बार पूरी तरह अखिलेश यादव की नीतियों और नेतृत्व में चुनावी मैदान में उतरी थी और उसने बड़ी कामयाबी हासिल की।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव का जन्मदिन आज उनकी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता धूमधाम से मना रहे हैं। विभिन्न दलों के नेता भी अखिलेश यादव को जन्मदिन पर बधाइयां दे रहे हैं। अखिलेश यादव के लिए इस बार का जन्मदिन बेहद खास है इसलिए वह बहुत खुश नजर आ रहे हैं। दरअसल इस बार के लोकसभा चुनावों में मैन ऑफ द मैच बनकर उभरे अखिलेश यादव ने अपनी पार्टी को लोकसभा में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनवा कर अपनी नेतृत्व क्षमता साबित कर दी है। संस्थापक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद समाजवादी पार्टी पहली बार पूरी तरह अखिलेश यादव की नीतियों और नेतृत्व में चुनावी मैदान में उतरी थी और उसने बड़ी कामयाबी हासिल की। लोकसभा चुनावों में अखिलेश यादव अपने परिवार के सदस्यों को तो चुनाव जितवाने में सफल रहे ही साथ ही पार्टी को एकजुट कर उन्होंने जिस तरह से हर वर्ग का समर्थन हासिल किया वह अभूतपूर्व था। देखा जाये तो कुछ समय पहले तक चाचा शिवपाल सिंह यादव जैसे अपने लोगों के अलावा बाहरी लोग भी अखिलेश यादव को महत्व नहीं दे रहे थे। याद कीजिये मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों के दौरान जब अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी के लिए कांग्रेस से कुछ सीटें मांगी थीं तो कमलनाथ ने कहा था- कौन अखिलेश वखिलेश। लेकिन जब मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हार हुई तो उसके सुर एकदम से बदल गये और राहुल गांधी सपा मुखिया अखिलेश यादव के साथ नजर आने लगे। यही नहीं, पिछले साल मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव से पहले अखिलेश ने जिस तरह चाचा शिवपाल सिंह यादव को साथ लेकर पूरे परिवार को एकजुट किया उससे भी उनकी कामयाबी की राह आसान हुई। जिन अखिलेश यादव पर समाजवादी पार्टी को मनमाने ढंग से चलाने का आरोप लगता था, उन अखिलेश यादव ने सबको साथ लेकर चलना शुरू किया तो सफलता कदम चूमने लगी। यही नहीं, गठबंधन धर्म

का पालन करते हुए अखिलेश यादव ने उदार दिल दिखाया और कांग्रेस को उसकी हैसियत से ज्यादा सीटें दीं। साथ ही राष्ट्रीय लोकदल के लिए भी सात सीटें छोड़ दीं। लोकसभा चुनावों से ठीक पहले जब जयंत चौधरी एनडीए के साथ चले गये तब भी अखिलेश यादव निराश नहीं हुए क्योंकि उन्होंने जो सोशल इंजीनियरिंग की थी उसकी सफलता पर उन्हें पूरा भरोसा था। जब चुनाव परिणाम आये तो उन लोगों के चेहरों की हवाइयां उड़ गयीं जो अखिलेश यादव के पीडीए का मजाक उड़ाते थे। लोकसभा चुनाव परिणामों का विश्लेषण करेंगे तो पाएंगे कि अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी को सिर्फ इसलिए वोट नहीं मिले हैं क्योंकि जनता मोदी और योगी सरकार से नाराज थी। अखिलेश यादव को वोट इसलिए भी मिले हैं क्योंकि जनता उनकी नीतियों से प्रभावित थी। अखिलेश यादव को वोट इसलिए भी मिले हैं क्योंकि मुस्लिमों का पूरा समर्थन उनके साथ आ गया है। भले आजम खान या कोई और मुस्लिम नेता अखिलेश यादव से नाराज दिखा लेकिन आम मुस्लिम अखिलेश यादव के समर्थन में खड़ा नजर आया। अखिलेश यादव को वोट इसलिए भी मिले हैं क्योंकि दलित, ओबीसी या पिछड़े वर्ग का ही नहीं बल्कि सवर्णों का भी अच्छा खासा समर्थन समाजवादी पार्टी को मिला है। लोकसभा चुनावों में उत्तर प्रदेश का जो परिणाम आया है वह दर्शा रहा है कि जनता ने सिर्फ भाजपा को सबक नहीं सिखाया है बल्कि अखिलेश यादव को सिर आंखों पर भी बैठाया है। जो लोग अखिलेश यादव पर आरोप लगा रहे थे कि वह सनातन धर्म का अपमान करने वालों को बढ़ावा दे रहे हैं उन लोगों को अखिलेश यादव ने अयोध्या की संसदीय सीट जीतकर दिखा दिया। जब राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जाने का निमंत्रण अखिलेश यादव ने ठुकराया था तो भाजपा का कहना था कि जो राम का नहीं वो किसी काम का नहीं, लेकिन अयोध्या-फैजाबाद की जनता ने अखिलेश यादव की पार्टी को जिताकर भाजपा के आरोपों को खारिज कर दिया और संदेश दिया कि जो काम का है उसे ही जनता पसंद करती है। यही नहीं, जब लोकसभा चुनावों के बीच में ही अखिलेश यादव बार-बार कई संसदीय सीटों पर अपने प्रत्याशी बदल रहे थे तो उन्हें नौसिखिया तक करार दिया जा रहा था। लेकिन चुनाव परिणाम दर्शा रहे हैं कि अखिलेश के वह सभी फैसले सही सिद्ध हुए। देखा जाये तो पूरे चुनावों के दौरान सपा मुखिया ने जिस तरह अपने गठबंधन के बीच सामंजस्य बनाये रखा, चुनाव के हर चरण के लिए नई नीति अपनाई, अपनी पार्टी को एकजुट रखा, कार्यकर्ताओं को निचले स्तर तक सक्रिय किया, सोशल मीडिया के जरिये अपने चुनाव अभियान को आगे बढ़ाया, जनता के बीच अपने घोषणापत्र की बातों को पहुँचाया और भाजपा को त्वरित तथा तगड़ा जवाब दिया उससे अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश की राजनीति के नये स्टार के रूप में उभरे हैं। देखा जाये तो जब अखिलेश यादव पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे तब उसमें उनका अपना कोई योगदान नहीं था क्योंकि अपने पिता की बदौलत उन्हें वह कुर्सी मिली थी। अपने बलबूते अखिलेश यादव को सबसे बड़ी राजनीतिक सफलता इस बार के लोकसभा चुनावों में मिली है। इस बार समाजवादी पार्टी ने लोकसभा चुनाव में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 37 सीटें जीत कर भाजपा का मजा खराब कर दिया है। यही नहीं, उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का जो शानदार प्रदर्शन रहा है वह भी समाजवादी पार्टी से गठबंधन के बलबूते ही संभव हो पाया है।

दृष्टि कोण

समाधान को बहुआयामी-दीर्घकालीन रणनीति जरूरी

जल बहुमूल्य है। इसके संरक्षण पर हमें जोर देना चाहिए। जल मानव कल्याण के लिए आवश्यक है तथा निर्वाह का एक बुनियादी साधन है। जल की आपूर्ति अपेक्षाकृत स्थिर रही है, लेकिन बढ़ती मानव आबादी ने मांग बढ़ा दी है और प्रतिस्पर्धा पैदा कर दी है। जल की कमी एक वास्तविक समस्या है। अगर पानी का बुद्धिमता से उपयोग नहीं किया गया तो भविष्य में इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। जल संकट भीषण गर्मी, अनियमित मानसून पैटर्न और तेजी से बढ़ते शहरीकरण के कारण गंभीर हो गया है। हिमाचल प्रदेश में जल संरक्षण एवं गुणवत्ता की स्थिति संतोषजनक नहीं है। प्रदेश में जल के विशाल स्रोत हैं, जो सतलुज, रावी, ब्यास, यमुना व चिनाब आदि नदियों के जलग्रहण क्षेत्र से उपलब्ध हैं। पानी की उपलब्धता हिमाचल में ग्लेशियरों से होती है। हिमाचल में भूजल स्रोत हैं नदियां, झीलें, आर्द्रभूमि क्षेत्र आदि। इस वर्ष भीषण गर्मी के कारण हिमाचल प्रदेश के लोगों ने भीषण जल संकट का सामना किया। सरकार हर घर में नल की बात तो करती है, परंतु पानी की बात नहीं करती। यह सरकार का दायित्व है कि सबको पानी मिले। प्रदेश में केन्द्र सरकार की स्कीम 'जल जीवन मिशन' के अंतर्गत 4000 करोड़ रुपए 2019 से मार्च 2024 तक खर्च किए गए, परंतु इसके बावजूद राज्य के लोगों को भीषण जल संकट का सामना करना पड़ा। हालांकि इस स्कीम के तहत हर घर, हर व्यक्ति को 70 लीटर पानी हर दिन देने का लक्ष्य था। इस स्कीम के अंतर्गत 2200 करोड़ रुपए की पानी की पाइपें खरीदी गईं। पानी की पाइपें बिछा तो दी, परंतु सरकार ने पानी की वृद्धि की योजना तथा इसके लिए संरचनाओं की जरूरत नहीं समझी। जल शक्ति विभाग को गहरे बोरवेल एवं बारहमासी जलस्रोत आधारित प्रोजेक्ट बनाने चाहिए थे। इनके अभाव में लोगों को जल संकट का सामना करना पड़ा। इन संरचनाओं के निर्माण के लिए सरकार को सरकारी-निजी कंपनी भागीदारी की संभावनाएं तलाशनी चाहिए थी। नल कई गुणा बढ़ा दिए, परंतु पानी के स्रोत नहीं बढ़े। प्रदेश में इस वर्ष की गर्मियों में जल की स्थिति बहुत भयावह रही। कई जगह चार दिन के बाद पानी मिल रहा था, तो कई जगह स्थिति इससे भी बदतर रही। पर्यटक स्थल शिमला में जल संकट से पर्यटन के साथ-साथ स्थानीय जनता भी प्रभावित हुई। ठियोग क्षेत्र में गंभीर पेयजल संकट रहा। हिमाचल में बहुत-सी जगहों पर लोग पानी के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं तथा जल शक्ति विभाग के अधिकारियों का घेराव भी किया। तहसील लडभड़ोल के गांव भड़ोल, बलद्वाड़ा, मंडी के नरोला गांव, सरकाघाट क्षेत्र के डोल गांव तथा कई अन्य गांव पेयजल संकट से प्रभावित रहे। जोगिंद्रनगर में चौतंड़ा के अंतर्गत खुड्डी और कोलांग पंचायतों के अधीन आने वाले 10 गांवों और ज्वालामुखी में पेयजल आपूर्ति कम हो गई है। सुंदरनगर शहर में पेयजल आपूर्ति आंशिक बाधित हुई, जो कुप्रबंधन के कारण है। मंडी के अलावा सोलन व कांगड़ा जिलों में भी कई जगह पानी की कमी देखी गई। प्रदेश में कुल 10067 पेयजल योजनाएं हैं। इनमें से 1797 पेयजल योजनाओं के जलस्तर में गिरावट आई है। इनमें से 5 योजनाएं पूरी तरह सूख गई हैं और 165 योजनाएं ज्यादा प्रभावित हुई हैं। इनका जलस्तर 75 प्रतिशत से नीचे रहा। शिमला, सिरमौर, बिलासपुर व हमीरपुर जिले भी जल संकट से ज्यादा प्रभावित हुए। हिमाचल में कुल 5252 निवासी जल संकट से प्रभावित हुए। पेयजल संकट के मुख्य कारण हैं : कुप्रबंध, असमान बंटवारा, पानी की बर्बादी, पाइपों में लीकेज, वर्तमान पेयजल क्षमता को न बढ़ाना तथा पारंपरिक स्रोतों को पुनर्जीवित न करना आदि। आबादी बढ़ रही है। नई कालोनियां बस रही हैं। पानी की पाइपें उसी माप की हैं। पानी में वृद्धि नहीं की जाती। स्टोरेज टैंकों की क्षमता वही है। पुरानी पाइपों में लीकेज को ठीक नहीं किया जाता। पाइप लाइन को बदला नहीं जाता, हालांकि जल शक्ति विभाग के भंडार पाइपों से भरे पड़े हैं। जल शक्ति विभाग के बहुत से अधिकारी फील्ड में नहीं जाते और जल आबंटन का काम जलरक्षकों पर छोड़ दिया है। जलरक्षक पानी के आबंटन का कार्य सही तरीके से नहीं करते। किसी क्षेत्र को कम समय तथा किसी क्षेत्र को लंबे समय के लिए पानी छोड़ देते हैं। कुछ लोगों ने इतने बड़े-बड़े टैंक अपने घरों में बना रखे हैं, पानी के मीटर लगवा नहीं रखे हैं तथा साथ में सीधे लाइन पर टुल्लू पंप लगाते हैं। इससे पानी की आपूर्ति बाधित होती है तथा जल आबंटन सही नहीं होता है। विभाग सीधे पाइप में मशीन या टुल्लू न लगाने की अपील करके चुप बैठ जाता है। कुछ लोगों को आधा घंटा तो किसी को डेढ़ घंटा पानी दिया जा रहा है और कुछ लोगों को 24 घंटे पानी की आपूर्ति की जाती है। पेयजल की आपूर्ति के लिए लोगों के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। विद्युत कटों, कम वोल्टेज तथा पंप घरों की बाधित विद्युत सप्लाई के कारण पेयजल समस्या और गंभीर हो जाती है। विद्युत समस्या का समाधान संबंधित विभाग से करवाया जाना चाहिए। पानी छोडऩे तथा लाइन की मरम्मत का काम सरकार अपने चहेतों को दिलवाती है। वे लोग आमजन की बात को नहीं सुनते और अपने हिसाब से पानी छोड़ते हैं। पारंपरिक पानी के स्रोत हिमाचल में पानी की मांग और आपूर्ति के संतुलन में महत्वपूर्ण रोल अदा करते थे, जो नल की संस्कृति ने खत्म कर दिए हैं। इन पारंपरिक स्रोतों में झरने, कूहलें, बावड़ी, तालाब व खातियां आदि हैं।

कुछ अलग

एक राष्ट्रद्रोही की बकवास

मरे पुल की आत्मा नियमानुसार ज्यों ही जन्नत के बदले यम के दरबार में पहुंची तो यम ने उससे उसका स्वागत करते पूछा, 'रे पुल! वेलकम! वेलकम! आखिर तुम भी अपने सगे संबंधियों की तरह उद्घाटन से पूर्व भ्रष्टाचार को प्यारे हो ही गए।' 'गुस्ताखी माफ हो जनाब! है तो छोटे मुंह बड़ा सच जनाब, पर आजकल वहां निर्माण के काम हो ही इतनी ईमानदारी से हो रहे हैं कि...।' 'हे मतलब परस्त! कम से कम उद्घाटन तक तो बने रहते। आखिर उनको बदनाम करके तुम्हें मिलेगा क्या?' 'अब आप ही बताओ, कैसे बना रहता जनाब? मैंने कब चाहा था कि मैं...मैंने जनता के हिस्से का करोड़ों का टॉनिक, विटामिन खाया था, पर जनता मुझे माफ करे जनाब! हाय! अफसरों का खाया मैं जनता के काम न आ सका, उनको वैतरणी पार न लगा सका। इस बात का मलाल सदा रहेगा। तो जनाब हुआ यों कि शहर में भीषण गर्मी पड़ रही थी जनाब! बच्चों को लू से बचने के लिए मेरे नीचे बहने वाली नदी को देख मेरा मन भी उनके साथ नदी में नहाने को हो गया। लाख अपनी सेहत का मालूम होने के बाद भी उनकी देखादेखी में मैंने भी नदी के पानी में छलांग दी। हालांकि वहां पानी बिल्कुल गहरा न था। सच कहूं, जनाब! मुझे सबसे अधिक डर किसी से लगता है तो बस, पानी से ही लगता है। मुझे पानी में कूदते देख आपस में लेन-देन की बात करता ठेकेदार चीखा भी, 'ओए! क्या कर रहे हो? उद्घाटन तक तो खड़े रहो। ये क्या बदतमीजी है? अपनी तो नाक है नहीं, हमारी नाक कटवाओगे क्या? जनता को समर्पित हो जाने के बाद जो मन करे करना। हम तुम्हें कुछ न कहेंगे।' पर जनाब! मैं चुप रहा। सोचा जिनकी नाकें ही न हों, उनकी नाकें क्या कटेंगी? अब इनकी उनकी नाकें कब तक हम जैसे बचाते फिरें? वे अपनी नाक कटने के डर का स्वांग करते रहें तो करतें रहें। मैंने उनकी एक न सुनी और पानी में कूद गया। पर मुझे क्या पता था कि मैं इतना कमजोर हूं कि पानी में से निकल ही नहीं पाऊंगा। ज्यों ही मैंने नदी के उथले पानी में डुबकी लगाई, पानी में डूब गया जनाब और मेरा देहावसान हो गया।' 'यहां तो आज आदमी भी अपने देहवासान को भूल बैठा है, ऐसे में पुलों का भी देहावसान होता है क्या?' यम के साथ साथ चित्रगुप्त भी हंसे। 'क्यों नहीं जनाब! जब भगवान की सर्वश्रेष्ठ पंच तत्वों से बनी कृति का देहावसान हो सकता है तो उसके द्वारा चूस चूस कर बने पुल का क्यों नहीं? अब रही बात नदी के साथ रहने से पहले तैरना सीखने की तो जनाब! यहां अधिकारियों को ही भ्रष्टाचार के सागर में सेफ्टी जैकेट डालकर तैरने की ट्रेनिंग दी जाती है ताकि वे...। जहां ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति भ्रष्टाचार के सागर में चोटी से ऊपर तक डूबी हो तो उसके द्वारा खाया पुल लाख खड़ा रहने की कोशिश के बाद भी क्या नदी में नहाते नहाते नहीं डूब सकता जनाब?' पुल ने सिर ऊंचा कर कहा तो यम झेंपे, 'तो मानवता के नाते तुम्हें बचाने कोई नहीं आया क्या?' 'क्यों आता जनाब! आजकल अपने यहां बचाना नहीं, डुबाना सबका परम धर्म चल रहा है। सब एक दूसरे को बचाने का नाटक करते एक दूसरे को डूबो रहे हैं। फिर भी ज्यों ही मैंने डूबने पर बचाओ! बचाओ! चिल्लाते बचने के लिए पास खड़े सक्षम कम अक्षम अधिकारी की बाजू पकड़ी तो उसने झट मुझसे अपनी बाजू छुड़वाई और मुझे हंसते हुए और भी गहरे पानी में धकेल दिया। फिर लगा कि कम से कम अब आसपास के लोग तो मुझे जरूर बचाएंगे। पर उन्होंने भी मुझे बचाने के बदले अपने अपने मोबाइल के कैमरे मेरी ओर कर पूरी संवेदनशीलता से मुझ डूबते की वीडियो बनानी शुरू कर दी। वे मुझ डूबते का वीडियो बनाते रहे और मैं बचाओ! बचाओ! के नारे लगाता रहा।' 'देखो! तुम बच्चे तो थे नहीं कि बचने की कोशिश किए बिना नदी में डूब जाते। पुल हो यार पुल! तुम पर पता है कितने न तैरना जाने वालों की उम्मीदें टिकी थीं? तुम मुफ्त के पांच किलो आटे से नहीं, करोड़ों से लाखों के पेटों पर लात मार बने थे।

देश दुनीया से

आपराधिक छवि वालों को अयोग्य घोषित करो

सरकारी नौकरी में भी जो व्यक्ति चुना जाता है, उसकी पहले पुलिस वैरिफिकेशन करवाई जाती है, उसके बाद ही उसे सरकार द्वारा नियुक्ति पत्र मिलता है अथवा नियुक्ति पत्र देने के बाद भी काम करने के पहले दो महीनों में ही पुलिस से जांच आवश्यक कही गई है, पर अब यह प्रश्न पैदा होता है कि जब सरकारी कर्मचारी के लिए नौकरी में आने से पहले पुलिस वैरिफिकेशन जरूरी है तो सरकार के लिए क्यों नहीं। सन् 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले इतना ज्यादा दलबदल हुआ जिसने पुराने सारे रिकार्ड तोड़ दिए। साठ के दशक के आया राम गया राम से लेकर 2023 के पलटू राम तक दल बदलने वाले नेताओं की चर्चा खूब रही।

अपने देश की जनता और परिवारों को सुरक्षित रखने के लिए, लूटपाट से बचाने के लिए, उनके जीवन की रक्षा के लिए सरकारी आदेश और निर्देश यह रहता है कि जब भी अपने घर, दुकान, संस्थान में कोई नया कर्मचारी रखें अथवा किराएदार रखें तो पुलिस को, विशेषकर अपने क्षेत्र के पुलिस स्टेशन को उसकी जानकारी देनी चाहिए। जब पुलिस यह निश्चित कर दे कि उस व्यक्ति का कोई आपराधिक रिकार्ड नहीं है, तभी उसे किराएदार या कर्मचारी के रूप में रखा जाए। सरकारी नौकरी में भी जो व्यक्ति चुना जाता है, उसकी पहले पुलिस वैरिफिकेशन करवाई जाती है, उसके बाद ही उसे सरकार द्वारा नियुक्ति पत्र मिलता है अथवा नियुक्ति पत्र देने के बाद भी काम करने के पहले दो महीनों में ही पुलिस से जांच आवश्यक कही गई है, पर अब यह प्रश्न पैदा होता है कि जब सरकारी कर्मचारी के लिए नौकरी में आने से पहले पुलिस वैरिफिकेशन जरूरी है तो सरकार के लिए क्यों नहीं। सन् 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले इतना ज्यादा दलबदल हुआ जिसने पुराने सारे रिकार्ड तोड़ दिए। साठ के दशक के आया राम गया राम से लेकर 2023 के पलटू राम तक दल बदलने वाले नेताओं की चर्चा खूब रही। 2024 के चुनावों में बहुत से राजनीतिक दलों ने दूसरी पार्टियों के बागी या निकाले गए कार्यकर्ताओं को अपनी पार्टी में शामिल ही नहीं किया, अपितु उनको संसद के लिए प्रत्याशी भी बनाया। कुछ ऐसे राजनीतिक व्यक्तित्व भी एक दल से दूसरे दल में गए अथवा बुलाए गए जिनका अतीत अपराध, भ्रष्टाचार और घोटालों से भरा था। ऐसे भी नेता लिए गए जो कुछ महीने पहले तक भगवान श्रीराम का नाम भी आदर से नहीं लेते थे और राम मंदिर का मुखर विरोध भी करते रहे, पर वे सभी उस पार्टी में गए जिन्होंने श्रीराम के नाम से ही दो दशक पहले सत्ता प्राप्त की थी। आश्चर्य है कि समाजवादी भाजपा वाले हो गए, भाजपा वाले अकाली हो गए, अकाली और भाजपा दोनों ही आप में भी चले गए। कांग्रेस के वे नेता जो वर्षों से संसद में कांग्रेस के प्रतिनिधि बनकर बैठे थे, दल बदलने में पीछे न रहे। महाराष्ट्र के तो कुछ ऐसे भी प्रसंग सुनने को मिले कि जो नेता सत्ता पक्ष की शरण में आ गए, उन पर अरबों के घोटालों की गाज गिरने वाली थी, पर उन्होंने सत्ता पक्ष का अभेद्य कवच ओढ़ लिया। भारत की जनता का तो धन्यवाद कि जागरूक मतदाताओं ने अधिकतर दलबदलुओं को हराया। मेरा सरकारों से प्रश्न तो यह है कि जब पुलिस यह आदेश-निर्देश देती है कि कोई नया व्यक्ति घर में, व्यापार में, उद्योग में जोडऩे से पहले उनकी पृष्ठभूमि की पुलिस से जांच करवाई जाए, तो ये जो बड़े-बड़े नेता दल बदलकर दूसरी पार्टी में जाते हैं, उन पार्टियों ने कभी इस नियम का पालन किया, जो आम जनता के लिए है। वैसे भी हमारे विद्वानों ने यह कहा है कि जिसके कुल शील का ज्ञान नहीं, उसे अपने घर-संस्थान में कभी स्थान न दें। वास्तविकता तो यह है कि राजनेताओं के अपराध या उनकी आपराधिक पृष्ठभूमि किसी से छुपी नहीं होती। समाचार पत्रों की सुर्खियों में रहती है। सोशल मीडिया द्वारा लोग उसको जानते हैं, फिर भी देश का बड़े से बड़ा नेता उन्हें गले लगाता है। दिल मिले या न मिले, हाथ मिलाने का नाटक टेलीविजन पर सारी दुनिया को दिखाया जाता है। पुष्पगुच्छ भेंट करना, गले में अपनी-अपनी पार्टी का सिरोपा पहनाना, मन से दुखी होते हुए भी मुख पर मुस्कुराहट लाना, यह दलबदलुओं का आम खेल है। भारत की जनता का सीधा-सीधा सवाल सरकार से है, प्रदेशों की सरकारों से भी कि जो कानून हमारे ऊपर अर्थात आम आदमी के ऊपर लागू होते हैं, वे नेताओं पर क्यों नहीं? एक प्रश्न और चुनाव से पूर्व सभी प्रत्याशी चुनाव आयोग को यह जानकारी देते हैं कि उनके ऊपर किस-किस अपराध में मुकदमे चल रहे हैं या उनको दंड देने का अदालत ने निर्णय कर लिया है, फिर भी उनको चुनाव लडऩे की इजाजत क्यों? एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भी जिन अपराधों के कारण सरकारी नौकरी के अयोग्य है, उन्हीं अपराधों को या आपराधिक पृष्ठभूमि को स्वीकार करते हुए चुनावी प्रत्याशी चुनाव लडऩे की आज्ञा पा लेता है। आखिर ऐसा क्यों? एसोसिएशन ऑफ डेमाक्रेटिक रिफार्म (एडीआर) की रिपोर्ट के अनुसार 18वीं लोकसभा के लिए जो 543 सांसद चुने गए उनमें से 251 अर्थात 46 प्रतिशत पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। इनमें से 27 सांसदों को अलग-अलग अदालतों से दोषी करार दिया जा चुका है। एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार दागी सांसदों का यह अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे पहले 2019 में क्रिमिनल केस वाले 233 अर्थात 43 प्रतिशत सांसद लोकसभा में पहुंचे थे। भारत के मतदाता गंभीरता से सोचें कि यह संख्या बढ़ती क्यों जा रही है। 2009 में 162, 2014 में 185, 2019 में 233 दागी छवि वाले या बहुत से गंभीर अपराध करने वाले संसद में पहुंचे थे, भारत की सरकार बने थे। दुनिया भर की सुख-सुविधाएं उनको मिल गईं।

आप का नजरीया

नेता विपक्ष का आक्रामक आगाज

सोमवार एक जुलाई को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी ने पहला भाषण दिया, जो इतना आक्रामक और उत्तेजक था कि प्रधानमंत्री मोदी समेत आधा दर्जन केंद्रीय मंत्रियों को बार-बार आपत्ति दर्ज करानी पड़ी। इन मंत्रियों में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह को भी हस्तक्षेप करना पड़ा। गृह मंत्री ने पहली बार लोकसभा में स्पीकर का संरक्षण मांगा और नियमों को लेकर वह कुछ असहाय और आक्रोश में दिखे। हमने संसदीय कवरेज के अपने लंबे अनुभव में पहली बार देखा कि प्रधानमंत्री ने नेता विपक्ष के भाषण के दौरान टोका-टोकी की और कहा-'पूरे हिंदू समाज को हिंसक कहना बहुत गंभीर विषय है। संविधान ने मुझे सिखाया है कि विपक्ष के नेता को गंभीरता से लेना चाहिए।' यह राहुल गांधी का पूरी तरह 'राजनीतिक भाषण' था। राष्ट्रपति अभिभाषण की उन्हें परवाह ही नहीं थी। यह भी पहली बार लोकसभा में हुआ कि नेता विपक्ष ने भगवान शिव, ईसा मसीह, गुरु नानकदेव, महावीर स्वामी की कथित 'अभय मुद्रा' वाली तस्वीरों को बार-बार दिखाया। यह सदन के नियम 349 का उल्लंघन था। स्पीकर ओम बिरला ने बार-बार सदन की गरिमा और मर्यादा की दुहाई दी, लेकिन नेता प्रतिपक्ष की रणनीति कुछ और ही थी। नेता विपक्ष ने पहली बार ऐसा भाषण दिया, जिसमें आठ संसदीय नियमों का उल्लंघन किया गया। इस पर स्पीकर क्या निर्णय लेते हैं, यह देखना अभी शेष है। नेता प्रतिपक्ष के आगाजी भाषण में राहुल गांधी ने हिंदू, अग्निवीर, नीट, किसान से लेकर प्रधानमंत्री मोदी तक अपने प्रहारों के निशाने पर रखे। यह भी संसद में पहली बार देखा गया कि नेता विपक्ष ने भाजपा के सबसे महत्वपूर्ण 'हिंदू कार्ड' को निरस्त करने की कोशिश की। राहुल खुद को बड़ा और मौलिक हिंदू साबित करने में लगे रहे। उन्होंने स्थापना दी कि आरएसएस, भाजपा और प्रधानमंत्री ही हिंदू समाज नहीं हैं। जो खुद को हिंदू मानते हैं, वे 24 घंटे हिंसा और नफरत फैलाते रहते हैं। वे हिंदू नहीं, हिंसक हैं। राहुल के इस कथन पर साधु-संतों और संघ नेताओं ने तल्ख प्रतिक्रियाएं दी हैं। दरअसल नेता प्रतिपक्ष ने 'हिंदू' के जरिए देश के 110 करोड़ हिंदुओं तक अपना संदेश पहुंचाना चाहा है। वे राहुल गांधी के हिंदू और धार्मिक ज्ञान को किस तरह ग्रहण करते हैं, यह भविष्य की राजनीति है। इतना कहा जा सकता है कि सोमवार का दिन नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का दिन था। वह विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का भी दिन था, क्योंकि विपक्षी सांसद अपने नेता के साथ एकजुट और आक्रामक रहे। राहुल की राजनीति और रणनीति की यही निरंतरता बरकरार रहेगी, भविष्य में देखना होगा। हालांकि अयोध्या के लोगों के मुआवजे और अग्निवीर की शहादत पर एक करोड़ रुपए की सरकारी मदद आदि के स्पष्टीकरण सरकार की तरफ से दिए जा चुके हैं, लेकिन नेता प्रतिपक्ष को तथ्यात्मक गलतियों से बचना चाहिए। बीते दिनों एक अग्निवीर शहीद हुआ था, जिसे सरकार की ओर से 1.65 करोड़ रुपए से अधिक की सरकारी मदद दी गई थी। इसी तरह नेता विपक्ष ने यह भी गलत कहा है कि प्रधानमंत्री अयोध्या से चुनाव लडऩा चाहते थे, लेकिन सर्वे करने वालों ने उन्हें मना कर दिया।

रोडवेज की टक्कर से बाइक सवार पिता और बेटी की मौत

पाली (हिंस)। सोजत में राजमार्ग संख्या 62 पर गुरुवार सुबह सत्यम पेट्रोल पंप के पास गलत साइड से आई रोडवेज बस ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में एक व्यक्ति और छह महीने की बेटी की मौत हो गई। वहीं पत्नी और दो साल का बेटा गंभीर घायल हो गया। जिन्हें हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद हाइवे पर जाम लग गया। आरोपी ड्राइवर बस को छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिसकर्मी मोहम्मद यूसुफ ने बताया कि भीमालिया सोमेश्वर निवासी बाइक सवार मुकेश (30) पुत्र अंबालाल अपनी पत्नी शारदा (29), छह महीने की बेटी और बेटे जिगर (2) के साथ सोजत से पाली की तरफ जा रहा था। इस दौरान सत्यम पेट्रोल पंप के पास रांग साइड से आई रोडवेज बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। बाइक सवार सभी लोग उछलकर सड़क गिरने से बुरी तरह घायल हो गए। हादसे के बाद ड्राइवर बस को छोड़कर मौके से फरार हो गया। राहगीरों की सूचना पर एबुलेंस की मदद से सभी का सोजत के सरकारी हॉस्पिटल में पहुंचाया गया।

हिंदू अल्पसंख्यक न हों इसके लिए जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू होना जरूरी : अनिल चौधरी

मुरादाबाद (हिंस)। सरस्वती शिशु मंदिर बनबटा गंज में गुरुवार को जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू करने हेतु जिला बैठक का आयोजन हुआ। इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल चौधरी ने कहा कि हिंदुओं की जनसंख्या घट रही है। एक समुदाय विशेष की जनसंख्या वृद्धि दर तेजी से बढ़ रही है। इसे रोकना होगा नहीं तो भयानक परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा। हम अपने पूर्वजों की वंशावली नहीं जानते जैसे लक्ष्मीबाई, महाराणा प्रताप, भगत सिंह, चन्द्रशेखर के पिता, दादाजी कौन थे किंतु अकबर की सब जानते हैं। हमारे असली इतिहास को छुपा कर तथाकथित विधर्मी आक्रमणकारियों को योद्धा और झूठे गुणों को बखान कर सब उल्टा पढ़ाया गया। कार्यक्रम में कश्मीर से पहुंचीं ममता सहगल ने कहा कि 1990 में धार्मिक स्थलों से घोषणा कि गई कि काफिरों चौबीस घंटे के अन्दर काश्मीर छोड़कर चले जाओ। अपनी लड़कियों और सम्पत्ति को यहीं छोड़ जाओ। मैं तेरह वर्ष की आयु में सीमेंट के ट्रक में छुपकर आई। लाखों लोगों को पलायन करना पड़ा। हम काश्मीर से इधर आ गए। यही हाल रहा तो आप कहां जाओगे। इस मौके पर कथावाचक आचार्य धीरशांत अर्द्धमौनी, समीर विधार्थी, डॉ. विजय लक्ष्मी पंडित, समीर विद्यार्थी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने राष्ट्रीय स्तर पर 11 जुलाई को पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक कलैक्ट्रेट पर विशाल धरना प्रदर्शन किया जाएगा। बैठक में कविता सिरोही, हेमा शारदा, शीतल राजपूत, अवनीश चौहान, अमित गुप्ता, पुलकित विधार्थी, अखिलेश्वर निगम, अग्रिम गुप्ता, जवाहर टंडन, नरेश गुप्ता, विपिन रस्तोगी, हर्ष रौतेला, रचना अग्रवाल, सुनीता देवी, क्षमा रानी, राकेश कुमार, संतोष गुप्ता, गोविन्द सिंह, कंचन अग्रवाल, पिंकी यादव, ज्योति सैनी, स्वाति राजपाल आदि उपस्थित रहे।

राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा का कैबिनेट से इस्तीफा

जयपुर (हिंस)। राजस्थान के कृषि मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। मीणा ने कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री से मुलाकात करके इस्तीफा दे दिया था, लेकिन विधानसभा के बजट सत्र के चलते रणनीति के तहत इसे गोपनीय रखा गया। अब उनके इस्तीफे की जानकारी सामने आने के बाद पार्टी को यहां चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि वे दो दिन से दिल्ली में थे, क्योंकि उन्हें पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री ने बातचीत के लिए बुलाया था, लेकिन उनसे मुलाकात नहीं हो सकी। मीणा ने कहा कि उनकी संगठन या मुख्यमंत्री से कोई नाराजगी नहीं है। किरोड़ीलाल मीणा ने लोकसभा चुनाव के दौरान कहा था कि उन्हें जिन ग्यारह सीटों की जिम्मेदारी मिली है अगर वो हारते हैं तो इस्तीफा दे देंगे। लोकसभा चुनावों के रिजल्ट से पहले रुझानों में भाजपा को 11 सीटें हारते देख ही

मीणा ने दोपहर में ही सोशल मीडिया पोस्ट करके इस्तीफे के संकेत दे दिए थे। उन्होंने रामचरित मानस की चौपाई– *रघुकुल रीत सदा चली आई, प्राण जाए पर वचन न जाए* लिखकर संकेत दिए कि वे अपनी घोषणा से पीछे नहीं हटेंगे। डॉ. किरोड़ीलाल ने गुरुवार को भी यही चौपाई पुनः सोशल मीडिया पर पोस्ट की। राजस्थान में जल्द ही पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। इनमें झुंझुनूं, खींवसर, दौसा, देवली-उनियारा और चौरासी की सीटें हैं। भाजपा ने कुछ दिन पहले ही डॉ किरोड़ीलाल मीणा को दौसा सीट का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है।

अनुबंधित विद्युत कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

हिसार (हिंस)। भारतीय मजदूर संघ से संबंधित अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ के आह्वान पर कर्मचारियों ने जिलों व थर्मलों में अपनी मांगों बारे प्रदर्शन किया। इस दौरान इन कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भी सौंपा। हिसार में अनुबंधित बिजली कर्मचारियों ने गुरुवार को जिला अध्यक्ष रामकेश श्योराण के नेतृत्व में प्रदर्शन किया और अधीक्षक अभियंता व सीटीएम को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन का संचालन जिला सचिव पवन गुंदली ने किया। इस दौरान प्रदेश संगठनकर्ता विक्रम श्योराण विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रदर्शनकारी अनुबंधित बिजली कर्मचारियों को संबोधित करते हुए प्रदेश संगठनकर्ता विक्रम श्योराण ने कहा कि आज बिजली विभाग का सारा बोझ अनुबंधित कर्मचारियों के कंधे पर है। प्रदेश में किसी भी समय बाढ़, कोरोना काल, भीषण गर्मी व सर्दी के मौसम में भी बिजली सेवा सुचारु रूप से चले इसके लिए कार्य करते हुए अभी तक प्रदेश में दर्जनों अनुबंधित कर्मचारी अपनी जान गवां चुके हैं। सेंकड़ों कर्मचारियों के अंग भंग हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि अपनी जान पर खेल कर काम करने वाले थर्मल के अनुबंधित कर्मचारियों को सरकार एवं विभाग की तरफ से अब तक उन्हें ठेकेदारों के चंगुल से आजादी नहीं दिलवाने के लिए कौशल रोजगार निगम में शामिल नहीं किया गया है। इसके अलावा सभी बिजली निगमों के अनुबंधित कर्मचारियों को बहुत कम वेतन और नाममात्र सुविधा मिलती हैं जिसको लेकर अनुबंधित कर्मचारियों में भारी रोष है। मुख्यमंत्री के नाम सौंपे गए मांगपत्र में अनेक मांगे रखी गई है। विक्रम श्योराण ने कहा कि यदि सरकार ने समय रहते संघ के साथ बातचीत कर मांगों को पूरा नहीं किया गया तो संगठन अपने आंदोलन के आगामी कार्यक्रम के तहत 5 से 15 जुलाई तक सभी विधायकों, सांसदों, मंत्रियों को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

नीट परीक्षा में धांधली का आरोप : यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया ट्रेन रोको आंदोलन

जयपुर (हिंस)। राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा (नीट) में कथित धांधलियों के विरोध में यूथ कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष और संगरिया विधायक अभिमन्यु पूनिया के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं की ओर से गुरुवार को ट्रेन रोको आंदोलन किया गया। यूथ कांग्रेस के पदाधिकारी और समर्थक जयपुर के गांधी नगर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म एक पर पहुंचे, लेकिन इससे पहले ही भारी पुलिस जाब्ते ने उन्हे रोक लिया। इसके बाद सभी प्लेटफॉर्म पर ही धरने पर बैठ गए। इस दौरान अभिमन्यु पूनिया और पुलिस के बीच तनातनी हो गई। इस पर पुलिस उन्हें जबरन उठाकर रेलवे स्टेशन से बाहर ले गए। युवा कांग्रेस का कार्यकर्ताओं ने इसका विरोध किया। कांग्रेस नेता पुलिस को हिदायत दे रहे थे की विधायक के साथ पुलिस इस तरीके से बर्ताव नहीं कर सकती। इसके बाद पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार

यूथ कांग्रेस के नेता गांधी नगर रेलवे स्टेशन पर गुरुवार सुबह दस बजे के बाद पहुंचे, लेकिन पुलिस आठ बजे ही मौजूद थी। जैसे ही यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता और नेता नारेबाजी करते हुए अंदर आए और पटरियों पर कूदने लगे तो वहां पहले से ही तैनात जाब्ते ने उनको काबू कर लिया और बाहर खदेड़ दिया। गांधी नगर स्टेशन पहुंचे यूथ कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष और संगरिया विधायक अभिमन्यु पूनिया ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को नीट परीक्षा के मामले में बोलना चाहिए। वह कुछ भी नहीं बोल रहे हैं। यह सही नहीं है। यह लाखों बच्चों के भविष्य का सवाल है। एनटीए संस्था को भी तुरंत प्रभाव से बैन किया जाना चाहिए। पूनिया ने कहा कि सरकार के दबाने से यूथ कांग्रेस के लोग दबने वाले नहीं हैं। यह बच्चों के साथ गलत हुआ है। हम हर संभव जगह पर अपना विरोध प्रदर्शन दोहराएंगे। पूनिया ने कहा कि यह हमारा प्रदेश स्तरीय रेल रोको अभियान था। बताया जा रहा है कि जयपुर के अलावा कई शहरों में रेल रोकने का प्लान किया गया था। जब यह नीट परीक्षा रद्द नहीं हो जाती तब तक यूथ कांग्रेस सड़कों पर प्रदर्शन करेंगी। गौरतलब है कि यूथ कांग्रेस के कई नेताओं ने ट्रेन को रोकने की धमकी दी थी, इस धमकी को देखते हुए जीआरपी पुलिस और अन्य पुलिस जाब्ता पहले से ही स्टेशन पर मौजूद था।

गणेश पूजन के साथ जगन्नाथ जी का मेला शुरू

अलवर (हिंस)। शहर के सुभाष चौक स्थित भगवान जगन्नाथ जी के मंदिर में आज गणेश पूजन हुआ। इसी के साथ भगवान जगन्नाथ के वैवाहिक कार्यक्रम की शुरुआत हुई। महंत पुष्पेंद्र शर्मा ने बताया कि 11 पंडितों ने मंत्रोच्चारण के साथ आज गणेश पूजन कराया हैं। भगवान गणेश से निर्विघ्न जगन्नाथ मेला संपन्न होने की कामना की गई। आज से ही मेला शुरू हो गया हैं। 7 जुलाई को दोज पूजन होगा और भगवान जगन्नाथ के कंगन डोर बांधे जाएंगे। कुंवारे लड़के लड़किया कंगन डोरे बंधवाने के लिए मंदिर आएंगे। 14 जुलाई को सीताराम जी की सवारी रूपबास के लिए रवाना होगी। 15 जुलाई को शाम 6 बजे भगवान जगन्नाथ जी की सवारी सुभाष चौक से रूपबास के लिए निकलेगी। 17 को वरमाला व 18 को मेला भरेगा। 19 जुलाई को भगवान जगन्नाथ माता जानकी को लेकर रूपबास से सुभाष चौक स्थित जगन्नाथ मंदिर पहुंचेंगे।

नांदड़ाखुर्द तिहरा हत्याकांड : पुलिस हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने में जुटी

जोधपुर (हिंस)। निकटतर्वी बनाड़ थाना क्षेत्र के गांव नांदडा खुर्द में बुधवार दोपहर बाद तिहरा हत्याकांड हुआ था। मरने वाले सभी एक ही परिवार के थे। इनमें नानी और दो नातिन शामिल हैं, जबकि बेटी अस्पताल में भर्ती है। पुलिस इस तिहरे हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने में लगी है, साथ ही घायल महिला के होश में आने का इंतजार कर रही है। उसके बयान पर आगे सुराग मिलने की प्रबल संभावना है। इधर घटनाक्रम को लेकर आज मृतकों के परिजन और जाट समाज के लोगों ने एमडीएम मोर्चरी पर धरना प्रदर्शन किया। शवों का दोपहर तक पोस्टमार्टम नहीं हो पाया। परिजन ने एक करोड़ मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी, और थानाधिकारी बनाड़ प्रेमदान रत्नू के निलंबन की मांग रखी है। एसीपी मंडोर पीयूष कविया ने बताया कि घायल संतोष का उपचार जारी है। उसके होश में आने पर बयान लिए जाने के बाद मामले में खुलासा होने की पूर्ण संभावना है, साथ ही पुलिस की तरफ से रात भर से हत्यारों का पता लगाने के लिए टीमों का गठन किया गया है। कई संदिग्ध लोगों को थाने लाकर पूछताछ की गई है। फिलहाल कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है। फिलहाल पुलिस का प्रयास जारी है। महिला एवं बाल विकास आयोग की पूर्व अध्यक्ष एवं पाली लोकसभा चुनाव की कांग्रेस प्रत्याशी संगीता बेनिवाल भी दोपहर में मोर्चरी पर पहुंची और मृतकों के परिवार को ढांढस बंधाने के साथ पुलिस के उच्चाधिकारियों से इस बारे में बात की। बता दें कि नांदडा खुर्द निवासी मंगीलाल कुडिया की बेटी संतोष पत्नी किशनाराम तीन-चार दिनों से मायके आई हुई थी। बुधवार दोपहर संतोष, उसकी मां भंवरी देवी और संतोष की दो बेटियां भावना और लक्षिता घर पर थीं। इस दौरान किसी ने घर में घुसकर कुल्हाड़ी से सबसे पहले भंवरी देवी के सिर पर वार किया, जिससे वह मौके पर ही ढेर हो गई। संतोष के भी सिर पर वार किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। हमलावर ने दोनों मासूम बेटियों को घर में बने पानी के टांके में डुबोकर मार दिया। करीब पांच बजे पुलिस को इस घटना की जानकारी मिली, जिसके बाद वे यहां मौके पर पहुंचे। मौके पर लूट या डकैती को लेकर हत्या करने के कोई साक्ष्य नहीं मिले हैं। पुलिस ने बताया कि जिस परिसर में हत्या हुई है, वहां पर मांगीलाल के दो पुत्र पुखराज और अशोक रहते हैं। पुखराज के घर में यह घटना घटित हुई है। परिजनों से भी पुलिस जानकारी जुटा रही है। इसके अलावा पुलिस का डॉग स्क्वायड भी घटनास्थल और आसपास के इलाकों में खोजबीन की। पुखराज के घर में हत्याकांड हुआ। उससे कुछ दूरी पर खेत में अशोक रहता है, लेकिन किसी ने भी हत्याकांड को होते हुए नहीं देखा? परिजनों ने अंदेशा जताया कि लूट के इरादा से किसी ने घर में घुसकर हत्या की है, लेकिन मौके से पुलिस को ऐसे कोई साक्ष्य नहीं मिले। घटना के बाद हत्यारा मौके से भाग गया और किसी ने भी उसे आते-जाते नहीं देखा।

स्पेशल टास्क फोर्स की टीम ने 50 हजार का इनामी बदमाश को दबोचा

पलवल (हिंस)। स्पेशल टास्क फोर्स की टीम ने 50 हजार का इनामी बदमाश समालखा से दबोच लिया है। यह कार्रवाई पलवल यूनिट ने की है। बदमाश उत्तर प्रदेश पुलिस का वांटेड था। जिसे पकड़ने के लिए टीमें चार साल से ज्यादा समय से अनेकों जगहों पर दबिश दे रही थी। इसी बीच टीम ने सूचना के आधार पर बदमाश को पानीपत जिले के समालखा कस्बे से पकड़ा है। जिसे टीम ने प्रारंभिक पूछताछ के बादर उत्तर प्रदेश की पुलिस के हवाले कर दिया। बदमाश की पहचान शेर बहादुर पुत्र लोक बहादुर निवासी काबड़ी फाटक पानीपत के रूप में हुई है। एसटीएफ से मिली जानकारी के अनुसार बदमाश के ऊपर उत्तर प्रदेश में 2 मुकदमे दर्ज है। जिसमें गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाने में बदमाश पर 2021 में गैंगस्टर एक्ट के तहत एक केस दर्ज है। जिसमें वह वांटेड भी था। वहीं, एक अन्य मामला 2020 का है। वह भी इंदिरापुराम थाने में ही धारा 482 के तहत दर्ज है। बदमाश पर गाजियाबाद पुलिस द्वारा ही 50 हजार का इनाम घोषित किया गया था। बदमाश लगातार पुलिस की पकड़ से दूर था। इस दौरान उसने अनेकों जगहों पर फरारी काटी।

दहेज मांग पूरी नहीं करने पर पति ने दिया पत्नी को तीन तलाक

जयपुर (हिंस)। सोडाला थाना इलाके में दहेज मांग पूरी नहीं करने पर मोबाइल कॉल कर पति द्वारा पत्नी को तीन तलाक देने का मामला सामने आया है। पुलिस की प्रारंभिक जांच पडताल में सामने आया है कि दहेज की मांग को लेकर सुसराल वाले दुल्हन को विदा कर घर नहीं ले गए थे और दहेज मांग पूरी नहीं करने पर पति ने तीन तलाक दे दिया। इस संबंध में पीड़िता के पिता ने थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। थानाधिकारी सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि सोडाला निवासी व्यक्ति ने मामला दर्ज करवाया है कि फरवरी 2023 में उसकी बेटी का निकाह दिल्ली निवासी युवक से हुआ था। निकाह से पहले ससुराल वालों से दहेज की डिमांड पूछने पर मना किया था। निकाह के बाद बेटी के ससुराल वालों को सुख-सुविधा का सामान खरीदने के लिए पांच लाख रुपये नगद दिए थे। ससुराल वाले निकाह के बाद बेटी को जल्द विदा कर ले जाने की कहकर चले गए। बार-बार सम्पर्क कर पूछने पर कोई बहाना बनाकर बेटी की विदाई कराकर नहीं ले गए। सालभर समय बीतने पर दिल्ली स्थित बेटी के ससुराल जाकर बात की। ससुरालवालों ने दहेज की डिमांड में कार देने को कहा।

करंट की चपेट में आने से दो मजदूरों की मौत

फरीदाबाद (हिंस)। मुजेसर थाना एरिया में गुरुवार को एक निर्माणाधीन फैक्टरी में काम करने के दौरान करंट की चपेट में आने से दो मजदूरों की मौत हो गई। इस हादसे में एक अन्य मजदूर गंभीर रूप से झुलस गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया गया कि बिहार के मधुबनी जिले के रहने वाले रंजीत, शैलेन्द्र और लक्ष्मण यहां बल्लभगढ़ चावला कालोनी में रहते हैं। तीनों मुजेसर थाने के सामने फैक्टरी में सेटरिंग का का कार्य कर रहे थे। तभी छत पर चढ़ाते समय लोहे का पाइप हाईटेंशन लाइन से छू गया और करंट की चपेट में आने से रंजीत और शैलेन्द्र की मौके पर मौत हो गई। इस हादसे में लक्ष्मण गम्भीर रूप से झुलस गया। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग का एक बार फिर संजय झा ने किया उल्लेख

पटना (हिंस)। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा का गुरुवार को दिल्ली से पटना पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की जदयू की मांग का एक बार फिर से संजय झा ने उल्लेख किया। झा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अगले पांच साल में बिहार में बहुत काम होगा। केंद्र सरकार से बिहार को विशेष राज्य का दर्जा या विशेष पैकेज दिलाने के लिए बात हो रही है। संसद में भी इसे उठाया गया था। जल्द ही इस पर बड़ा फैसला होने का उन्होंने दावा किया। जाति गणना रिपोर्ट के बाद बिहार में आरक्षण की सीमा को बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने के नीतीश सरकार के आदेश को पटना हाई कोर्ट द्वारा रद्द किए जाने पर संजय झा ने कहा कि हम लोग पहले ही इस मामले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि देश में बिहार में पहला राज्य है जहां जातीय गणना हुई है उसी आधार पर आरक्षण की सीमा को बढ़ाया था। इस मामले में हाई कोर्ट का जो फैसला आया है उसे पहले ही सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा चुकी है। विशेष राज्य के मुद्दे पर मोदी सरकार के मंत्रियों ने कई बार कहा है कि बिहार के लिए ऐसा कोई प्रावधान नहीं किया जा

सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कई मौकों पर इसे लेकर सरकार की योजना को रखा है, जिसमें अब देश के किसी राज्य को विशेष राज्य का दर्जा नहीं देने की बातें कही गई है। ऐसे में एनडीए सरकार में शामिल जदयू ने अब इस मुद्दे पर जोरदार तरीके से बातों को रखा है। संजय झा खुद इस मुद्दे की अगुवाई करते दिख रहे हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि यदि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं दिया जाता तो विशेष पैकेज की मांग भी हम करेंगे। ऐसे में इस मुद्दे पर केंद्र सरकार और जदयू में आने वाले दिनों कौन सा फॉर्मूला निकाला जाता है यह बेहद अहम होगा।

युवक की हत्या के मामले में आरोपी महिला गिरफ्तार

सोनीपत (हिंस)। जिले के थाना सदर सोनीपत की पुलिस ने युवक की हत्या के मामले में एक महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला जिले सोनीपत की निवासी हैं। न्यू बाबा कॉलोनी सोनीपत निवासी मोहित ने 1 जुलाई को थाना सदर सोनीपत में शिकायत दी कि उनके भाई अंकित एक महीने से एक लड़की के साथ रिलेशनशिप में था। मोहित ने शिकायत में आरोप लगाया कि उक्त लड़की ने भगत सिंह कलोनी में किराए के कमरे में रहते हुए उसके भाई अंकित की हत्या कर दी। उसका शव कलोनी के पास रेलवे लाइन पर मिला था। पुलिस ने आरोपी महिला को गुरुवार को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट के आदेश पर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

श्री तिरुपति धाम में धूमधाम से निकली भगवान तिरुपति की सवारी शोभा यात्रा

सवारी शोभा यात्रा के दौरान जय श्रीमन्ननारायण के उद्घोष से गूंज उठा तिरुपति धाम

हिसार (हिंस)। श्री तिरुपति बालाजी धाम में भगवान श्री तिरुपति जी की सवारी शोभा यात्रा धूमधाम से निकाली गई। इस दौरान माता के चल विग्रह भी पालकी में विराजमान रहे। श्रद्धालुओं ने श्री तिरुपति धाम के पूरे परिसर को जय श्रीमन्ननारायण, जय गोविंदा व जय भगवान वेंकटेश के उदघोष से गुंजायमान कर दिया। कार्यक्रम के तहत गुरुवार को प्रातः पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई और सायंकाल मंत्रोच्चारण के साथ भगवान तिरुपति के चल विग्रह को रथ पर स्थापित पालकी में विराजमान किया गया। उनके साथ ही माता के विग्रह भी सुशोभित किए गए। विशेष बात यह रही कि भक्तों ने अपने हाथों से रथ को खींचकर अपनी आस्था जताई और

धाम की परिक्रमा की। सवारी शोभा यात्रा के उपरांत श्रद्धालुओं में गोष्ठी प्रसाद का वितरण किया गया। सवारी शोभा यात्रा में हिस्सा लेने वाले श्रद्धालुओं ने श्री तिरुपति धाम में श्री वेंकटेश भगवान जी, श्री पद्मावती माता जी, श्री गोदांबा माता जी, श्री गरुड़ जी, श्री लक्ष्मी नृसिंह जी, श्री सुदर्शन जी, श्री रामानुज स्वामी जी, श्री शठकोप स्वामी जी एवं श्री हनुमान जी के मंदिरों के भी दर्शन किए। अग्रोहा रोड पर लांदड़ी टोल प्लाजा के पास स्थापित श्री तिरुपति बालाजी धाम में 42 फुट ऊंचा सोने का श्री गरुड़ स्तंभ, बलिपीठम् व श्री तिरुपति यज्ञशाला भी विशेष दर्शनीय हैं। धाम की श्रीनिवास गोशाला, श्री तिरुपति यज्ञशाला एवं पवित्र पुष्करणी भी श्रद्धा के विशेष केंद्र बने हुए हैं।

श्रीलंका ने बॉन्डधारकों के साथ ऋण पुनर्गठन समझौता किया, संकट से जूझ रहे देश को मिलेगी यह मदद

नई दिल्ली ।
श्रीलंका के वित्त मंत्री शेहान सेमासिंघे ने गुरुवार को बताया कि लंबी बातचीत के बाद द्विपीय राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय संप्रभु बांडधारकों के साथ ऋण पुनर्गठन समझौते पर पहुंच गया है। एक बयान में, राज्य के वित्त मंत्री सेमासिंघे ने कहा कि पुनर्गठन शर्तों पर एक समझौता हुआ, जिससे श्रीलंका की ऋण पुनर्गठन प्रक्रिया पूरी हो गई।

सेमासिंघे ने कहा, आईएसबी (इंटरनेशनल सॉवरेन बॉन्ड) 37 बिलियन अमरीकी डॉलर के कुल बाहरी ऋण में से 12.5 बिलियन अमरीकी डॉलर के लिए जिम्मेदार है। यह समझौता ऋण स्थिरता को बहाल करने के हमारे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि निजी बॉन्डधारकों के साथ समझौता भारत सहित अन्य राष्ट्रों की आधिकारिक लेनदार समिति की मंजूरी के अधीन था।

उन्होंने कहा, यह अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और पुनरूत्थान की दिशा में हमारी यात्रा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। अधिकारियों ने कहा कि आईएसबी धारकों को 28 प्रतिशत कटौती पर अग्रिम भुगतान इस साल सितंबर से शुरू होने पर सहमती बनी है।

अधिकारियों ने कहा कि इसके साथ ही श्रीलंका की ऋण पुनर्गठन प्रक्रिया पूरी हो गई है, जो मार्च 2023 में चार साल की अवधि में विस्तारित 2.9 बिलियन अमरीकी डॉलर के अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के बेलआउट पैकेज के तहत एक शर्त थी।

यह प्रक्रिया यह 26 जून को पेरिस में भारत और चीन सहित द्विपक्षीय उधारदाताओं के साथ ऋण पुनर्गठन समझौतों को अंतिम रूप देने के बाद पूरी की गई है। इसे राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने ऋण-ग्रस्त अर्थव्यवस्था में अंतरराष्ट्रीय विश्वास को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया है।

श्रीलंका ने अप्रैल 2022 के मध्य में अपना विदेशी मुद्रा भंडार समाप्त होने के बाद खुल को डिफ़ॉल्ट घोषित किया था। ऋण सेवाओं के रुकने का मतलब था कि बहुपक्षीय लेनदार राष्ट्र और वाणिज्यिक ऋणदाता देश को नया वित्तपोषण नहीं दे सकते थे। द्विपक्षीय ऋण पुनर्गठन पर पिछले सप्ताह की घोषणा के बाद सरकार को मुख्य विपक्ष की आलोचना का सामना करना पड़ा, जिन्होंने दावा किया कि सरकार देश के लिए सबसे अच्छा समाधान हासिल करने में विफल रही है।

न्यूज ब्रीफ

बजाज सीएनजी बाइक होगी लांच, ये दुनिया की पहली सीएनजी बाइक

नई दिल्ली । देश के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की मौजूदगी में कल बजाज ऑटो कंपनी दुनिया की पहली सीएनजी बाइक लॉन्च करने की तैयारी में है। बजाज ऑटो ने लॉन्च से पहले अपनी आगामी सीएनजी बाइक का नया टीज़र जारी किया है। इस अपकमिंग सीएनजी बाइक में एडीवी से इंस्पायर्ड डिजाइन है जो उस स्पेसिफिक ऑडियंस को अपील करता है। बजाज का लक्ष्य एक वर्सेटाइल प्रोडक्ट बनाना है जो प्रीमियम 125 सीसी मोटरसाइकिल पेश करके अलग-अलग ग्रुप्स को अपील कर सके ।स्पाई शॉट्स जो सामने आई हैं उनमें एक छोटा सा फ्यूल टैंक दिख रहा है जो लगभग 5 लीटर पेट्रोल रखने में सक्षम है और बाइक के व्हीलबेस पर एक लंबी सीट है, जिसके नीचे सीएनजी टैंक रखा गया है। सीएनजी और पेट्रोल ईंधन की कंबाइंड कैपेसिटी ट्रेडिशनल 125 सीसी कम्यूटर मोटरसाइकिलों के समान टैंक रेंज होनी चाहिए। बजाज सीएनजी बाइक में सिल्वर रंग में हाइलाइट किए गए मस्कुलर टैंक श्राउड भी हैं, जो हेडलाइट हाउसिंग तक फैले हुए हैं यहां। गोल हेडलाइट एक क्लासिक टच देता है, जबकि हैंडलबार ब्रेसेस, नकल गार्ड और फ्रंट डिस्क ब्रेक कम्यूटर सेगमेंट में प्रीमियम फील देते हैं ।बाकी नोटेबल कंपोनेंट्स में एक लार्ज साइड बॉडी पैनल, स्टाइलिश बेली पैन, स्प्लिट 5-स्पोक डिजाइन एलॉय व्हील्स, पीछे बैठने वालों के लिए फंक्शनल ग्रैब रेल, रिब्ड सीट, ट्रेडिशनल आरएसयू टेलिस्कोपिक फ्रंट फोर्क्स, रियर मोनो-शॉक सेटअप, टायर हगर और मेगा कलर रेंज शामिल हैं। बजाज द्वारा सीएनजी बाइक में 125 सीसी इंजन दिए जाने की संभावना है।

माइक्रोसॉफ्ट ने किया भेदभाव, कर्मियों को करेगी 117 करोड़ रुपये का भुगतान

सैन फ्रांसिस्को । माइक्रोसॉफ्ट कॉर्प छुट्टी लेने वाले कर्मचारियों के साथ भेदभाव करने के मामले को निपटाने के लिए 1.44 करोड़ डॉलर (117 करोड़ रुपये) का भुगतान करने को तैयार हो गई है। कैलिफोर्निया के नागरिक अधिकार विभाग (सीआरडी) ने इसकी पुष्टि की। मामले की जांच कैलिफोर्निया एजेंसी ने 2020 में शुरू की थी। सांता क्लारा काउंटी की अदालत में फैसला आने के बाद माइक्रोसॉफ्ट भुगतान करने को तैयार हुई। आगे भेदभाव न होने पाए इसके लिए एक स्वतंत्र एजेंसी निगरानी रखेगी। दरअसल, जिन कर्मचारियों ने गर्भावस्था, दिव्यांगता, बीमारी परिवार के सदस्य की देखभाल व अन्य कारणों के लिए छुट्टी ली तो कंपनी ने उन्हें कम बोनस दिया। साथ ही उनकी समीक्षा के दौरान उन्हें कमतर दिखाया गया। इसके चलते कई कर्मचारियों को न तो वेतन बढ़ा और न ही पदोन्नति की गई। पात्र कर्मचारियों को मिलेंगे 1.25 लाख रुपये अदालत के फैसले के अनुसार कंपनी में 13 मई 2017 से काम कर रहे कर्मचारियों को भुगतान किया जाएगा। प्रत्येक पात्र कर्मचारी को 1,500 डॉलर (1.25 लाख रुपये) का बेसिक भुगतान प्राप्त होगा। इसके अलावा वेतन और रोजगार की अवधि जैसे कारकों के आधार पर और अधिक राशि मिलेगी। राज्य नागरिक अधिकार एजेंसी के अनुसार, माइक्रोसॉफ्ट में दुनिया भर में लगभग 221,000 कर्मचारी हैं। इनमें से लगभग 7,000 कैलिफोर्निया में हैं।

सोने के भाव में तेजी, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । सोने के वायदा कारोबार की शुरुआत तेज रही, जबकि चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 72,450 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 91,850 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 9 रुपये की तेजी के साथ 72,412 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 60 रुपये की तेजी के साथ 72,463 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्त रही। मसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 169 रुपये की गिरावट के साथ 91,852 रुपये पर खुला।

आवासीय योजनाओं, नीतिगत दरों और निवेश के बदले रुख से बढ़ी कीमतें, पर घर खरीदना अब भी लोगों की पसंद

मुंबई ।
देश में रियल एस्टेट बाजार में आवासीय क्षेत्र में लगातार तेजी बनी हुई है। देश के सभी शहरों में घरों की कीमतें आसमान छू रही हैं बावजूद इसके उल्लेखनीय रूप से मांग बढ़ी है। दिल्ली-एनसीआर, नवी मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता सहित छोटे शहरों में मकानों की बिक्री में तेजी से बढ़ रही है। जानकार इसकी बड़ी वजह सरकारी नीतियों जैसे कि प्रधानमंत्री आवास योजना को मानते हैं, जिसके तहत सभी वर्गों के लोगों को सरकार ने अपना घर मुहैया करवाने का लक्ष्य रखा है। जानकार बैंकों और गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थानों की ओर से होम लोन को किफायती ब्याज दर पर उपलब्ध करवाने को भी घरों की बिक्री बढ़ने की एक बड़ी वजह मानते हैं।

घर खरीदना पहली पसंद - रियल एस्टेट विशेषज्ञ ओम मेहता बताते हैं कि मध्यम वर्ग के लोगों की उच्चस्तरीय जीवनशैली की आकांक्षा के साथ भारत में स्थिर भविष्य के लिए घरों की कीमतें बढ़ती रहेंगी। घर खरीदना सभी के लिए सपना होता है और अब लोग इस सपने को साकार कर रहे हैं। लोग घर, कार खरीदने के साथ सोने में निवेश और घूमने पर पैसे खर्च कर रहे हैं। देश में रियल एस्टेट बाजार पारंपरिक रूप से आर्थिक विकास के प्रमुख चालकों में से एक रहा है, यह देश के सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। पिछले कुछ वर्षों में नकदी की कमी, विनियामक सुधार और कोविड महामारी जैसी चुनौतियों के बाद भी इस सेक्टर में मांग लगातार बनी रही। वह इसलिए कि कोविड जैसी महामारी के बाद लोग अपनी संपत्तियों को लेकर सजग हुए हैं। वर्ष 2023 में सबसे अधिक नई परियोजनाओं की घोषणा की गई थी। 2024 की पहली तिमाही ने पिछले वर्ष के लगभग सभी रिकॉर्ड को पार कर लिया। एक रिपोर्ट के अनुसार 2024 में आवासीय रियल एस्टेट में बाजार में 280,000 से 290,000 इकाइयों की अनुमाति सीमा के साथ नए लॉन्च हुए।

सरकारी नीतियों और डिजिटल अपनाने से बढ़ी मांग - रियल एस्टेट के एनालिस्ट प्रफुल्ल कुमार का कहना है कि 2023 में मांग में सुधार हुआ और सरकारी नीतियों और पूरे उद्योग में डिजिटल अपनाने से बिक्री में उछाल आया। सरकारी नीतियों जैसे कि रेरा प्रावधान को लाने से आपको सभी प्रोजेक्ट की जानकारी मिल जाती है। दूसरा प्रधानमंत्री आवास योजना है जिसके तहत कमजोर वर्ग को अपना घर मुहैया करवाना है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत महिलाओं को पहला घर खरीदने पर ढाई लाख रुपये की सब्सिडी देने जैसी योजना ने भी बड़ी भूमिका निभाई है। डिजिटल का इस्तेमाल बढ़ने से ऑनलाइन घरों को ढूंढा, खरीदना और वर्चुअल टूर से संपत्ती देखना, खरीदना, बेचा जाना आसान कर दिया है।

किफायती ब्याज दरें - सरकारी नीतियों के अलावा बैंक और गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) द्वारा अपने लोन कारोबार को बढ़ाने के लिए ग्राहकों को किफायती ब्याज दर ऑफर कर रहे हैं। यह कदम इस क्षेत्र के लिए बहुत मददगार साबित हुआ है। क्योंकि भारतीय घरेलू बचत का 50 प्रतिशत हिस्सा रियल एस्टेट में निवेशक किया जाता है। भारतीय रिजर्व बैंक ने नीतिगत दर की यथास्थिति बनाए रखा है। जिससे आवासीय क्षेत्र में वृद्धि को बढ़ावा मिला है। यह स्थिरता बनी रही तो आवास की मांग आगे बनी रहेगी, जो इनकी कीमतों को बढ़ाने में मदद करेंगी।

निवेश के रुख में बदलाव - परंपरागत रूप से व्यावसायिक संपत्तियों को उनके बेहतर रिटर्न और न्यूनतम रखरखाव की मांग के कारण निवेश के लिए पसंद किया जाता है। हालांकि पिछले दो सालों से आवासीय संपत्ती से किराया अच्छा मिल जाने से कीमतों में वृद्धि देखने को मिली है। इसके अलावा एनआरआई विशेष रूप से इसमें निवेश कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय वर्ष 2019 से 2020 तक एनआरआई ने बाजार में कुल निवेश का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा लिया जो अब 15 प्रतिशत हो गया है और यह 2025 तक 20 प्रतिशत हो जाएगा। इसलिए स्थानीय आवासों के भाव में मजबूती बनी रहेगी।

रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश तीन साल के उच्च स्तर पर - कोलियर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार इस साल पहली तिमाही में सुस्त शुरुआत के बाद दूसरी तिमाही में रियल एस्टेट में निवेश ने गति पकड़ ली है। दूसरी तिमाही में इस क्षेत्र में संस्थागत निवेश 3 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। रिपोर्ट के अनुसार दूसरी तिमाही में सबसे अधिक निवेश इंडस्ट्रियल और वेयरहाउसिंग सेक्टर में 1.53 बिलियन डॉलर हुआ। कुल निवेश में इसकी हिस्सेदारी 61 फीसदी रही और दूसरी तिमाही में इसमें तिमाही आधार पर 763 और सालाना आधार पर 1043 फीसदी का भारी इजाफा हुआ। इन दोनों सेक्टर के बाद आवासीय सेक्टर में सालाना आधार पर 652 फीसदी वृद्धि के साथ करीब 0.54 बिलियन डॉलर का निवेश हुआ। आफिस सेक्टर में निवेश में सालाना आधार पर 83 और तिमाही आधार पर 41 फीसदी गिरावट दर्ज की गई कोलियर्स इंडिया में कैपिटल मार्केट और इंवेस्टमेंट सर्विसिस के प्रबंध निदेशक पीयूष गुप्ता कहा कि भारतीय रियल एस्टेट में निजी इक्विटी निवेश ने 2024 की पहली छमाही में 3.5 बिलियन डॉलर का निवेश मजबूत बाजार को दर्शाता है। इस साल की पहली छमाही में कुल निवेश में विदेशी निवेश की 73 फीसदी हिस्सेदारी से पूरे वर्ष के लिए सकारात्मक सेंटीमेंट रहने की उम्मीद है। भारत में एफडीआई और घरेलू पूंजी में निरंतर वृद्धि रियल एस्टेट में बुनियादी ढांचे, निर्माण और सकारात्मक दीर्घकालिक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

शीर्ष 18 राज्यों का राजस्व चालू वित्तीय वर्ष में बढ़कर 38 लाख करोड़ पर पहुंच सकता है, क्रिसिल का दावा

नई दिल्ली ।
देश के शीर्ष 18 राज्यों राजस्व चालू वित्तीय वर्ष में आठ से 10 प्रतिशत तक बढ़कर 38 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच सकता है। इन राज्यों की देश की जीडीपी (सकल राज्य घरेलू उत्पाद) में 90 की हिस्सेदारी है। क्रिसिल रेटिंग्स ने अपनी एक रिपोर्ट में यह खुलासा किया है। पिछले वित्तीय वर्ष में इन 18 राज्यों का राजस्व सात प्रतिशत की दर से बढ़ा था। रिपोर्ट के अनुसार इन राज्यों के राजस्व में इजाफे का सबसे मुख्य कारण मजबूत जीएसटी संग्रह और केंद्र से राज्यों को इसका हस्तांतरण होगा। राज्यों के राजस्व में इस मद से आमदनी की हिस्सेदारी करीब 50 प्रतिशत है।

रिपोर्ट के अनुसार इन राज्यों को शराब की बिक्री से होने वाली आमदनी जो इनके राज्सव का 10 प्रतिशत है, स्थिर रहने अनुमान है। वहीं, पेट्रोलियम उत्पादों पर लगाए गए बिक्री कर का संग्रह और 15वें वित्त आयोग द्वारा अनुशंसित अनुदान मामूली रह सकता है।

क्रिसिल रेटिंग्स के वरिष्ठ निदेशक अनुज सेठी ने कहा कि राजस्व वृद्धि को सबसे अधिक गति कुल राज्य जीएसटी संग्रह, बेहतर कर अनुपालन और अर्थव्यवस्था के अधिक औपचारिकरण से मिलती रहेगी। चालू वित्त वर्ष में केंद्रीय कर हस्तांतरण में 12 से 13 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है जो अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण चालक साबित होगा।

केंद्र से राज्यों को मिलने वाले अनुदान में चार से पांच प्रतिशत की वृद्धि होगी, जो बजट परिव्यय के अनुरूप है। क्रिसिल रेटिंग्स ने कहा है कि गणना में इस वित्त वर्ष में वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार राजस्व में सतत वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए, राज्यों को अपने राजस्व का विस्तार करने और संग्रह क्षमता में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। बता दें कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जुलाई महीने में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए केंद्रीय बजट संसद में पेश करेंगी। इस बजट में राज्यों का राजस्व बढ़ाने की दिशा में केंद्र की ओर से उठाए जा रहे कदमों पर स्थिति और साफ होगी।

देश की फूड सर्विस 10 लाख करोड़ तक पहुंचने की संभावना

नई दिल्ली ।
भारत में खान-पान सेवा बाजार के 2030 तक 10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना है। इस दौरान कंज्यूमर बेस 45 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ऑनलाइन खानपान वितरण क्षेत्र में सीएजीआर 18 प्रतिशत की दर से वृद्धि होने का अनुमान है। इसकी पहुंच 2023 में 12 प्रतिशत से बढ़कर 2030 तक 20 प्रतिशत हो जाएगी। खानपान सेवा बाजार में बाहर खाना और घर पर ऑर्डर करके मंगाना शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार ऑनलाइन फूड डिलीवरी मार्केट 2030 तक 2.12 लाख करोड़ रुपये का हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में खानपान सेवा बाजार का वर्तमान मूल्य 5.5 लाख करोड़ रुपये है। अगले सात वर्षों में इस कारोबार के सालाना 10-12 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है, जो 2030 तक 9 से 10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह वृद्धि मजबूत बुनियादी कारकों से प्रभावित होगी। इनमें विस्तारित ग्राहक आधार, बढ़ती खपत के अवसर और आपूर्ति में वृद्धि शामिल है। इसके अलावा ऑनलाइन खाद्य वितरण में (लगभग) 18 प्रतिशत सीएजीआर की दर से वृद्धि होने की उम्मीद है, जो 2030 तक कुल खानपान सेवा बाजार में 20 प्रतिशत का योगदान देगा। स्विगी फूड मार्केटप्लेस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारतीय खानपान सेवा बाजार, विशेष रूप से खाद्य वितरण में पिछले कुछ वर्षों में तेजी से वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि उच्च आय, डिजिटलीकरण, बेहतर ग्राहक अनुभव और नए अनुभवों को आजमाने की प्रवृत्ति ने इस वृद्धि में योगदान दिया है।

दुनिया भारतीय युग की शुरुआत के कगार पर, एनके सिंह बोले- 2047 तक हम बनेंगे विकसित राष्ट्र

नई दिल्ली ।
दुनिया भारत के युग में प्रवेश करने के मुहाने पर खड़ी है और देश 2047 तक विकसित राष्ट्र का दर्जा हासिल करने की ओर बढ़ रहा है। प्रमुख अर्थशास्त्री और नीति निर्माता एनके सिंह ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस (एलएसई) में प्रतिष्ठित मानद फेलोशिप प्रदान किए जाने पर अपने संबोधन में ये बातें कही। इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ के अध्यक्ष सिंह ने कहा कि वे नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर अमर्त्य सेन और पूर्व राष्ट्रपति केआर नारायणन जैसे साथी भारतीयों की श्रेणी में शामिल होने पर विनम्र महसूस कर रहे हैं। प्रसिद्ध विश्वविद्यालय ने कहा कि यह सम्मान एलएसई के साथ सिंह के दीर्घकालिक और प्रतिबद्ध संबंधों और एलएसई के भारत सलाहकार बोर्ड के सह-अध्यक्ष के रूप में भारत के साथ अपने अद्वितीय संबंधों को सुविधाजनक बनाने के उनके प्रयासों को देता मान्यता है। उन्होंने कहा, मेरे कई पूर्ववर्तियों के कद को देखते हुए यह मेरे लिए विनम्र क्षण है। एलएसई 1895 में अपनी स्थापना के बाद से अकादमिक उत्कृष्टता का केंद्र रहा है। भारत के साथ इसका संबंध गहन, जिज्ञासु और अभिन्न संबंध रहा है। पुरस्कार स्वीकार करते हुए अपने भाषण में 83 वर्षीय अर्थशास्त्री ने देश के गौरवशाली इतिहास और इसकी स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ के मौके पर उच्च वृद्धि वाली अर्थव्यवस्था के रूप में इसके प्रयास को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, यह प्रधानमंत्री (नरेंद्र) मोदी का तीसरा कार्यकाल है, वह और मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य 2047 तक विकसित भारत को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं... अगले दो दशकों के लिए, भारत को इस तरह के विकास प्रक्षेपवक्र को बनाए रखने की आवश्यकता है। भारत की वृद्धि की कहानी यह भी दर्शाती है कि लोकतंत्र और विकास एक दूसरे के लिए शत्रुतापूर्ण नहीं हैं। जी-20 द्वारा गठित बहुपक्षीय विकास बैंकों (एमडीबी) के सुधारों के लिए उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समूह के सह-संयोजक के रूप में सिंह ने एमडीबी द्वारा बेहतर, साहसिक और बड़े दृष्टिकोण का आह्वान किया है जो जलवायु संकट की दबाव संबंधी चिंताओं से भी निपटता है।

बीते 12 वर्षों में 12 फीसदी से ज्यादा घटी गरीबी एनसीईआर के शोध पत्र में जताया गया अनुमान

नई दिल्ली ।
देश में बीते कुछ वर्षों में गरीबी कम होने के संकेत मिले हैं। आर्थिक मामलों के थिंक टैंक एनसीईआर के एक शोध पत्र के अनुसार महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद भारत में गरीबी 2011-12 के 21.2 प्रतिशत से घटकर 2022-24 में 8.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। एनसीईआर (नेशनल काउंसिल ऑफ अप्लायड इकोनॉमिक रिसर्च) के सोनाल्दे देसाई की ओर से लिखे गए पेपर रिथिंकिंग सोशल सेफ्टी नेट्स इन ए चेंजिंग सोसाइटी में भारत मानव विकास सर्वेक्षण (आईएचडीएस) के वेव 3 के डेटा के साथ-साथ आईएचडीएस के वेव्स 1 और वेव्स 2 के डेटा का उपयोग किया गया है। आईएचडीएस के निष्कर्षों के अनुसार ... 2004-2005 और 2011-12 के बीच गरीबी में काफी गिरावट आई (38.6 से 21.2 के प्रति व्यक्ति अनुपात से) और महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद 2011-12 और 2022-24 (21.2 से 8.5) के बीच इसमें गिरावट जारी रही। दस्तावेज में कहा गया है कि आर्थिक वृद्धि और गरीबी में गिरावट एक गतिशील माहौल बनाती है जिसके लिए फुर्तीले सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों की जरूरत होती है। दस्तावेज में कहा गया है कि सामाजिक बदलाव की गति के साथ सामाजिक सुरक्षा प्रणालियां चलना भारत के लिए एक प्रमुख चुनौती होगी क्योंकि यह देश सभी के लिए समान विकास का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में प्रयासरत है।

पेपर के अनुसार, आर्थिक विकास के युग के दौरान, जब अवसर बढ़ते हैं, गरीबी के दीर्घकालिक निर्धारक घट सकते हैं, जबकि प्राकृतिक आपदाओं, बीमारी और मृत्यु से जुड़े जीवन की दुर्घटनाएं, और व्यवसाय-विशिष्ट अवसरों में परिवर्तन अधिक महत्वपूर्ण हो सकते हैं। इस साल की शुरुआत में नीति आयोग के सीईओ बी वी आर सुब्रमण्यम ने कहा था कि नवीनतम उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षण से संकेत मिलता है कि देश में गरीबी घटकर पांच प्रतिशत रह गई है और ग्रामीण तथा शहरी दोनों क्षेत्रों में लोग समृद्ध हो रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर हम गरीबी रेखा को देखें और इसे उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के साथ बढ़ाकर लाएं तो हम पाएंगे कि सबसे कम आंशिक, 0-5 फीसदी की औसत खपत लगभग समान है। इसका मतलब है कि देश में गरीबी केवल 0-5 प्रतिशत के समूह में है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) ने 24 फरवरी को वर्ष 2022-23 के लिए घरेलू उपभोग व्यय पर डेटा जारी किया था।

इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का अड्डा बनेगा भारत, वैश्विक ब्रांड बनने मिल सकती है 44,000 करोड़ की मदद

नई दिल्ली । देसी कंपनियों को इलेक्ट्रॉनिक एवं सेमीकंडक्टर उत्पाद तैयार करने और वैश्विक ब्रांड बनने में मदद करने के लिए 44,000 करोड़ रुपये आवंटित करने की सिफारिश की जा सकती है। भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमीकंडक्टर का अड्डा बनाने के मकसद से इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा गठित कार्यबल अपनी रिपोर्ट में इसकी सिफारिश कर सकता है। कार्यबल रिपोर्ट को अंतिम रूप दे रहा है और उसमें 2024 से 2030 के बीच आवंटन की बात होगी। कार्यबल के एक सदस्य ने बताया कि सिफारिश के मुताबिक इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों (सिस्टम) के लिए 15,000 करोड़ रुपये, सेमीकंडक्टर उत्पादों के लिए 11,000 करोड़ रुपये और प्रतिभा विकास, साझा बुनियादी ढांचा, लॉजिस्टिक्स एवं प्रौद्योगिकी व आईपी (बौद्धिक संपदा) जैसे प्रोत्साहनों के लिए 18,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया जा सकता है। सरकार से मंजूरी मिल गई तो तो यह आवंटन मोबाइल उपकरण एवं इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के लगभग बराबर होगा। सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार अजय के सूद की अध्यक्षता में इस कार्यबल का गठन पिछले साल मार्च में हुआ था। इसमें एचसीएल के संस्थापक एवं एपिक फाउंडेशन के अध्यक्ष अजय चौधरी, डिक्सन टेक्नोलॉजिज के एमडी सुनील वचानी, तेजस के पूर्व एमडी संजय नायक, वीवीडीएन टेक्नोलॉजिज के सीईओ पुनीत अग्रवाल, बोट के संस्थापक अमन गुप्ता, आईसीईए के अध्यक्ष पंकज मोहिंद्रू, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के संयुक्त सचिव सुशील पाल और दूरसंचार विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के प्रतिनिधि शामिल हैं।

यूरो कप 2024 : पुर्तगाल और फ्रांस और स्पेन और जर्मनी, क्वार्टर फाइनल की आठ टीमें तय

बर्लिन ।

यूएफा यूरो कप 2024 धीरे-धीरे अपने अंजाम तक पहुंचने जा रहा है। नॉकआउट राउंड की शुरुआत हो चुकी है। राउंड ऑफ-16 के बाद अब पांच जुलाई से क्वार्टर फाइनल्स की शुरुआत होगी। राउंड ऑफ-16 तक कुछ बड़ी टीमों को बाहर होना पड़ा। गत विजेता इटली उन टीमों में शामिल है। टूर्नामेंट की शुरुआत 24 टीमों से हुई थी और अब बस आठ टीमें बची हैं। यूरो 2024 की पांच पसंदीदा टीमें - फ्रांस, इंग्लैंड, पुर्तगाल, स्पेन और मेजबान जर्मनी अभी भी रेस में है।

नीदरलैंड, स्विटजरलैंड और तुर्किये भी अंतिम-8 में जगह बनाने में कामयाब रही है। हालांकि, क्वार्टर फाइनल से सेमीफाइनल में फ्रांस, पुर्तगाल, स्पेन और जर्मनी के बीच कोई दो ही टीमें जा पाएंगी। क्वार्टर फाइनल में स्पेन का सामना पांच जुलाई को जर्मनी से और पुर्तगाल का सामना फ्रांस से होगा। इनमें से जीतने वाली दो टीम सेमीफाइनल में भिड़ेंगी।

पुर्तगाल और फ्रांस ने यूरो 2020 में 2-2 से ड्रॉ खेला थे, लेकिन अब तक इनके स्टार फुटबॉलर्स कुछ कमाल नहीं दिखा पाए हैं। क्रिस्टियानो रोनाल्डो और किलियन एम्बाप्पे ने भी अभी तक टूर्नामेंट में तूफान नहीं मचाया है। स्विट्जरलैंड जाएंट किलर्स साबित हुए हैं। जर्मनी को लगभग हराने के बाद, उन्होंने राउंड ऑफ 16 में आसानी से गत चैंपियन इटली को हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। अब उनका सामना इंग्लैंड से है। इंग्लैंड की टीम अब तक इस टूर्नामेंट में जूड बेलिंघम पर निर्भर रही है।

क्वार्टर फाइनल के आखिरी मुकाबले में नीदरलैंड का सामना तुर्किये से होगा। तुर्किये ने मजबूत ऑस्ट्रिया को हराया, जबकि नीदरलैंड ने रोमानिया को 3-0 से हराया। स्पेन-जर्मनी के विजेता का सामना सेमीफाइनल में पुर्तगाल-फ्रांस के विजेता से होगा, जबकि इंग्लैंड-स्विट्जरलैंड के विजेता का सामना नीदरलैंड-तुर्किये के विजेता से होगा।

न्यूज ब्रीफ

अकरम ने कहा बुमराह से बेहतर यॉर्कर गेंदबाजी करते थे वकार

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने कहा है कि आज के समय में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह सबसे अच्छी यॉर्कर गेंदबाजी करते हैं। अकरम ने कहा कि पर अगर अब तक के सबसे बेहतरीन यॉर्कर गेंदबाज की बात करें तो उसमें वकार यूनुस पहले नंबर पर हैं। अकरम ने कहा कि इस समय में बुमराह विश्व के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक हैं और उनका सामना करना किसी भी बल्लेबाज के लिए आसान नहीं है। टी-20 विश्वकप में बुमराह ने अपने प्रदर्शन से ये साबित भी किया है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि वहीं वकार जब यॉर्कर करते थे तो हमेशा ही उन्हें विकेट मिलता था। साथ ही कहा , वकार को दुनिया ने गेंदबाजी करते नहीं देखा है। लोग उन्हें यू-ट्यूब पर देखा है। मैं तो उसके साथ खेला था। वह कमाल का था। बेहद तेज गेंद फेंकता था और उसकी यॉर्कर बेहद खतरनाक होती थी। साथ ही कहा कि आज कल के गेंदबाज काम के बोझ की बात करते है पर हमारे समय ऐसा नहीं था। वकार 8 साल काउंटी क्रिकेट खेला। वहां उसका रनअप 30 मीटर्स का था। उसका एक्शन और गेंदबाजी देखने लायक थी। यॉर्कर के अलावा वह लेट इन स्विंग भी करता था। रिवर्स स्विंग हमेशा विकेट पर लगती थी। उसे गेंदबाजी करते हुए देखना सुखद अनुभव था। उसके साथ गेंदबाजी करना यादगार था।

शुभमन सहित भारतीय टीम के खिलाड़ियों ने जमकर अभ्यास किया

हरारे । कप्तान शुभमन गिल सहित भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 6 जुलाई से शुरु होने वाली टी20 सीरीज को देखते हुए जमकर नेट अभ्यास किया है। भारतीय टीम को इस सीरीज में पांच मैच खेलने हैं। टीम में अधिकतर युवा खिलाड़ी शामिल हैं क्योंकि टी20 विश्वकप टीम में शामिल अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार सभी मैच हरारे में खेले जाएंगे। इस दौरे में पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण मुख्य कोच की भूमिका निभाएंगे। टीम में तीन नए खिलाड़ियों साई सुदर्शन, जितेश शर्मा और हर्षित राणा को संजू सैमसन, शिवम दुबे और यशस्वी जायसवाल की जगह शामिल किया गया है। ऐसे में इस सीरीज में शामिल युवाओं के पास बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करने का अवसर है। भारतीय टीम इस दौरे में पांच मैच 6 जुलाई , 7 जुलाई , 10 जुलाई , 13 जुलाई और 14 जुलाई को खेलेगी। ये सभी मैच हरारे में होंगे। टीम इस प्रकार है : शुभमन गिल (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा, रिंकू सिंह, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रियान पराग, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, अवेश खान, खलील अहमद, मुकेश कुमार, तुषार देशपांडे, साई सुदर्शन , जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हर्षित राणा।

गडकरी से मिले गंभीर

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की है। गंभीर का नाम भारतीय क्रिकेट टीम के अगले मुख्य कोच की रेस में सबसे आगे हैं। ऐसे में इस मुलाकात को लेकर कई प्रकार की अटकलें भी शुरु हो गयी हैं। वहीं गंभीर से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्हें कहा कि मैंने इस बारे में अभी विचार नहीं किया है। ऐसे में जिस सवाल का जवाब देना अभी संभवन नहीं है उसे न करें। साथ कहा कि आईपीएल में कालकाता नाइटराइडर्स को जीत दिला कर वह खुश है और अभी उसी का आनंद ले रहे हैं। गंभीर आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स टीम के मेंटर थे और टीम को जिस प्रकार से सफलता मिली उसमें उनका अहम योगदान बताया जा रहा है। गंभीर की कप्तानी में पहले भी केकेआर ने दो बार आईपीएल खिताब जीते थे।

भारतीय क्रिकेट टीम का विश्वकप के साथ स्वदेश पहुंचने पर भव्य स्वागत हुआ, हवाई अड्डे पर टीम की एक झलक पाने प्रशंसक उमड़े

नई दिल्ली ।

टी20 विश्व कप विजेता भारतीय टीम का यहां पहुंचने पर भव्य स्वागत हुआ। भारतीय टीम को लेकर जैसे ही विशेष विमान इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा प्रशंसक उत्साहित हो गये। हल्की बारिश के बाद भी प्रशंसकों का उत्साह अपने चरम पर था। इस दौरान सुरक्षा की भी कड़ी व्यवस्था की गयी थी। खिलाड़ियों को विश्वकप ट्रॉफी के साथ देखने के लिए हजारों की तादाद में प्रशंसक बैनर और राष्ट्रीय ध्वज लेकर खड़े थे। उन्होंने खिलाड़ियों को जीत की बधाई भी दी और नाचने लगे, इस दौरान कप्तान रोहित शर्मा भी प्रशंसकों के साथ नाचने लगे।

भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप के फाइनल में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर एक दशक बाद कोई आईसीसी खिताब जीता है। जिससे प्रशंसक बेहद खुश थे। इसी दौरान साल 2011 में जीते पिछले विश्व कप का जिक्र करते हुए एक प्रशंसक ने कहा, 'हम पिछले 13 साल से इस पल का इंतजार कर रहे थे।

टीम ने विश्व कप जीतकर हमें गौरवांवित किया है। टीम को लेकर एअर इंडिया का विशेष विमान एआईसी24डब्ल्यूसी 'एयर इंडिया चैम्पियंस 24 विश्व कप बारबाडोस से रवाना हुआ और 16 घंटे की लगातार यात्रा के बाद गुरुवार सुबह छह बजे यहां पहुंचा।

भारतीय टीम विश्वकप जीतने के बाद से ही बारबाडोस में आये समुद्री तूफान 'बेरिल के कारण फंस गयी थी क्योंकि हवाई अड्डा बंद होने से उड़ाने रुक गयीं थीं। भारतीय क्रिकेट को इसके कारण होटल में ही रुकना पड़ा। भारतीय टीम, सहयोगी स्टाफ, खिलाड़ियों के परिवार और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के कुछ अधिकारियों के अलावा टूर्नामेंट कवर करने गए भारतीय मीडियाकर्मी भी इस विमान से पहुंचे। इस दौरान हवाई अड्डे पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

इसके बाद भी प्रशंसक विराट कोहली, कप्तान रोहित शर्मा और विश्वकप तक मुख्य कोच रहे राहुल द्रविड़ के पोस्टर लिए हुए थे। लंबी उड़ान के कारण हुई थकान के बाद भी खिलाड़ियों ने प्रशंसकों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया।

विश्वकप ट्रॉफी के साथ अलग अंदाज में दिखे ऋषभ

नई दिल्ली । टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने अपने प्रदर्शन से सभी को हैरान कर दिया है। ऋषभ विश्वकप ट्रॉफी के साथ उत्साहित दिखे जबकि इससे पहले एक दौर ऐसा भी आया था जब उनकी खेलना ही तय नहीं था। दो दिसंबर 2022 में हुए भयानक कार हादसे के बाद भी जिस प्रकार उन्होंने खेल में वापसी की है। वह अपने आप में एक मिशाल है। इस खिलाड़ी ने तकरीबन 14 महीने खेल से दूर रहने के बाद अपनी मेहनत और जज्बे से किस्मत की बाजी पलट दी। आईपीस और फिर टी20 विश्वकप में उन्होंने धमाकेदार प्रदर्शन किया है। उनकी विकेटीपिंग और बल्लेबाजी कमाल की रही।

स्वदेश पहुंचने के बाद होटल आईटीसी मौर्या में ऋषभ पंत की एंट्री देखने लायक थी। उनकी एंट्री ने महाभारत के भीम की याद दिला दी। भीम की गदा की तरह ऋषभ पंद भी विश्व कप ट्रॉफी उठाए नजर आए। वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे ऋषभ पंत होटल में दाखिल होते हैं और अपने कंधे पर ट्रॉफी लिए हुए हैं। इस दौरान उनके साथ अन्य खिलाड़ी भी नजर आ रहे हैं। ऋषभ की आखों में चमक और चेहरे की मुस्कान बता रही है कि यह पल उनकी जिंदकी के लिए कितना मायने रखता है। ऋषभ पंत का यह पल इसलिए भी खास है, क्योंकि कुछ समय पहले तक यह भी तय नहीं था कि वह कभी क्रिकेट खेल पाएंगे। दरअसल, भारत की जीत में ऋषभ पंत का भी बड़ा योगदान रहा है। अमेरिका की धीमी पिचों पर जब भारतीय बल्लेबाज विफल हो रहे थे, तब वह डटे रहे। उनकी कई छोटी-छोटी और अहम पारियों की बदौलत टीम इंडिया ने अपना विजय अभियान कायम रखा था।

ओलंपिक में दमदार प्रदर्शन के लिए सात्विक-चिराग तैयार, सर्विस वैरिएशन की चुनौती पर काम जारी

नई दिल्ली ।

दुनिया की मौजूदा तीसरे नंबर की जोड़ी पिछले ओलंपिक में अपने ग्रुप के तीन में से दो मैच जीतने के बावजूद क्वार्टरफाइनल में पहुंचने से चूक गई थी।

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय पुरुष युगल जोड़ी 'सर्विस वैरिएशन' चुनौती से पार पाने के बाद आगामी पेरिस ओलंपिक में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। दोनों को अपने प्रतिद्वंद्वी की सर्विस में बहुत सारी विविधता जैसे 'टंबल', 'स्पिन' और 'वाइड' से परेशानी होती रही है जिसमें विशेष रूप से कोरियाई और इंडोनेशियाई जोड़ियां शामिल हैं जिन्होंने हाल के टूर्नामेंट में इनका इस्तेमाल किया। चिराग ने कहा कि उन्होंने इस नयी चुनौती से पार पा लिया है और पेरिस ओलंपिक के दौरान इससे निपटने के लिए आत्मविश्वास से भरे हैं। चिराग ने कहा, जहां तक सर्विस वैरिएशन का संबंध है तो यह नयी चुनौती है लेकिन इसे पूरी तरह से महत्वपूर्ण मानना भी सही नहीं होगा। उन्होंने कहा, ऐसा भी समय था जब हम इसका सामना करने से जूझते रहे थे लेकिन हमने आखिरकार इससे पार पा लिया है। हम जानते हैं कि इससे कैसे निपटना है, हम इसका अभ्यास कर रहे हैं और हमें पूरा भरोसा है कि हम ओलंपिक में इसका सामना करने में मजबूत साबित होंगे।

दुनिया की मौजूदा तीसरे नंबर की जोड़ी पिछले ओलंपिक में अपने ग्रुप के तीन में से दो मैच जीतने के बावजूद क्वार्टरफाइनल में पहुंचने से चूक गई थी। सात्विक ने कहा, टोक्यो ओलंपिक में खेलने का अनुभव पेरिस ओलंपिक की हमारी तैयारियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस तरह के ऊंचे स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने से हमें महत्वपूर्ण सीख मिली कि दबाव से कैसे निपटा जाए, फोकस कैसे रखा जाये और खेलने की विभिन्न परिस्थितियों के अनुकूल किस तरह हुआ जाए।

पेरिस ओलंपिक में एकसाथ खेलेंगे नडाल और अलकराज : डेविड फेरर

बार्सिलोना ।

स्पेन के कप्तान डेविड फेरर ने टीम की कहा है कि राफेल नडाल और कार्लोस अलकराज पेरिस में एक साथ खेलेंगे। इसके अलावा टीम में पाब्लो कैरेनो बुस्टा, एलेजांद्रो डेविडोविच और मार्सेल ग्रेनोलर्स भी शामिल होंगे। वहीं टेनिस महासंघ ने भी कहा है कि नडाल और युगल मुकाबले में खेलते हुए नजर आयेंगे। ये दोनो हालांकि एकल मुकाबले के विजेता हैं। अलकराज ने हाल ही में हुए फ्रेंच ओपन एकल में जीत हासिल की थी। वहीं अनुभवी नडाल के नाम 22 ग्रैंडस्लैम खिताब हैं।

ओलंपिक के टेनिस मुकाबले उसी कोर्ट में खेले जाएंगे जिसमें फ्रेंच ओपन के मुकाबले हुए हैं , ऐसे में इन दोनो को ही हालात से तालमेल बनाना आसान रहेगा।

अलकराज का लक्ष्य ओलंपिक में पदक जीतना है क्योंकि उनका मानना है कि इसका विशेष महत्व है। उन्होंने फ्रेंच ओपन में जीत के बाद कहा था कि इस साल वह अपने विंबलडन खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने की जगह पर पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने को अधिक महत्व देंगे। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर कायम अलकराज ने कहा, ''ओलंपिक खेल हर चार साल में होते हैं और यह एक विशेष टूर्नामेंट है जहां आप न अपने साथ ही अपने देश के लिए भी खेलते हैं। स्पेन का प्रतिनिधित्व करते हुए मुझे लगता है कि इस साल मैं ओलंपिक स्वर्ण जीतना चाहूंगा।

कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने ओलंपिक से पहले दिया बड़ा बयान, कहा- स्वर्ण जीतना भारत के लिए सम्मान

नई दिल्ली ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेरिस ओलंपिक (26 जुलाई-11 अगस्त) में स्वर्ण पदक जीतने का दावा किया है। उन्होंने बताया कि यह देश और खेल के दिग्गज खिलाड़ियों के लिए सच्चा सम्मान होगा। ओलंपिक में आठ बार के चैंपियन भारत ने टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर 41 वर्षों के लंबे इंतजार को खत्म किया था। हरमनप्रीत की अगुवाई वाली टीम का लक्ष्य पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना है। भारतीय कप्तान ने एक कार्यक्रम में कहा,हम अपने इतिहास और विरासत को आगे बढ़ाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। स्वर्ण पदक जीतना भारत और हमारे सीनियर खिलाड़ियों के लिए सच्चा सम्मान होगा।''

पेरिस ओलंपिक में जीतेगा भारत - मनप्रीत सिंह

टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली टीम के कप्तान रहे मनप्रीत सिंह ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त किए। मनप्रीत ने कहा, दाहिनी तरफ जब मैंने तिरंगा देखा तो मुझे लगा कि अगली बार हम अधिक मेहनत करके अपने तिरंगे को बीच में देख सकते हैं और तब हमारा राष्ट्रगान भी बज रहा होगा। यह हमारी यात्रा की शुरुआत है। मैं प्रशंसकों को नाराज नहीं करना चाहता - पीआर श्रीजेश अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने कहा, आपको हराने के लिए कहीं कोई कड़ी मेहनत कर रहा है। यह सोचकर मैं और कड़ी मेहनत करने लग जाता हूं। जब भी मैं अभ्यास करता हूं तो यह सोचता हूं कि मुझे अपने देश के एक अरब 40 करोड लोगों को निराश नहीं करना है।

जीतना भारतीय टीम के डीएनए में है - मुख्य कोच

भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम की मानसिकता, दर्शन और रणनीति के बारे में बताया, जो उन्हें दुनिया की कुछ बेहतरीन टीमों से मुकाबला करने में मदद करती है। कोच ने कहा, ऐसी कोई टीम नहीं है जिसे इस भारतीय टीम ने न हराया हो। आप यह भी पूछ सकते हैं कि भारत को हराने के लिए दूसरी टीमों को क्या करना होगा मेरे मानना यही है कि बचाव करो, जवाबी हमला करो और जीतो - एक ऐसी टीम होना जो दुनिया की सबसे अच्छी टीमों के खिलाफ बचाव कर सके लेकिन फिर कहीं से भी पलटवार कर सके। और यह इस भारतीय टीम के डीएनए में है।

राडुकानू तीसरे दौर में, नवारो ने ओसाका को बाहर किया

लंदन।

एम्मा राडुकानू एलिस मर्टेंस पर 6-1, 6-2 की जोरदार जीत के साथ घरेलू ग्रैंड स्लैम विम्बलडन में महिला एकल के तीसरे दौर में पहुंच गईं , जबकि उनकी हमनाम एम्मा नवारो ने पूर्व विश्व नंबर 1 नाओमी ओसाका को आसानी से 6-4, 6-1 से हराया ।विंबलडन के सेंटर कोर्ट पर दिन उन दोनों के नाम रहा क्योंकि उन्होंने अपने मौकों का पूरा फायदा उठाया और अपने विरोधियों को पछाड़ दिया, इस प्रक्रिया में राडुकानु ने केवल तीन गेम गंवाए। राडुकानू और मर्टेंस के बीच मैच नंबर 1 कोर्ट पर था, जो विंबलडन का दूसरा सबसे बड़ा स्थल था, जो एक बंद छत के नीचे खेला गया था। 21 साल पहले टोरंटो, कनाडा में जन्मी राडुकानू जब दो साल की थी तब अपने परिवार के साथ इंग्लैंड चली गईं। ब्रिटिश टेनिस की श्रेणी में आने के बाद, वह किशोरी के रूप में यूएस ओपन जीतकर सुर्खियों में आईं। बुधवार को वह मर्टेंस के खिलाफ अपने पूरे जोश में थी। पहला सेट एक झटके में ख़त्म हो गया। राडुकानू ने होलोजिक डब्ल्यूटीए टूर खिलाड़ियों में नंबर 33-रैंक वाली खिलाड़ी मर्टेंस के दोनों ब्रेक-प्वाइंट अवसरों को बचाया। साथ ही, उन्होंने 28 वर्षीय बेल्जियम की 12 बेजां भूलों का फायदा उठाते हुए दो बार मर्टेंस की सर्विस तोड़ी। राडुकानू ने दूसरे सेट के तीसरे गेम में एक और ब्रेक बनाया और पांचवें में यह उपलब्धि दोहराई। उनका अगला मुकाबला नंबर 9 मारिया सकारी और गैर वरीयता प्राप्त अरांटेक्सा रुस के बीच मैच के विजेता से होगा। राडुकानू ने कभी भी रुस के खिलाफ नहीं खेला है, लेकिन यह ध्यान देने योग्य है कि उसने न्यूयॉर्क में 2021 के खिताब की राह पर अपना एकमात्र पिछला मैच सकारी के खिलाफ सेमीफाइनल में जीता था। दक्षिण कैरोलिना के चार्ल्सटन की 23 वर्षीय नवारो को जापान की चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ओसाका को हराने के लिए केवल 59 मिनट की आवश्यकता पड़ी। सेंटर कोर्ट पर अपने करियर की पहली उपस्थिति में, नवारो को कभी

भी शोडाउन में ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा। वर्जीनिया विश्वविद्यालय की 2021 एनसीएए चैंपियन नवारो एक साल पहले शीर्ष 50 से बाहर थी, लेकिन वर्तमान में करियर के सर्वोच्च 17वें स्थान पर हैं। वह अब इस साल के तीनों स्लैम में तीसरे दौर या उससे बेहतर स्थान पर पहुंच गई है, अब तक रौलां गैरो में 16वें राउंड के प्रदर्शन के साथ अपने चरम पर है। अगर नवारो एक और ग्रैंड स्लैम के राउंड ऑफ 16 में जगह बनाना चाहती है, तो उसे तीसरे राउंड में रेड-हॉट डायना श्नाइडर को हराना होगा। 20 वर्षीय श्नाइडर ने 2017 की यूएस ओपन चैंपियन स्लोएन स्टीफंस को केवल 49 मिनट में 6-1, 6-1 से हरा दिया। श्नाइडर ने इस साल नवारो को दो बार हराया है, हाल ही में पिछले हफ्ते बैड हैम्बर्ग सेमीफाइनल में। श्नाइडर ने वर्ष के अपने दूसरे खिताब के लिए उस ग्रास-कोर्ट प्रतियोगिता को जीता और वह वर्तमान में अपने करियर की सर्वोच्च 30वीं रैंकिंग पर हैं। बुधवार के मैच के पहले छह गेम में नवारो और ओसाका को सर्विस में कोई परेशानी नहीं हुई, लेकिन 3-3 के स्कोर पर, ओसाका ने लगातार चार गलतियां करके नवारो को लव ब्रेक दे दिया। एक समय पर, नवारो ने लगातार 10 अंक हासिल कर लिए, हालाँकि 5-3 की बढ़त को मजबूत करने के लिए उसे ड्यूस गेम में कड़ी मेहनत करनी पड़ी। ओसाका ने सर्विस पर फिर से मजबूती दिखाई और लव होल्ड के माध्यम से नवारो को सेट के लिए सर्विस करने के लिए मजबूर किया। अमेरिकी इस कार्य के लिए तैयार थी, उसने एक मजबूत ओवरहेड शॉट के साथ सेट प्वाइंट हासिल किया, फिर उस मौके को एक तेजतर्रार फोरहैंड के साथ परिवर्तित कर दिया, जो सेट का उसका नौवां विनर था।

ओसाका द्वारा एक ड्रॉप वॉली चूकने ने नवारो को दूसरे सेट के शुरुआती गेम में एक त्वरित ब्रेक प्वाइंट दिया, और नवारो ने अपना मौका लिया, ग्राउंडस्ट्रोक बनाकर ओसाका को गलती करने के लिए मजबूर किया और शुरुआती बढ़त ले ली। नवारो ने दूसरा सेट 6-1 से जीता, जिससे नई मां ओसाका की पांच साल की अनुपस्थिति के बाद विंबलडन में वापसी रुक गई। नवारो ने केवल पांच बेजां भूलों के बावजूद 16 विनर्स के साथ मैच समाप्त किया।

बीमारियों को चुटकियों में ठीक करे

जोंक थेरेपी

लीच थेरेपी यानि जोंक चिकित्सा को प्राचीन काल से ही इस्तेमाल किया जाता है। उन्नीसवीं सदी की शुरूआत में यह थेरेपी उच्चतम लोकप्रियता पर पहुंच गई थी। लेकिन बीसवी सदी में लोगों के बीच इसका क्रेज नहीं रहा। आधुनिक विज्ञान ने इसकी ओर ध्यान नहीं दिया और तर्क के आधार पर चिकित्सा करनी शुरू की दी। लेकिन हाल ही में कुछ शोधकर्ताओं ने पाया यह चिकित्सा पद्धति काफी स्वास्थ्यकारी है।

इस उपचार विधि को हिरदुथेरेपी के नाम से जाना जाता है। लीच थेरेपी को हृदय रोगों के उपचार में प्रयोग किया जाता है। लीच यानि जोंको के द्वारा निकलने वाली लार से शरीर का रक्त पतला होता है और रक्त का थक्का नहीं जमता है। यह शरीर में रक्त का संचार अच्छा कर देता है और संयोजी ऊतकों में दर्द के लिए संवेदनशीलता को बढ़ाता है। वैकल्पिक चिकित्सा की समीक्षा में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, जोंक चिकित्सा, सूजन और पैर दर्द में भी लाभकारी होती है और त्वचा के मलिनकरण को भी कम कर देती है। अगर पैरों में गहरी नसों में रक्त का थक्का जम जाता है तो इससे सही हो जाता है। बस, प्रभावित हिस्से में चार से पांच जोंक को चिपका दिया जाता है और उन्हें काटने दिया जाता है।

बहुत सारे चिकित्सकों का मानना है कि लीच थेरेपी, सर्जरी के बाद टिश्यू को हेल्दी बनाएं रखने के लिए भी अच्छी रहती है। जोंक की लार की मदद से रक्त पतला बना रहता है और शिराओं में घनापन नहीं हो पाता है।

थेरेपी उपयोग करने के फायदे

- दर्दनाक चोंटों और पुनर्निर्माण सर्जरी के फलस्वरूप होने वाली सूजन में भी यह थेरेपी कारगर होती है। शोधकर्ताओं का यह भी मानना है कि यह कैंसर ड्रग के रूप में भी उपयोगी हो सकती है।
- लीच यानि जोंक की लार में घिलाटेन नामक घटक पाया जाता है जो विभिन्न प्रकार के ट्यूमर की ग्रोथ को रोक देता है। साथ ही इसकी लार में पेप्टाइड भी होता है जिसे हीरूडिन कहा जाता है जो काफी बेहतर एंटीकोग्लुएंट होता है और इसमें कैंसर-विरोधी गुण भी होते हैं। अचानक से होने वाले बहरेपन, सूजन और टिटनेस में भी यह लाभकारी होती है।
- अनुसंधान आयुर्वेद लेख के अनुसार, जब लीच थेरेपी को रोगी की टांग पर शुरू किया जाता है जो गठिया की समस्या में उसे काफी लाभ मिलता है। हालांकि, इसे बेहद सावधानी से करने की आवश्यकता होती है क्योंकि इसके काफी साइडइफेक्ट भी होते हैं। इससे त्वचा पर दाग पड़ सकता है, फफोले पड़ सकते हैं और वहां पर घाव भी हो सकता है।

कान छिदवाने के इन फायदों के बारे में पता है आपको ?

कान छिदवाना ना मात्र फैशन की देन है बल्कि यह भारतीय संस्कार का एक अहम हिस्सा भी है। जहां लड़कियां कान और नाक दोनों ही छिदवाती हैं वहीं आज कल तो पुरुष भी फैशन के चक्कर में एक कान या दोनों कान छिदवाने से पीछे नहीं हटते।

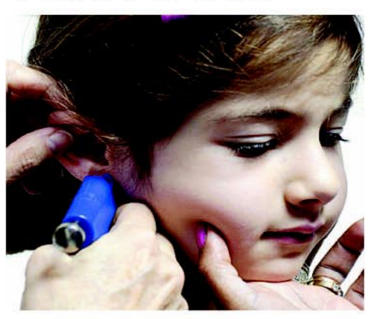

कान छिदवाने के बाद देखभाल करने के खास टिप्स: भारत के अनेक राज्यों में आज भी कर्णवेध संस्कार होता है जिसमें बालक और बालिकाओं का कान छेदा जाता है। अन्य संस्कारों की भांति इसे भी आवश्यक माना जाता था। कान छिदवाने की प्रथा कोई ऐसे ही नहीं शुरु की गई थी, बल्कि इसके पीछे कई स्वास्थ्य लाभ भी छुपे हुए थे।

कान छिदवाना समय ध्यान रखें ये बातें : कान के बीच की सबसे खास जगह पर जब प्रेशर लगाया जाता है तो इसके बीच की सभी नसें एक्टिव हो जाती हैं। आज हम मात्र फैशन को ध्यान में रख कर कान छिदवाते हैं मगर जब आप इसके स्वास्थ्य लाभो के बारे में पढ़ेंगे तो आप चौंक जाएंगे।

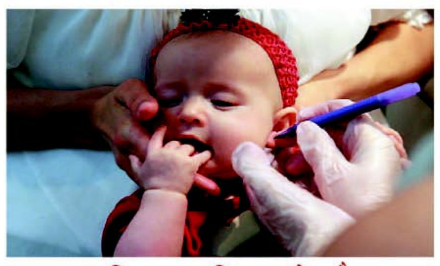

दिमाग का विकास होता है: महान ऋषि सुश्रुत के अनुसार कान के निचले हिस्से (ear lobes) में एक प्वाइंट होता है, जो मस्तिष्क के बाएं और दाएं गोलार्द्ध से कनेक्ट होते हैं। जब इस प्वाइंट पर छेद किए जाते हैं तो, यह दिमाग के हिस्से को एक्टिव बनाते हैं। इसलिए जब बच्चे का दिमाग बढ रहा हो, तभी उसके कान छिदवा देने चाहिए।

फोल्डेबल स्मार्ट इलेक्ट्रिक बाइक...

चीन की इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी शाओमी ने नई फोल्डेबल स्मार्ट इलेक्ट्रिक बाइक लॉन्च की है जिसकी कीमत 2,999 युआन यानी करीब 30,699 रुपए है। बाइक में इलेक्ट्रिक मोटर लगी है जो टार्क मेजरमेंट मेथड से राइडर को बाइक चलाने में मदद करती है। यह बाइक फिटनेस से संबंधित मानकों को भी जैसे कैलोरीज बर्नड, डिस्टेंस ट्रेवल्ड और स्पीड के बारे में भी बताती है। इसमें पैनासोनिक की 18650 बैटरी लगाई गई है जो एक बार चार्ज करने पर 45 किलोमीटर का बैकअप देती है। इसके डिजाइन को इस तरह बनाया गया है कि आप आसानी से फोल्ड कर इसे कहीं भी अपने साथ लेकर जा सकते हैं।

ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया क्या है ?

ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया (ओएसए) नामक रोग में सोते समय अक्सर सांस लेने की प्रक्रिया कुछ पलों के लिए रुक जाती है और इसके बाद यह फिर शुरू हो जाती है।

लक्षण

- इतनी जोर से खर्राटे लेना कि अन्य लोगों की नींद में खलल पड़े।
- सोते हुए बीच-बीच में अचानक सांस नहीं आना, जिससे अक्सर पीड़ित व्यक्ति नींद से उठ जाता है।
- सोते समय बीच-बीच में सांस रुकना।
- दिन भर सुस्ती छाई रहना, जिससे व्यक्ति काम के दौरान, टेलीविजन देखते हुए या वाहन चलाते हुए सो सकता है।

किन लोगों को है जोखिम

- मोटापे से ग्रस्त लोगों को ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया होनी की आशंकाएं ज्यादा होती हैं।
- गर्दन के मोटा होने से सांस मार्ग छोटा हो सकता है और यह स्थिति मोटापे का संकेत हो सकती है। पुरुषों के लिए गर्दन की माप 17 इंच और महिलाओं के लिए 16 इंच से अधिक नहीं होनी चाहिए। इससे अधिक होने पर ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया का जोखिम बढ़ जाता है।
- ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया होने की संभावना उन लोगों में दोगुनी हो जाती है, जिन्हें रात में अक्सर नाक बंद होने की समस्या रहती है।

जटिलताएं

इलाज न होने पर ओएसए से कई स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

कार्डियो-वैस्क्युलर समस्याएं

ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया के दौरान रक्त के ऑक्सीजन स्तर में अचानक कमी आना, ब्लड प्रेशर बढ़ना और कार्डियो-वैस्क्युलर सिस्टम पर दबाव बढ़ना सरीखी समस्याएं पैदा हो जाती हैं। इस रोग से ग्रस्त कई लोगों में उच्च रक्तचाप की समस्या होती है, जिससे हृदय संबंधी रोग होने की आशंका बढ़ जाती है। ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया जितना गंभीर होगा, कोरोनरी आर्टरी डिजीज, दिल का दौरा पड़ना, हृदय की धड़कन रुक जाना और स्ट्रोक होने का जोखिम उतना ही बढ़ जाता है।

- दूसरों की नींद पूरी नहीं होना- तेज खर्राटों के कारण आपके आसपास के लोगों को भी सही तरीके से आराम नहीं मिल पाता। इसका असर आपके संबंधों पर भी पड़ने लगता है।

जांच

स्लीप स्टडी या पॉलीसोम्नोग्राफी की जाती है। इसके अंतर्गत पल्स ऑक्सीमेट्री (ऑक्सीजन), मस्तिष्क की तरंगें (ईईजी), दिल की धड़कन (ईकेजी), सीने और आंखों की स्थिति का अध्ययन किया जाता है।

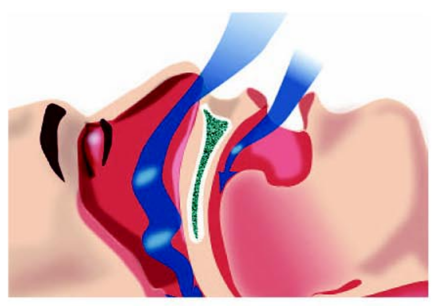

आधुनिक जांच प्रक्रिया

आधुनिक तकनीक की मदद से आप इस रोग से संबंधित परीक्षणों को अपने घर में करा सकते हैं ताकि आपको अस्पताल में रात बिताने की जरूरत न पड़े। घड़ी की तरह दिखने वाली इस डिवाइस को आपकी उंगलियों के पौरों और बाजुओं पर लगा दिया जाता है, जिससे आपकी सोने की स्थितियों और आंखों की हरकतों पर नजर रखी जा सके।

निद्रा अध्ययन भी जरुरी

निद्रा-अध्ययन के माध्यम से आपकी निद्रा संबंधी समस्याओं की जांच की जाती है। यह निद्रा के दौरान आपके मस्तिश्क की गतिविधियों, हृदय गति, पांवों के संचलन, ऑक्सीजन के स्तर तथा श्वास-संचालन की 6 से 8 तक घंटे की रिकॉर्डिंग होती है।

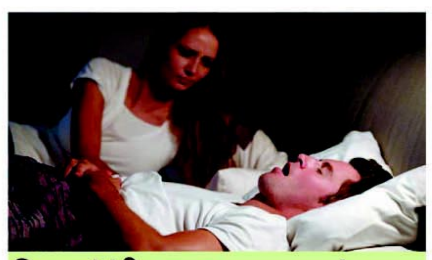

निद्रा संबंधी सामान्य समस्याएं

- नींद आने में कठिनाई/समय लगना
- स्लीप एप्निआ जिसमें नींद के दौरान कभी-कभी साँस बंद हो जाती है
- खर्राटे लेना
- दिन में उनींदा लगना
- चीखते हुए, संभ्रम (कंफ्यूजन) अथवा घबराहट के साथ जागना यदि आपके अध्ययन से पता चलता है कि आप निद्रा संबंधी किसी अव्यवस्था के शिकार हैं तो आपके लिए सर्वश्रेश्ठ इलाज चुना जा सके, इसके लिए आपको एक और रात वापस आना होगा।

इलाज

- निरंतर हवा का सकारात्मक दबाव बने रहना (सीपीएपी): यह एक छोटा पोर्टेबल मैकेनिकल डिवाइस है। इस डिवाइस में एक पंखा लगा होता है, जो नींद के दौरान लगातार हवा देकर आपके सांस मार्ग को खुला रखता है।
- कुछ ऐसे प्लास्टिक डिवाइस होते हैं, जिन्हें मुंह में पहना जाता है। दिखने में ये ऑर्थोडॉन्टिक रिटेनर्स या स्पोर्ट माउथ गार्ड्स की ही तरह होते हैं। ये ओरल डिवाइस सांस मार्ग को चिपकने से रोकते हैं।
- सर्जिकल इलाज के अंतर्गत नाक, तालू, जीभ, जबड़ा, गर्दन और कई अन्य जगहों की समस्याओं को दूर किया जाता है। सबसे लोकप्रिय सर्जरी लेजर प्रक्रिया है, जो खर्राटे भरने और सोते वक्त सांस की समस्या को दूर करने में सक्षम हैं।

हार्ट अटैक को अब मात देगा पीपल

पीपल का पेड़ यानी भूतों का घर, ऐसा हमारा कहना नहीं लोगों का कहना है। पीपल वो वृक्ष है जो छाव तो देता ही है, बल्कि हार्ट अटैक जैसी बड़ी बिमारी को भी मात देने की ताकत भी रखता है। बहुत ही कम लोग इस पीपल के पत्तों के इन फायदों को जानते है। रोजाना पीपल के पत्तों का पानी पीने से हार्ट अटैक का खतरा टल जाता है। जो लोग हार्ट अटैक के रिस्क के साथ जीते है, उन्हें इस पीपल के घरेलु उपायों को जरूर इस्तेमाल करना चाहिए। जिन लोगों को हार्ट अटैक आ चूका है, वे कुछ दिन छोड़कर इस उपाय का इस्तेमाल करें। रोजाना एक पीपल की पत्तियां लिजिए व उसे एक गिलास पानी में पकाइए, जब पानी एक तिहाई रह जाए तो उसे ठंडा करके पी लीजिए। ध्यान रहे की पत्ती के ऊपर का भाग काटकर अलग रख दें। पीपल के इन पत्तों को लेने का भी अलग तरीका होता है। इस दवा को दिन में तीन बार पिया जाता है।15 दिन इस काढ़े को पीने से दिल के दौरे का खतरा कम हो जाता है। पीपल का पत्ता दिल को अद्भुद ताकत देता है। इस काढ़े तो दिन में तीन बार लेना चाहिए, एक सवेरे नाश्ता करने के बाद 8 बजे, एक 11 बजे और एक दिन में 2 बजे। पीपल के पत्तों का उपचार करते वक्त तली हुई चीजें, मांस, मच्छी, शराब, धूम्रपान , नमक खाना बंद कर दें। इस उपचार को करते वक्त मैथी दाना,बथुआ,आंवला, अनार, पपीता,सेब का मुरब्बा, मौसंबी, रात में भिगोए काले चने, किशमिश, गुग्गुल, दही, छाछ का सेवन. सेब का मुरब्बा, मौसंबी, रात में भिगोए काले चने, किशमिश, गुग्गुल, दही, छाछ। ध्यान रहे उपचार करते समय हरे, कोमल और विकसित पत्ते ही लीजिए, भूलकर भी पीपल के गुलाबी कोपलों को न लें।

शहद के उपयोग से बारिश में नहीं आएंगी बीमारियां

हम सब जानते हैं कि बारिश के मौसम में बड़ी जल्दी- जल्दी बीमार पड़ते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इस दौरान हमारे शरीर की इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है और ज़रा सा बारिश में भीग जाने की वजह से हम बीमार पड़ जाते हैं।अगर आयुर्वेद की मानें तो, हमारे पास शहद है जो एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरी होती है। शहद का एक चम्मच रोजाना सेवन करने से हमारा शरीर बारिश की तमाम बीमारियों से बचा रह सकता है। आइये जानते हैं शहद हमारी रक्षा कैसे करेगी...

वायरल फीवर और सर्दी-खांसी से लड़े

शहद में एंटीऑक्सीडेंट और रोगाणुरोधी गुण होते हैं, जो खांसी और गले की समस्या में राहत प्रदान करती है। वे लोग जिन्हें रेसपिरेट्री ट्रैक इंफेक्शन होता है उनके लिए भी शहद लाभकारी है। 1 कप गरम पानी में 1 चम्मच नींबू का जूस और 1 चम्मच शहद मिक्स के धीरे धीरे सेवन करना चाहिए।

पेट के संक्रमण से राहत दिलाए

शहद में प्रोबायोटिक्स होते हैं, जो एक अच्छा बैक्टीरिया होता है। यह पेट संक्रमण और फूड प्वाइजनिंग से आपकी रक्षा करेगा इसलिए रोजाना 1 चम्मच शहद का सेवन करना न भूलें।

इम्यूनिटी बढ़ाए

शहद में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है, जो संक्रमण से लड़ने में सहायक होता है। 1 चम्मच शहद, 1 चम्मच अदरक का रस और नींबू का रस मिला कर गरम पानी के साथ पिएं। इससे आपकी इम्यूनिटी बढ़ेगी।

बैक्टीरियल इंफेक्शन से बचाए

शहद में एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण होते हैं। यह बैक्टीरिया और जर्म से लड़ने में मदद करती है। बारिश की वजह से कॉलरा और डायरिया ना हो जाए इसलिए आपको शहद का सेवन जरुर करना चाहिए।

रेसिपी

पापड़ पनीर फ्रिटर्स

सामग्री

1 कप चूरा किया हुआ पनीर, नमक स्वादअनुसार, 1 टेबल-स्पून कसा हुआ लहसुन, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टी-स्पून टमेटो कैचप, 1/3 कप मैदा, 3/4 कप क्रश किए हुए पापड़, **तलने के लिए:** तेल , **परोसने के लिए:** टमेटो कैचप

विधि

पनीर को प्लेट में रखकर अच्छी तरह गूंथ लें। नमक, लहसुन, लाल मिर्च पाउडर, टमेटो कैचप डालकर अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण को 9 बराबर भाग में बांट लें और प्रत्येक भाग को 50 मिमी (2) लंबे गोल आकार में रोल कर लें। एक तरफ रख दें। मैदा और 1/2 कप पानी को बाउल में अच्छी तरह मिला लें। प्रत्येक रोल को मैदा-पानी के पेस्ट में डुबोकर क्रश किए हुए पापड़ में लपेट लें और सभी तरफ सुनहरा और करारा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज में निकालकर, टमेटो कैचप के साथ तुरंत परोसें।

मिक्स्ड वेजिटेबल सागु

सामग्री

सागु मसाला के लिए: 2 स्पून उड़द दाल, 2 से 3 हरी मिर्च , कटी हुई, 4 से 5 काली मिर्च, 2 स्पून धनिया पाउडर, 1/2 स्पून ज़ीरा, 1/2 दालचीनी का टुकड़ा, 2 लौंग, 4 स्पून कसा नारियल। **अन्य सामग्री:** 1 स्पून घी/ नारियल का तेल/ अन्य तेल, 1 स्पून सरसों, 1 स्पून उड़द दाल, 1 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च , टुकड़ो में तोड़ी हुई, 1/2 टी-स्पून हींग, 7 से 8 कड़ी पत्ता, 1/4 कप बारिक कटा हुआ प्याज़, 2 कप कटी हुई मिली-जुली सब्जियां, 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 1 स्पून सागु मसाला पाउडर , 1 चक्र फूल और 1 तेजपत्ता

विधि

सागु मसाला पाउडर के लिए: एक छोटा पैन गरम करें और लगातार हिलाते हुए, उड़द दाल के सुनहरा होने तक, मध्यम आंच पर सूखा भुन लें। एक तरफ रख दें। ठंडा करने के बाद, शेष बची हुई सामग्री डालकर मिक्सर में पीसकर मुलायम पाउडर बना लें। एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** कढ़ाई में घी/तेल गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, उड़द दाल, लाल मिर्च, हींग और कड़ी पत्ता डालकर अच्छी तरह मिला लें और लगातार हिलाते हुए, दाल के सुनहरा होने तक मध्यम आंच पर भुन लें। प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर उनके पार्दर्शी होने तक लगातार हिलाते हुए भुन लें। मिली-जुली सब्जियां, हल्दी पाउडर, नमक और 11/4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और ढ़ककर, बीच में एक बार हिलाते हुए, 12 से 15 मिनट तक मध्यम आंच पर, सब्जियों के नरम होने तक पका लें। सागु मसाला पाउडर डालकर हल्के हाथों मिला लें और 5 मिनट तक धीमी आंच पर उबाल लें। चक्र फूल और तेज़पत्ता से सजाकर गरमा गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)